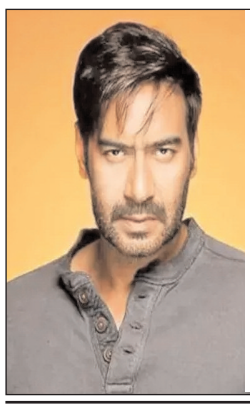

सिनेमा में आएगी 'गरुड़ पुराण' की महागाथा, अजय देवगन की सुपरनैचुरल थ्रिलर का टाइटल हुआ कन्फर्म?

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिकतम - 34
न्यूनतम - 30

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 264 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर बुधवार 23 सितम्बर 2026 ● भाद्रपद शुक्ल 11 विक्रमी संवत ● पृष्ठ 12 ● मूल्य 4 रूपया

संक्षिप्त समाचार

अस्पताल में आग, 3 नवजात की मौत

27 बच्चे एडमिट थे,एसी फटने की जता रहे आशंका

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के आदिलाबाद जिले के सरकारी अस्पताल की स्पेशल न्यूबॉर्न केयर यूनिट में सोमवार रात करीब 11.50 बजे आग लग गई। हादसे में अब तक 3 नवजात की मौत हो गई, जबकि कई अन्य की हालत गंभीर है। अधिकारियों के मुताबिक, यूनिट में 27 नवजात का इलाज चल

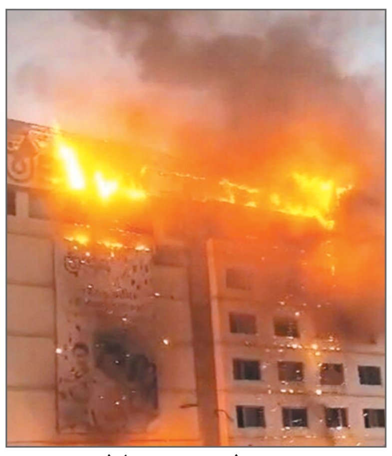

रहा था। हादसे के बाद 24 बच्चों का अलग-अलग प्राइवेट अस्पतालों में इलाज जारी है। शुरुआती जानकारी में एसी में खराबी के बाद धमाके की आशंका जताई गई है। हालांकि सही वजह जांच पूरी होने के बाद सामने आएगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत में इस साल अस्पतालों में आग लगने से 25 लोगों की मौत हुई है। इनमें ओडिशा के कटक में 12 मरीज, बिहार के मुजफ्फरपुर में 5 मरीज, महाराष्ट्र के अमरावती में 3 नवजात, तेलंगाना के आदिलाबाद में 3 नवजात, उत्तर प्रदेश के कानपुर में 1 नवजात और उत्तराखंड के देहरादून में एक मरीज शामिल है।

मेटा के बाद अब गूगल ने भी मानी सरकार की बात

बाल यौन शोषण से जुड़े कंटेंट पर भारत को मिलेगी सीधी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। गूगल ने सोमवार को जानकारी दी कि बच्चों के यौन शोषण से जुड़े कंटेंट की सीधी जानकारी भारतीय अधिकारियों को दी जाएगी। भारत सरकार ने साफ तौर पर इस बारे में गूगल समेत कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से जानकारी मांगी थी। गूगल का भारत को ये जानकारी देना पुराने ग्लोबल तरीके से अलग है, जिसके तहत ऐसी रिपोर्ट पहले अमेरिका की एक

नॉन-प्रॉफिट संस्था को भेजी जाती थीं। गूगल से पहले मेटा ने भी पिछले हफ्ते बच्चों के यौन शोषण से जुड़े मामले में भारत को रिपोर्ट देने के बारे में कहा था। यह फैसला भारत सरकार के मेटा और गूगल जैसी बड़ी टेक कंपनियों पर दबाव डालने के बाद आया है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स को सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, भारत सरकार ने हाल के हफ्तों में टेक कंपनियों से कहा था कि भारत से जुड़े बच्चों के शोषण वाले कंटेंट की रिपोर्ट सीधे करें, क्योंकि मौजूदा सिस्टम में रिपोर्ट में काफी देरी होती है। गूगल के एक प्रवक्ता ने कहा, कंपनी बच्चों के यौन शोषण से जुड़े कंटेंट का पता लगाने, उसे रोकने, हटाने और उसकी रिपोर्ट करने में काफी निवेश करती है। इस व्यवस्था में कीमती समय बर्बाद होता है।

विमेंस क्रिकेट टीम ने एशियन गेम्स-2026 में दिलाया गोल्ड

टीम ने लगातार दूसरी बार एशियन गेम्स में जीता गोल्ड मेडल

श्रीलंका को पछाड़कर भारतीय छोरियों ने रच दिया इतिहास

निशिन (एजेंसी)। भारतीय विमेंस क्रिकेट टीम ने लगातार दूसरी बार एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीत लिया है। टीम ने मंगलवार को फाइनल में श्रीलंका को 147 रन से हराया। भारत ने 2022 हांगझोउ एशियन गेम्स में भी गोल्ड मेडल जीता था। भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 3 विकेट पर 216 रन बनाए। यह एशियन गेम्स में भारतीय विमेंस टीम का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। 217 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी श्रीलंकाई टीम 15.4 ओवर में 69 रन पर ऑलआउट हो गई। थर्ड प्लेस के मैच में पाकिस्तान ने बांग्लादेश को हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीता है।

मंधाना ने संभाली पारी दीप्ति ने ढाया कहर

भारत के लिए स्मृति मंधाना ने 79, ऋचा घोष ने नाबाद 49 और शेफाली वर्मा ने 48 रन की पारी खेली। मंधाना और शेफाली के बीच पहले विकेट के लिए 99 रन की साझेदारी हुई। मंधाना ने इस पारी के दौरान विमेंस इंटरनेशनल क्रिकेट में 11 हजार रन भी पूरे किए। भारत की ओर से दीप्ति शर्मा ने सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए। शेफाली वर्मा, श्रेयंका पाटिल और श्री चरणी को भी 2-2 विकेट मिले। श्रीलंका के 8 बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके। इस गोल्ड मेडल के साथ भारत एशियन गेम्स-2026 की मेडल टैली में टॉप-10 में पहुंच गया है।

खाने के तेल में जल्द लगने वाली है 'आग'

● दशहरा-दीवाली से पहले लगेगा महंगाई का तड़का ● 7-8 फीसदी बढ़ोत्तरी के हैं आसार ,बढ़ रहा दबाव ● बढ़ती लैंडेड कॉस्ट व रुपए में कमजोरी बनेगी वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। दशहरा और दीवाली से पहले देश में खाने के तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं। आयात लागत बढ़ने से कंपनियों के मार्जिन पर दबाव बढ़ रहा है। ऐसे में एडिबल ऑयल कंपनियां कीमतों में करीब 7-8 फीसदी तक बढ़ोतरी करने पर विचार कर रही हैं। हालांकि, बेहतर सप्लाई और इंपोर्ट ड्यूटी में संभावित कटौती से बढ़ोतरी सीमित रह सकती है। अगर कंपनियां कीमतें बढ़ाती हैं तो मार्च के बाद यह तीसरी बार होगा, जब खाने के तेल के दाम बढ़ेंगे। फाइनेंशियल एक्सप्रेस के मुताबिक इससे पहले मार्च से जून के बीच दो चरणों में कंपनियों ने करीब 5 से 6 फीसदी की बढ़ोतरी की थी। इस तरह उस दौरान खाने के तेल की कीमतों में कुल 10 से 12 फीसदी तक इजाफा हुआ था। खाने के तेल की कीमतों पर सबसे ज्यादा दबाव क्रूड एडिबल ऑयल की बढ़ती लैंडेड कॉस्ट से आ रहा है। कमजोर रुपया, महंगा फ्रेट और इंश्योरेंस तथा अंतरराष्ट्रीय बाजार में वेजिटेबल ऑयल की ऊंची कीमतों ने कंपनियों की लागत बढ़ा दी है।

सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के आंकड़ों के मुताबिक, 18 सितंबर को मुंबई पोर्ट पर क्रूड पाम, सोयाबीन और सनफ्लावर ऑयल की लैंडेड कीमत क्रमशः 1,265 डॉलर, 1,314 डॉलर और 1,380 डॉलर प्रति टन थी। एक साल पहले की तुलना में पाम और सोयाबीन ऑयल की कीमत करीब 11 और सनफ्लावर ऑयल की कीमत करीब 7 फीसदी ज्यादा थी।

58 फीसदी से ज्यादा हिस्सा आयात

भारत अपनी कुल एडिबल ऑयल जरूरत का 58 फीसदी से ज्यादा हिस्सा आयात करता है। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों और रुपये की चाल का सीधा असर घरेलू बाजार पर पड़ता है। भारत में हर साल करीब 2.5-2.6 करोड़ टन खाने के तेल की खपत होती है। इसमें पाम, सोयाबीन और सनफ्लावर ऑयल की बड़ी हिस्सेदारी है।

कंपनियों के पास कीमत बढ़ाने का विकल्प

जानकारों के मुताबिक क्रूड एडिबल ऑयल की लैंडेड कॉस्ट में करीब 8-11 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में कंपनियों के लिए इस बढ़ी हुई लागत का कुछ हिस्सा ग्राहकों तक पहुंचाना जरूरी हो सकता है। हालांकि, उन्होंने कहा कि कीमत बढ़ाने का समय और इसकी मात्रा बाजार में मांग और सप्लाई की स्थिति पर निर्भर करेगी। इंडस्ट्री के मुताबिक आने वाले दिनों में क्रूड एडिबल ऑयल लेकर आने वाले जहाजों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। इससे बाजार में सप्लाई और इन्वेंट्री की स्थिति बेहतर हो सकती है। अगर घरेलू बाजार में तेल की उपलब्धता बढ़ती है तो कंपनियों पर बढ़ी हुई अंतरराष्ट्रीय लागत का पूरा बोझ ग्राहकों पर डालने का दबाव कुछ कम हो सकता है।

एक जैसे फिंगर प्रिंट्स और एक जैसे रेटिना ने कर दिया हैरान

● रामपुर की जुड़वां बहनों के आगे सारे सिस्टम भी हुए फेल!

रामपुर (एजेंसी)। रामपुर की दो जुड़वा बहनों के लिए बायोमीट्रिक तकनीकी व्यवस्था कई साल तक परेशानी का कारण बनी रही। फिंगरप्रिंट और आंखों के बायोमीट्रिक डेटा में अधिक समानता के चलते सिस्टम दूसरी बच्ची को अलग व्यक्ति के रूप में पहचान नहीं पा रहा था। नतीजा यह हुआ कि दोनों बहनों में से सिर्फ एक का ही पहचान पत्र बन सका, जबकि दूसरी बच्ची का आवेदन हर बार डुप्लीकेट डेटा बताकर अटक जाता था। आखिरकार जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी की पहल के बाद नई दिल्ली ने मामले में विशेष तकनीकी समाधान निकाला और दोनों बहनों के अलग-अलग पहचान पत्र जारी हो गए।

पहचान पत्र न होने से परिवार था परेशान

रामपुर नगर के मोहल्ला खारी कुआं निवासी जुबैर इलियास की जुड़वा बेटियां तुबा जुबैर और खिजरा जुबैर हैं। दोनों के पहचान पत्र बनवाने की प्रक्रिया के दौरान तकनीकी समस्या सामने आई। एक बच्ची का पंजीकरण होने के बाद जब दूसरी का नामांकन कराया गया तो बायोमीट्रिक मिलान प्रणाली ने उसे पहले से पंजीकृत डेटा से मिलता-जुलता पाया। इसके चलते आवेदन आगे नहीं बढ़ सका। परिवार ने स्थानीय स्तर पर कई प्रयास किए, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकल पाया।

● पंथक वोट बंटा तो सत्ता में लौटने का सपना होगा चकनाचूर

कांग्रेस-आप नहीं अमृतपाल बढ़ा रहे अकाली दल की टेंशन

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब की राजनीति में विधानसभा चुनाव से पहले पंथिक राजनीति एक बार फिर चर्चा के केंद्र में है। लंबे समय तक इस क्षेत्र में प्रमुख भूमिका निभाने वाला शिरोमणि अकाली दल अब कई गुटों और नए राजनीतिक संगठनों की चुनौती का सामना कर रहा है। अमृतपाल सिंह की 'वारिस पंजाब दे', सिमरनजीत सिंह मान की पार्टी और अकाली दल से अलग हुए गुट अपने-अपने तरीके से पंथक मतदाताओं तक पहुंच बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इसी बीच सुखबीर बादल के हालिया बयानों ने भी साफ संकेत दे दिया है।

● **कांग्रेस-आप को छोड़ अमृतपाल पर किया था हमला-** नांदेड़ हमले के बाद जब शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल 26 अगस्त को श्री मुक्तसर साहिब जिले में राजनीतिक मंच पर लौटे तो उन्होंने सत्ताधारी आम आदमी पार्टी या कांग्रेस पर हमला नहीं बोला था। इन दोनों बड़े दलों पर हमला न बोल लोकसभा सांसद अमृतपाल सिंह और उसकी पार्टी वारिस पंजाब दे को निशाना बनाया था। यह पार्टी पंजाब की राजनीति में उसी पंथिक वोट बैंक को मजबूत करने की कोशिश कर रही है।

पंथिक राजनीति में कई दावेदार

विधानसभा चुनाव से पहले पंजाब में कम से कम चार राजनीतिक समूह पंथिक आधार पर अपनी जगह मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं। इनमें शिरोमणि अकाली दल, 'वारिस पंजाब दे', सिमरनजीत सिंह मान की अकाली दल (अमृतसर) और अकाली दल (पुनर सुरजीत) शामिल हैं। अकाली दल (पुनर सुरजीत) का गठन अगस्त 2025 में अकाली दल के भीतर पैदा हुए विवाद के बाद हुआ। यह घटनाक्रम अकाल तख्त के निर्देशों और आदेशों से जुड़े विवादों के बीच सामने आया था। कई दशकों तक मुख्यधारा की पंथिक राजनीति में अकाली दल का प्रभाव काफी मजबूत रहा। हालांकि समय के साथ पार्टी की राजनीतिक स्थिति कमजोर हुई। खासकर 2012 से 2017 के बीच धार्मिक बेअदबी की घटनाओं को लेकर पार्टी सरकार को आलोचना का सामना करना पड़ा। इसी दौर में अपराध और नशे की समस्या को लेकर भी सरकार पर सवाल उठे।

लड़की को बैड टच करने वाले का एनकाउंटर

जमुई में भागने के दौरान पुलिस ने पैर में गोली मारी; अब तक 6 गिरफ्तार

जमुई (एजेंसी)। बिहार के जमुई में नाबालिग छात्रा से बदसलूकी करने वाले मुख्य आरोपी नंदन यादव का पुलिस ने एनकाउंटर किया है। उसने मंगलवार को पुलिस को देखते ही भागने की कोशिश की। इस पर पुलिस ने पैर में गोली मारकर उसे गिरफ्तार कर लिया। सूत्रों की माने तो आरोपी उसी मड़वा पहाड़ी के आसपास छिपा हुआ था, जहां दोनों स्टूडेंट घूमने गए थे। पुलिस के मुताबिक वायरल वीडियो में लाल गमछा पहने दिख रहा युवक नंदन है। उसे सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामले में सभी 6 लोगों की गिरफ्तार कर लिया है।

19 सितंबर को हुई थी बदसलूकी

घटना 19 सितंबर की शाम करीब 7 बजे की है। दोनों पीड़ित बच्चे 10वीं क्लास में पढ़ते हैं। शनिवार को ट्यूशन के बाद दोनों जमुई स्थित मड़वा पहाड़ी घूमने गए थे। लौटते समय कुछ युवकों ने उन्हें रोक लिया और इसके बाद ये घटना हुई। बिहार के जमुई में छात्रा के साथ बीच सड़क पर छेड़खानी और अश्लील हरकतें की गई। उसके दोस्त के साथ आरोपियों ने गाली-गलौज और मारपीट की। छात्रा के साथ आपत्तिजनक हरकत का वीडियो बनाया और इसे सोशल मीडिया पर वायरल भी कर दिया।

खाड़ी तक पहुंच के लिए भारत को मिल गया नया 'गेटवे'

● जल्द खत्म हो जाएगा होर्मुज का झंझट, बना लिया है प्लान ● ओमान का सोहर पोर्ट भारत के लिए बनेगा वैकल्पिक रास्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में जारी सैन्य तनाव और होर्मुज स्ट्रेट से जुड़े जोखिमों ने भारत के लिए खाड़ी देशों तक सामान पहुंचाने के पुराने रास्तों को लेकर चुनौती खड़ी कर दी है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या ओमान का सोहर पोर्ट भारत के लिए खाड़ी तक पहुंच का नया गेटवे बन सकता है। पिछले कुछ समय से भारत से खाड़ी देशों तक जाने वाले कार्गो के लिए सोहर पोर्ट तेजी से एक वैकल्पिक रास्ते के तौर पर उभर रहा है।

होर्मुज के सबसे संकरे हिस्से से बाहर स्थित यह बंदरगाह भारतीय कारोबारियों को समुद्र, सड़क और भविष्य में रेल के

जरिए खाड़ी बाजारों तक पहुंचने का नया विकल्प दे रहा है। दूसरा कारण ओमान के साथ भारत के अच्छे रिश्ते भी हैं। पीएम मोदी को ओमान के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ ओमान से भी सम्मानित किया जा चुका है। भारत के लिए इसकी अहमियत सिर्फ इसलिए नहीं है कि यहां से माल को समुद्र और सड़क के रास्ते आगे भेजा जा सकता है, बल्कि सोहर भारत और खाड़ी बाजारों के बीच एक अतिरिक्त लॉजिस्टिक कड़ी उपलब्ध करा सकता है।

भारत की कंपनियों पर बढ़ा फोकस

ओमान अब भारतीय कंपनियों को सोहर पोर्ट और उससे जुड़े फ्रीजोन में निवेश के लिए आकर्षित कर रहा है। सितंबर में नई दिल्ली में फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गनाइजेशंस के साथ हुए कार्यक्रमों में सोहर की कनेक्टिविटी, मैन्युफैक्चरिंग, लॉजिस्टिक्स और क्षेत्रीय बाजारों तक पहुंच पर चर्चा हुई। सोहर फ्रीजोन के सीईओ रैद अल रुबैई ने भारतीय निवेश को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि दोनों देशों के कारोबारी रिश्तों को औद्योगिक निवेश और मजबूत सप्लाई चेन के जरिए विस्तार दे सकते हैं।

तेल के लिए भी बना अहम ट्रांजिट पॉइंट

सोहर की भूमिका केवल भारतीय माल ढुलाई तक सीमित नहीं है। सऊदी अरब भी अपने कच्चे तेल के निर्यात के लिए ओमान के तट के पास जहाज से जहाज में तेल ट्रांसफर की व्यवस्था का इस्तेमाल कर रहा है। रिपोर्टों के मुताबिक, सितंबर और अक्टूबर में करीब 6 करोड़ बैरल सऊदी क्रूड को सोहर के पास शिप-टू-शिप ट्रांसफर के जरिए आगे भेजने की योजना है। भारत के लिए यह इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि देश अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा दूसरे देश से कच्चा तेल आयात करता है।

तमिलनाडु में अब 8वीं तक के बच्चों को मिलेगा फ्री ब्रेकफास्ट

● सीएम विजय ने लॉन्च की स्कीम,ब्रेकफास्ट योजना का बदला नाम

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जोसेफ विजय ने एमके स्टालिन सरकार की सबसे चर्चित कल्याणकारी योजना मुख्यमंत्री ब्रेकफास्ट स्कीम को जारी रखने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री विजय ने इस योजना को छ्रख्य सरकार के नाम के साथ नहीं लिया, बल्कि योजना का नाम बदल दिया है। सीएम विजय ने इस योजना को कांग्रेस के दिग्गज नेता कामराज के नाम पर योजना का नाम पर रखकर इसे एक नई राजनीतिक पहचान दी है। सरकार ने मुख्यमंत्री ब्रेकफास्ट स्कीम का नाम बदलकर पेरुंथलैवर कामराजर ब्रेकफास्ट स्कीम कर दिया है।

अनमोल वचन

अपनी दुर्बलताओं के कारण मानव त्रुटियां करता है, फिर पछताता है, फिर न करने की सौगंध खाता है कि आज के बाद झूठ नहीं बोलूंगा, आज के बाद किसी के साथ अन्याय नहीं करूंगा, हक तलफी नहीं करूंगा, आज के बाद किसी का अपमान नहीं करूंगा, आज के बाद किसी का दिल नहीं दुखाऊंगा, किसी को सताऊंगा नहीं, सभी के साथ अच्छा व्यवहार करूंगा। परम पिता परमात्मा से चाहता है कि आज तक के गुनाहों को क्षमा कर दे, आज के बाद मैं श्रेष्ठ मानव को भांति आचरण करूंगा। जब भलाई जागती है तो आदमी शुभ संकल्प करता है, कसमें खाई जाती हैं, संकल्प लिये जाते हैं, परन्तु याद रहे जब तक तुम्हारे भीतर प्रमाद है, चाहे जितनी कसमें खा लो, कसमें फिर टूट जायेंगी, फिर वही करोगे जो करना नहीं चाहिये। हम इतने चालाक हैं कि अपने कुकृत्यों का उत्तरदायित्व स्वयं नहीं लेते, उसका दोष दूसरों पर मढ़ देते हैं। कुकर्म हम करते हैं और उसका दोषी दूसरों को बना देते हैं। अमुक के कारण मुझसे यह त्रुटियां हो गई। अरे भोले मनुष्य! अपने गुणों को पहचानो, अपनी शक्ति, अपनी विशेषता को पहचानो। जिस प्रमाद के कारण तुम न करने योग्य कर्मों को कर रहे हो, उस प्रमाद को त्यागो। फिर देखोगे कि तुम एक पवित्र, निष्कलंक आत्मा बन जाओगे।

मीरापुर में दो लाख रुपये के दो चेक बाउंस: धोखाधड़ी का आरोप, पीड़ित ने थाने में दी तहरीर

रकम वापस मांगने पहुंचे पीड़ित को बंद मिला फोन

मीरापुर (मुजफ्फरनगर)। थाना क्षेत्र में दो लाख रुपये का चेक बाउंस होने का एक गंभीर मामला प्रकाश में आया है। पीड़ित व्यक्ति ने ग्राम तुल्हेडी निवासी एक ग्रामीण पर रकम वापस न करने, फोन बंद कर लेने और फर्जी/अमान्य चेक देने का आरोप लगाते हुए थाने में लिखित तहरीर दी है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानसठ थाना क्षेत्र के ग्राम घटायन निवासी राजकुमार पुत्र बृजपाल ने मीरापुर पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि उसने 28 जनवरी 2025 को ग्राम तुल्हेडी निवासी एक परिचित व्यक्ति को कार्य हेतु दो लाख रुपये उधार दिए थे। इस लेनदेन के एवज में आरोपी व्यक्ति ने सुरक्षा के तौर पर एक-एक लाख रुपये के दो चेक राजकुमार को सौंपे थे। आरोप है कि आरोपी ने निर्धारित समय सीमा के भीतर ब्याज सहित पूरी रकम लौटाने का पक्का वादा किया था। समय पूरा होने पर आरोपी हुआ फरार, फोन भी मिला बंद

पीड़ित राजकुमार के अनुसार, जब तय सीमा समाप्त हो गई तो वह अपनी दी हुई रकम वापस लेने आरोपी के घर ग्राम तुल्हेडी पहुंचा, लेकिन आरोपी घर पर मौजूद नहीं मिला। इसके बाद पीड़ित ने आरोपी से मोबाइल फोन के जरिए संपर्क साधने की कोशिश की, मगर आरोपी का मोबाइल नंबर लगातार स्विच ऑफ/पहुंच से बाहर मिलता रहा। आरोपी के इस रवैये से आशंकित होकर जब पीड़ित दोनों चेक लेकर संबंधित बैंक शाखा में भुनाने पहुंचा, तो बैंक कर्मचारियों ने पर्याप्त धनराशि न होने के कारण दोनों चेक बाउंस कर दिए। धोखाधड़ी का अहसास होने पर पहुंचे थाने

बैंक में चेक बाउंस होने के बाद पीड़ित राजकुमार को अपने साथ हुई धोखाधड़ी और ठगी का अहसास हुआ। इसके बाद उसने तुरंत मीरापुर थाने पहुंचकर आरोपी के खिलाफ नामजद तहरीर सौंपी। पीड़ित ने पुलिस प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर उसकी गाढ़ी कमाई के पैसे वापस दिलाने तथा आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई किए जाने की गुहार लगाई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शिकायत के आधार पर मामले की जांच की जा रही है, जांच के पश्चात आवश्यक कानूनी कदम उठाए जाएंगे।

प्रेमी के घर के बाहर युवती ने खाया जहरीला पदार्थ, अस्पताल में मौत

बात करने से इनकार करने पर घर पहुंची थी युवती, दरवाजा नहीं खुला तो उठाया खौफनाक कदम, पहले से युवक के खिलाफ दर्ज था दुष्कर्म का मुकदमा, जमानत पर बाहर आया था आरोपी

मुजफ्फरनगर। नई मंडी कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में मंगलवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब एक युवती ने अपने प्रेमी के घर के बाहर जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने डायल-112 पुलिस की मदद से युवती को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया। मामले में पुलिस ने प्रारंभिक जांच शुरू कर दी है। परिजनों की ओर से फिलहाल पुलिस को तहरीर नहीं दी गई है। पुलिस के अनुसार मंगलवार सुबह युवक अपने दोस्त के साथ स्कूटी पर सवार होकर जिम जा रहा था। रास्ते में युवती का घर पड़ता था। बताया गया कि युवती ने युवक की स्कूटी के आगे खड़े होकर उसे रोक लिया और बातचीत करने की कोशिश की। युवती युवक पर बात करने के लिए दबाव बना रही थी, लेकिन युवक ने उससे बात करने से इनकार कर दिया। बात करने को लेकर दोनों के बीच विवाद की स्थिति बन गई। युवती के हंगामा करने पर युवक वहां से स्कूटी लेकर वापस चला गया। इसके बाद युवती भी अपने घर चली गई। कुछ देर बाद वह युवक के घर पहुंच गई।

दरवाजा खुलवाने की कोशिश, फिर खाया जहरीला पदार्थ

बताया गया कि युवती ने युवक को आवाज लगाकर घर का दरवाजा खुलवाने की कोशिश की। उसने युवक से दरवाजा खोलने और बातचीत करने के लिए कहा। इसी दौरान युवती ने कथित तौर पर कहा कि वह उसके बिना नहीं रह सकती। दरवाजा नहीं खुलने के बाद युवती ने अपने साथ लाया जहरीला पदार्थ खा लिया। जहरीला पदार्थ खाने की जानकारी मिलते ही युवती के परिजनों में हड़कंप मच गया। परिजन मौके पर पहुंचे और डायल-112 पुलिस की मदद से युवती को तत्काल जिला अस्पताल ले गए। अस्पताल में चिकित्सकों ने उसका उपचार शुरू किया, लेकिन हालत गंभीर होने के कारण उसे बचाया नहीं जा सका। उपचार के दौरान युवती की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार परिजनों ने जानकारी दी है कि युवती और संबंधित युवक के बीच पहले से प्रेम प्रसंग था। परिजनों का आरोप है कि युवक ने शादी का झांसा देकर युवती के साथ दुष्कर्म किया था। इस मामले में नई मंडी कोतवाली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी युवक को जेल भेजा था। बाद में वह जमानत पर बाहर आया था।

मोरना शुगर मिल को राष्ट्रीय स्तर पर मिला 'बेस्ट केन डेवलपमेंट' अवार्ड: गन्ना विकास में देश में पाया तीसरा स्थान

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने नई दिल्ली में मिल अधिकारियों को सौंपा सम्मान

मोरना (मुजफ्फरनगर)। 'द गंगा किसान सहकारी चीनी मिल्स लिमिटेड, मोरना' ने गन्ना विकास और चीनी उत्पादन के क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम की है। राष्ट्रीय सहकारी शक्कर कारखाना संघ द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार समारोह में मोरना चीनी मिल को सर्वोत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 'बेस्ट केन डेवलपमेंट' के राष्ट्रीय अवार्ड से सम्मानित किया गया है। मंगलवार को नई दिल्ली स्थित डॉ. आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मिल के अधिकारियों को यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्रदान किया।

देशभर की सहकारी चीनी मिलों में मोरना को मिला तीसरा स्थान

मुख्य गन्ना अधिकारी प्रवीण यादव ने उपलब्धि की जानकारी देते हुए बताया कि 'राष्ट्रीय सहकारी शक्कर कारखाना संघ' द्वारा प्रतिवर्ष देश की तमाम सहकारी चीनी मिलों का गहन मूल्यांकन किया जाता है। गन्ना विकास, गुणवत्ता सुधार, और चीनी उत्पादन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली मिलों को इस राष्ट्रीय मंच से सम्मानित किया जाता है। इसी कड़ी में वर्ष २०२५-२६ के लिए मोरना चीनी मिल ने पूरे देश में तीसरा स्थान हासिल कर जनपद मुजफ्फरनगर का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने ट्रॉफी व प्रशस्ति पत्र देकर किया सम्मानित

नई दिल्ली के डॉ. आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में आयोजित गरिमामयी समारोह के दौरान केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने मोरना मिल के प्रधान प्रबंधक (जीएम) वी.पी. पांडे तथा मुख्य अभियंता शशिकांत यादव को मंच पर यह अवार्ड सौंपा। इस दौरान मिल प्रबंधन के अधिकारियों के चेहरों पर गर्व और खुशी साफ झलक रही थी। कार्यक्रम में मुख्य लेखाकार सलिल खरे तथा ए.के. शंकवार भी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय किसानों और मिल कर्मचारियों में खुशी की लहर

मोरना चीनी मिल को राष्ट्रीय स्तर पर मिले इस बड़े सम्मान से मिल कर्मचारियों के साथ-साथ क्षेत्र के गन्ना किसानों में भी भारी हर्ष का माहौल है। मिल प्रबंधन ने इस उपलब्धि का श्रेय क्षेत्र के परिश्रमी गन्ना किसानों और मिल के समर्पित अधिकारियों व कर्मचारियों के सामूहिक प्रयास को दिया है। अधिकारियों ने कहा कि यह पुरस्कार भविष्य में और बेहतर कार्य करने तथा किसानों को त्वरित सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रेरित करेगा।

भाजपा छोड़ पूर्व विधायक प्रदीप बालियान कांग्रेस में शामिल: हजारों समर्थकों के साथ थामा हाथ

नई दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय पर हुआ सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम

मुज़फ़्फ़रनगर। उत्तर प्रदेश की राजनीति में मंगलवार को एक बड़ा और महत्वपूर्ण राजनीतिक उलटफेर देखने को मिला। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कद्दावर नेता और पूर्व विधायक प्रदीप बालियान ने भारतीय जनता पार्टी से अपना नाता तोड़ते हुए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का दामन थाम लिया है। प्रदीप बालियान ने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में अपने हजारों समर्थकों की उपस्थिति में कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता ग्रहण समारोह में शीर्ष कांग्रेस नेताओं ने उनका और उनके समर्थकों का गर्मजोशी से पार्टी में स्वागत किया।

दिग्गज नेताओं की मौजूदगी में ग्रहण की सदस्यता

नई दिल्ली स्थित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय अकबर रोड में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रदीप बालियान का कांग्रेस में औपचारिक प्रवेश हुआ। कांग्रेस की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, इस अवसर पर उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय तथा सहारनपुर से कांग्रेस सांसद इमरान मसूद समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता, पदाधिकारी और सैकड़ों कार्यकर्ता मुख्य रूप से मौजूद रहे। शीर्ष नेतृत्व ने बालियान को पार्टी का पटका पहनाकर औपचारिक रूप से 'हाथ' का साथ दिलाया।

भाजपा से कांग्रेस तक बदला राजनीतिक रास्ता

प्रदीप बालियान का भाजपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल होना उनके लंबे राजनीतिक सफर में एक बेहद महत्वपूर्ण मोड़ माना जा रहा है। नई दिल्ली में आयोजित सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम में उनके साथ पश्चिमी यूपी से पहुंचे हजारों समर्थकों ने भी पार्टी की सदस्यता ली। इस दौरान कांग्रेस कार्यालय परिसर में कार्यकताओं और समर्थकों का भारी उत्साह व नारेबाजी देखने को मिली, जिससे पूरे दिन वहां राजनीतिक गहमागहमी बनी रही।

मुज़फ़्फ़रनगर में सड़क हादसे में दो घायल: पीड़ितों की मदद के लिए राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप ने रोका काफिला, खुद अस्पताल में कराया भर्ती

मंसूरपुर क्षेत्र में गाजियाबाद से आते समय मंत्री ने पेश की मानवता की मिसाल;

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश सरकार में पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने मंगलवार को अपनी संवेदनशीलता और मानवता का परिचय देते हुए एक बड़ा मिसाल कायम किया। गाजियाबाद से मुजफ्फरनगर आते समय मंसूरपुर थाना क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल दो व्यक्तियों को देखकर उन्होंने न सिर्फ अपना काफिला रुकवाया, बल्कि खुद मौके पर उतरकर घायलों को तत्काल एम्बुलेंस के जरिए अस्पताल भिजवाने की व्यवस्था कराई।

सड़क किनारे तड़प रहे थे घायल, मंत्री ने तत्काल रुकवाया काफिला

प्राप्त जानकारी के अनुसार, राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप मंगलवार को गाजियाबाद से एक तय कार्यक्रम के सिलसिले में मुजफ्फरनगर आ रहे थे। जैसे ही उनका काफिला मंसूरपुर क्षेत्र से गुजर रहा था, तभी सड़क किनारे दो व्यक्ति गंभीर हालत में लहूलुहान पड़े दिखाई दिए। हादसा देखकर मंत्री कश्यप ने बिना एक पल गंवाए अपने सुरक्षाकर्मियों और गाड़ियों के काफिले को तुरंत रोकने का निर्देश दिया और खुद गाड़ी से उतरकर घायलों के पास पहुंचे।

एसएसपी को दी सूचना, स्ट्रेचर की मदद से एम्बुलेंस में चढ़वाया

घटनास्थल पर पहुंचकर मंत्री ने घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए तत्काल मुजफ्फरनगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को फोन कर घटना से अवगत कराया और अविलंब मेडिकल एम्बुलेंस भेजने का निर्देश दिया। एम्बुलेंस के मौके पर पहुंचते ही मंत्री कश्यप ने अपने सुरक्षाकर्मियों व स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को बेहद सावधानीपूर्वक स्ट्रेचर पर रखवाया और एम्बुलेंस में सवार कराकर नजदीकी अस्पताल भिजवाया।नागरिकों से की मदद आगे आने की अपील

इस मानवीय कार्य के दौरान श्री नरेंद्र कश्यप ने भावुक होते हुए कहा, "मानवता से बड़ा दुनिया में कोई धर्म नहीं है। सड़क पर किसी भी इंसान को मुसीबत या हादसे का शिकार देखकर उसकी मदद के लिए हाथ बढ़ाना हर नागरिक का नैतिक एवं मानवीय दायित्व है।" उन्होंने आगे कहा कि दुर्घटना अथवा किसी भी आपात स्थिति में हमें संवेदनशीलता दिखाते हुए पीड़ित की तत्काल मदद के लिए आगे आना चाहिए, क्योंकि किसी की जिंदगी बचाने के लिए उठाया गया एक छोटा सा कदम ही सच्ची मानवता है। अधिकारियों को दिए बेहतर इलाज के निर्देश

राज्यमंत्री ने अस्पताल प्रशासन एवं संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए कि दुर्घटना में घायल दोनों व्यक्तियों का प्राथमिकता के आधार पर सर्वोत्तम इलाज सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने ईश्वर से घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ और पूर्ण रूप से स्वस्थ होने की कामना की। मंत्री जी के इस कार्य की स्थानीय लोगों एवं चश्मदीदों द्वारा भूरि-भूरि प्रशंसा की जा रही है।

कार्यालय नगर पंचायत बुढाना, मुजफ्फरनगर

पत्रांक:- 583/न०पं०बु०/2026-27

दिनांक:- 21.09.2026

सूचना आम

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा नगर पंचायत बुढाना में प्रार्थनापत्र प्रस्तुत करते हुए रजिस्टर्ड बैनामा/हिब्बानामा/वारिसान/पारिवारिक सदस्यता प्रमाण-पत्र/मृत्यु प्रमाण-पत्र/रजि० वसीयत के आधार पर अपना नाम गृहकर पंजिका में दर्ज किये जाने का अनुरोध किया गया है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त नाम परिवर्तन से आपत्ति है तो वह सूचना प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर अपना दावा/आपत्ति इस कार्यालय में कार्यालय समय में प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत अवधि के पश्चात किसी भी दावे/आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा। नाम परिवर्तन से सम्बन्धित प्राप्त अस्बेदनों का धीरा निम्नप्रकार है:-

क्र० सं०	नाम दर्ज करने हेतु आवेदन	भवन संख्या	भवन स्थित मोहल्ला	नगर पंचायत अभिलेखों में दर्ज नाम	नाम परिवर्तन किये जाने का कारण
1.	मालती देवी पत्नी ओमप्रकाश निवासी भजनपुरा दिल्ली	364	पछायला पूर्वी	मीना पत्नी मोहम्मद यामीन	रजि० बैनामा सं० 6447 दिनांक 19.09.2020 के आधार पर।
2.	गय्यूर - फारुख पुत्र स्व० अलीजान व जायदा पत्नी शौकीन व फरमान - दिलशाद पुत्र शौकीन निवासी मौ० मण्डी दक्षिणी कस्बा बुढाना	222	मण्डी दक्षिणी	अलीजान पुत्र युसुफ	मृतक अलीजान के मृत्यु प्रमाण पत्र सं० 145/2022 व पारिवारिक सदस्यता प्रमाण पत्र सं० 1339/एस०टी०/2024 दिनांक 31.12.2024 के आधार पर।
3.	अनिल कुमार पुत्र बालिकशन निवासी मौ० पछायला पूर्वी कस्बा बुढाना	140	पछायला पूर्वी	बालिकशन पुत्र कलीराम	रजि० हिब्बानामा सं० 11800 दिनांक 19.08.2026 के आधार पर।
4.	कमलेश त्यागी पत्नी विजयपाल ग्राम उकावली	429/2	पछायला पूर्वी	शशी देवी पत्नी विजेन्द्र कुमार	रजि० बैनामा सं० 443 दिनांक 08.01.2025 के आधार पर।
5.	नीता पत्नी विजेन्द्र कुमार (भवन के 1/2 भाग काबिज वाले हिस्से पर) निवासी मौ० पछायला पश्चिमी कस्बा बुढाना।	3	पछायला पश्चिमी	सुरेन्द्र - विजेन्द्र पुत्र चमन	रजि० हिब्बानामा 13444 दिनांक 12.09.2025 के आधार पर।
6.	मीनाक्षी पत्नी अरविन्द कुमार (भवन के 1/2 भाग पर) निवासी मौ० शाहवाडा कस्बा बुढाना।	326	शाहवाडा	सावित्री देवी पत्नी सरूप सिंह	रजि० हिब्बानामा सं० 8247 दिनांक 06.06.2025 के आधार पर।
7.	संजीव कुमार पुत्र रूपसिंह (भवन के 1/2 भाग पर) निवासी मौ० शाहवाडा कस्बा बुढाना।	326	शाहवाडा	सावित्री देवी पत्नी सरूप सिंह	रजि० हिब्बानामा सं० 8250 दिनांक 06.06.2025 के आधार पर।
8.	बलबीर सिंह पुत्र गोपीचन्द निवासी मौ० खाकरोबान कस्बा बुढाना	84	खाकरोबान	श्यामो देवी पत्नी गोपीचन्द	रजि० वसीयत सं० 17 दिनांक 10.01.2025 के आधार पर।
9.	बलबीर सिंह पुत्र गोपीचन्द निवासी मौ० खाकरोबान कस्बा बुढाना	85	खाकरोबान	गोपीचन्द पुत्र कबूल सिंह	रजि० वसीयत सं० 18 दिनांक 10.01.2023 के आधार पर।
10.	समीर पुत्र बन्दा, सईद, अरशद, नाजिम, अरशद पुत्र समीर निवासी मौ० पछायला पश्चिमी कस्बा बुढाना	650	पछायला पश्चिमी	हमीदा पत्नी समीर	हमीदा के मृत्यु प्रमाण पत्र दिनांक 04.05.2021 व पारिवारिक सदस्यता प्रमाण पत्र सं० 604/एस०टी० 2023/ पा०स०प्र०पत्र दिनांक 08.08.2023 के आधार पर।

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत बुढ़ाना

प्रेस विज्ञप्ति

सर्व ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि दिनांक 03.10.26 को थाना फुगाना में उच्चअधिकारी गणों के आदेशानुसार कुल 19 वाहन (16 मोटरसाइकिल व 03 चार पहिया वाहनों) की नीलामी की जानी है जिसमें नीलामी में भाग लेने वाले ठेकेदार समय 11:00 बजे नीलामी मय जीएसटी फॉर्म व अपनी आईडी व ₹50,000 अग्रिम धन के साथ नीलामी में भाग लेना सुनिश्चित करें।

पुलिस उपाधीक्षक फुगाना
जनपद मु०नगर।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर।

पत्रांक:- 1217/E-Tender/P.W.D/NPP/2026-27 | दिनांक:- 22-09-2026

अति अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

नगर पालिका परिषद मुजफ्फरनगर के निर्माण विभाग के समस्त पंजीकृत / वर्ष 2026-27 में नवीनीकृत / किसी भी शासकीय विभाग में निर्माण कार्यों हेतु पंजीकृत / नवीनीकृत ठेकेदारों को सूचित किया जाता है, कि निम्नलिखित 01 निर्माण कार्य हेतु दिनांक 29/09/2026 को अपराह्न 3:00 बजे तक ई-निविदायें आमन्त्रित की जाती है। वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर निविदा फार्म ऑनलाइन दिनांक 23/09/2026 की प्रातः 10:00 से दिनांक 29/09/2026 की अपराह्न 3:00 बजे तक डाउनलोड तथा अपलोड किया जा सकता है। प्राप्त ई-निविदाओं को दिनांक 29/09/2026 की अपराह्न 4:00 बजे अधिशासी अधिकारी महोदया के समक्ष खोला जायेगा। कार्य राज्य वित्त आयोग की धनराशि के अन्तर्गत स्वीकृत है। निविदा सूचना की सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त किये जाने हेतु नगर पालिका परिषद, मुजफ्फरनगर के निर्माण विभाग कार्यालय में आकर प्राप्त कर सकते हैं।

सहायक अभियन्ता (निर्माण)	अधिशासी अधिकारी	अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद	नगर पालिका परिषद	नगर पालिका परिषद
मुजफ्फरनगर।	मुजफ्फरनगर।	मुजफ्फरनगर

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादक: ◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222, मो. 9412211222
e-mail Address : royalbulletin@gmail.com

रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
बुधवार 23 सितम्बर 2026 पृष्ठ 3

खतौली में जानसठ तिराहे पर हाई-वोल्टेज ड्रामा: ठेली लगाने को लेकर दो पक्षों में मारपीट, पुलिस हिरासत में दोनों पक्ष

पुलिसकर्मियों ने संभाला मोर्चा, अवैध अतिक्रमण व अवैध उगाही से राहगीर परेशान

खतौली (मुजफ्फरनगर)। स्थानीय जानसठ तिराहे के पास मंगलवार की शाम सड़क किनारे फल की ठेली खड़ी करने के मामूली विवाद ने उग्र रूप ले लिया, जहां हाई-वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला। देखते ही देखते दो पक्ष आमने-सामने आ गए और उनके बीच जमकर मारपीट व धक्का-मुक्की हुई। सरेराह हुए इस हंगामे से मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। तिराहे पर तैनात पुलिसकर्मियों ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दोनों पक्षों को अलग किया और हिरासत में लेकर कोतवाली पहुंचाया।

कहासुनी के बाद फटे कपड़े, अफरा-तफरी का माहौल

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंगलवार शाम जानसठ तिराहे पर स्थित एक दुकान के सामने सड़क पर फल की ठेली खड़ी करने को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गए। शुरूआत में दोनों ओर से तीखी गाली-गलौज हुई, जिसने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया। दोनों पक्षों के बीच हुई मारपीट इतनी भयानक थी कि इसमें कई लोगों के कपड़े तक फट गए। अचानक हुई इस घटना से सड़क पर आने-जाने वाले राहगीरों में हड़कंप मच गया।

दुकानों के सामने से अवैध उगाही से खडा हुआ विवाद

स्थानीय निवासियों का कहना है कि जानसठ तिराहे के आसपास सड़क के दोनों ओर बड़ी संख्या में अवैध रूप से फ्रूट ठेलियां खड़ी रहती हैं। इसके चलते पूरे क्षेत्र में स्थायी अतिक्रमण की गंभीर समस्या पैदा हो चुकी है। लोगों ने गंभीर आरोप लगाते हुए बताया कि कुछ दुकानदार अपनी दुकानों के सामने ठेली लगवाने के एवज में ठेली संचालकों से बाकायदा दैनिक या मासिक किराया वसूलते हैं। इसी किराए और जगह पर कब्जे को लेकर फ्रूट विक्रेताओं के बीच आए दिन मारपीट और गाली-गलौज की नौबत आती है।

पुलिस ने हिरासत में लिया, समझौते में जुटे बिचौलिए

हंगामे की सूचना मिलते ही तिराहे पर ड्यूटी दे रहे पुलिसकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और दोनों पक्षों को काबू में कर कोतवाली ले गए। बताया जा रहा है कि घटना के बाद कुछ स्थानीय लोग कोतवाली पहुंचकर दोनों पक्षों के बीच समझौता कराने की कोशिशों में जुटे रहे। उधर, क्षेत्रवासियों और व्यापारियों ने जानसठ रोड व तिराहे को अतिक्रमण मुक्त कराने तथा ठेली संचालकों के लिए कोई एक व्यवस्थित व सुरक्षित स्थान (वेंडिंग जोन) निर्धारित करने की मांग वरिष्ठ अधिकारियों से की है।

मीरापुर के चुड़ियाला में महिला के सिर पर मारा अंडा: अभद्रता व मारपीट की: जान से मारने की दी धमकी

पीड़िता की शिकायत पर मीरापुर पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

मीरापुर (मुजफ्फरनगर)। मीरापुर थाना क्षेत्र के गांव चुड़ियाला में एक महिला के साथ मारपीट, अभद्रता और जान से मारने की धमकी देने का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता ने गांव के ही एक युवक पर गाली-गलौज करते हुए हमला करने और सिर पर अंडा मारकर चोट पहुंचाने का आरोप लगाया है। पीड़िता की तहरीर के आधार पर मीरापुर थाना पुलिस ने सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस को सौंपी गई तहरीर में चुड़ियाला निवासिनी नजराना ने बताया कि 19 सितंबर को दोपहर करीब एक बजे वह अपने भतीजे शाहजान के साथ गांव के ही रहने वाले अनीश के घर किसी काम से गई थी। आरोप है कि वहां बातचीत के दौरान अनीश ने उसके भतीजे की उंगलियों में लगी चोट का जिक्र करते हुए अचानक बिना किसी कारण के गाली-गलौज शुरू कर दी।

नजराना का कहना है कि जब उसने गाली-गलौज का विरोध किया, तो आरोपी अनीश आपा खो बैठा और उसके साथ मारपीट करने लगा। आरोप के अनुसार, बहस के दौरान आरोपी ने पास रखा एक अंडा उठाकर महिला के सिर पर दे मारा।

इसके बाद पीड़िता को जमीन पर गिरा दिया गया और बाल पकड़कर उसके साथ सरेराह अभद्रता की गई। आरोपी ने मुझे जमीन पर पटककर पीटा और बाल पकड़कर घसीटा। जब मैंने पुलिस में शिकायत करने की बात कही, तो उसने मुझे और मेरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी। घटना के समय चीख-पुकार सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर एकत्र होने लगे। ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा होती देख आरोपी जान से मारने की धमकी देता हुआ मौके से फरार हो गया।

घटना के बाद पीड़िता ने सीधे मीरापुर थाने पहुंचकर पुलिस को आपबीती सुनाई और लिखित शिकायत दर्ज कराई। मीरापुर पुलिस ने महिला की शिकायत के आधार पर आरोपी अनीश के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए इसकी जांच उपनिरीक्षक मदन पाल सिंह को सौंपी गई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गहनता से जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कदम उठाए जाएंगे।

विद्या भूषण की विरासत को सम्मान देने की उठी आवाज, मेरठ रोड का नाम हो विद्या भूषण मार्ग

93वीं जयंती पर पूर्व कैबिनेट मंत्री के विकास कार्यों को किया याद, स्टेडियम के नामकरण या प्रतिमा स्थापित करने की मांग की

मुजफ्फरनगर। शहर के विकास में पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं कांग्रेस नेता स्व. विद्या भूषण के योगदान को याद करते हुए उनकी 93वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मंगलवार को मेरठ रोड स्थित रेनबो विहार में स्व. विद्या भूषण के आवास पर कांग्रेस सेवादल के प्रदेश सचिव हरीश भूषण ने मीडिया सेंटर के पत्रकारों से वार्ता करते हुए उनके कार्यकाल के दौरान कराए गए विकास कार्यों को सामने रखा। इस दौरान उन्होंने मेरठ रोड का नाम बदलकर ह्यविद्या भूषण मार्गह्न किए जाने की मांग उठाई।

हरीश भूषण ने कहा कि स्व. विद्या भूषण ने मुजफ्फरनगर के विकास को नई दिशा देने के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य कराए थे। उनके अनुसार शहर कोतवाली के बाहर बाजार में निजी धनराशि से दुकानों का निर्माण कराकर बेरोजगार लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया। इसी प्रकार घास मंडी में भी बाजार विकसित कराया गया, जबकि कमल टॉकीज के बाहर दुकानों का निर्माण कराया गया। उन्होंने कहा कि इन कार्यों का उद्देश्य केवल निर्माण कराना नहीं, बल्कि आम लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना भी था। कांग्रेस नेता ने कहा कि स्व. विद्या भूषण ने मुजफ्फरनगर में खेल सुविधाओं के विकास पर भी विशेष ध्यान दिया। उनके कार्यकाल से जुड़े पुराने प्रकाशित संदर्भों में स्टेडियम, शहर कोतवाली मार्केट, एसडी कॉलेज मार्केट और अन्य विकास कार्यों का उल्लेख मिलता है। हरीश भूषण ने दावा किया कि शहर में औद्योगिक और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए भी उनके प्रयास उल्लेखनीय रहे और मुजफ्फरनगर को दो चीनी मिलें मिलीं। सबसे प्रमुख मांग स्टेडियम को लेकर उठाई गई। हरीश भूषण ने कहा कि जिस स्टेडियम के निर्माण में स्व. विद्या भूषण की भूमिका रही, उसका नाम वर्तमान में चौधरी चरण सिंह के नाम से जाना जाता है। उन्होंने मांग रखी कि स्टेडियम का नाम स्व. विद्या भूषण के नाम पर किया जाए। यदि नाम परिवर्तन संभव न हो तो परिसर में उनकी प्रतिमा स्थापित कर उनके योगदान को स्थायी रूप से सम्मान दिया जाए।

उन्होंने कहा कि मुजफ्फरनगर के इतिहास में स्व. विद्या भूषण की राजनीतिक और विकासात्मक भूमिका को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने की आवश्यकता है। उनके अनुसार जिस व्यक्ति ने शहर के विकास के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए, उसकी स्मृति को सार्वजनिक स्थलों और संस्थानों के माध्यम से जीवित रखना सम्मान का विषय है। वहीं हरीश भूषण ने आगामी 2027 उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर भी कांग्रेस के सत्ता में पूर्ण बहुमत के साथ आने का दावा किया। उत्तर प्रदेश में 2027 में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं और चुनाव आयोग की तैयारियां जारी हैं। हरीश भूषण ने कहा कि स्व. विद्या भूषण की जयंती केवल श्रद्धांजलि का अवसर नहीं, बल्कि उनके विकास कार्यों और जनसेवा की विरासत को याद करने का दिन भी है। प्रेस वार्ता में मुख्य रूप से हरीश भूषण के साथ गुफरान काजी, मदन मोहन शर्मा, सुबोध शर्मा, सतीश शर्मा, देवेंद्र वर्मा, इदरीश प्रमुख, विनोद धीमान, अनमोल जैन, ललित माहेश्वरी समेत अन्य लोग मौजूद रहे। सभी ने पूर्व मंत्री को याद करते हुए उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके योगदान की चर्चा की।

यूपी ग्रामीण बैंक में करोड़ों का गबन, पूर्व प्रबंधक समेत चार कर्मचारी निलंबित

बुढ़ाना में आक्रोशित ग्राहकों ने डीएवी रोड पर लगाया जाम

बुढ़ाना। कस्बे की यूपी ग्रामीण बैंक शाखा में ग्राहकों की गाढ़ी कमाई में करोड़ों रुपये के गबन का मामला सामने आया। खाते से रकम गायब होने की सूचना फैलते ही ग्राहकों में भारी आक्रोश फैल गया। मंगलवार को गुस्साए ग्राहकों ने डीएवी रोड पर बैंक के सामने जाम लगाकर जोरदार प्रदर्शन किया, जिससे यातायात पूरी तरह ठप हो गया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक भी हुई। इंस्पेक्टर सुभाष अत्री ने लोगो को समझाया कि टीम मामले की जांच कर रही है। सभी का पैसा लौटाने का भरोसा बैंक के अधिकारी दे रहे है। इंस्पेक्टर के कहने पर बैंक की ओर से जांच के बाद नियमानुसार सभी का पैसा वापस दिलाने का नोटिस चस्पा किया गया। गठित जांच टीम के वरिष्ठ प्रबंधक नितिन वर्मा ने बताया कि पूर्व शाखा प्रबंधक रूपक राणा के अलावा बैंक के तीन अन्य कर्मियों नेहा, विकास और कैशियर गौरव को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। जनपद से आई विशेष टीम रिकॉर्ड खंगालने में जुटी है।

मंगलवार को भी बैंक खुलने से पहले ही शाखा के बाहर सैकड़ों की संख्या में परेशान उपभोक्ताओं की लंबी कतारें लग गईं। लोग अपने बचत खाते, एफडी, क्रेडिट लिमिट और केसीसी खातों की जांच कराने के लिए बैंक पहुंचे। स्थिति तनावपूर्ण होते देख मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया।हेराफेरी के शिकार पीड़ितों की सूची लगातार लंबी होती जा रही है। अभी तक लगभग 283 शिकायती पत्र आए है। मंगलवार को पहुंचे मौ. हारून- चार लाख, राजकुमार सैनी-साढ़े सात लाख, ऋषभ जैन-11 लाख, प्रतीक-आठ लाख, लविश 20 लाख, अंकित अटाली 13 लाख, लोकेश पांच लाख, अरुणा त्यागी 18 लाख, अकबर 12 लाख, जितेश 15 लाख, कवींद्र 10 लाख, प्रमोद त्यागी, छह लाख, अमित जैन 10 लाख, यशपाल- पांच लाख, कविता- साढ़े सात, राजसिंह -11 लाख, सुनीता ढाई लाख, रनिवास 14 लाख 70 हजार, रतन आठ लाख आदि है।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का मुजफ्फरनगर में जोरदार स्वागत, कार्यकताओं में दिखा उत्साह

मुजफ्फरनगर। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का मंगलवार को मुजफ्फरनगर पहुंचने पर पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने जौली बाईपास स्थित टाटा मोटर्स के पास जोरदार स्वागत किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष के स्वागत को लेकर कार्यकताओं में खासा उत्साह दिखाई दिया। ढोल-नगाड़ों और नारों के बीच कार्यकताओं ने पुष्पवर्षा कर उनका अभिनंदन किया।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन मेरठ से सहारनपुर की ओर जाते समय मुजफ्फरनगर के जौली बाईपास पहुंचे। यहां भाजपा जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी के नेतृत्व में पार्टी कार्यकताओं ने उनका स्वागत किया। इस दौरान भाजपा के सेवा संकल्प अभियान सहित संगठनात्मक गतिविधियों को लेकर कार्यकताओं में उत्साह नजर आया।

स्वागत कार्यक्रम में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यकताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का फूल-मालाओं से स्वागत करते हुए पार्टी संगठन को मजबूत बनाने और केंद्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प व्यक्त किया।

इस अवसर पर भाजपा नेताओं ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का मुजफ्फरनगर आगमन कार्यकताओं के लिए उत्साहवर्धक है। उनके स्वागत को लेकर जिले के विभिन्न मंडलों एवं मोर्चों के पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता बड़ी संख्या में पहुंचे।

कार्यक्रम के दौरान भाजपा कार्यकताओं ने भारत माता की जय और भाजपा जिंदाबाद के नारे लगाए। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने भी कार्यकताओं का अभिवादन स्वीकार किया और सभी का उत्साह बढ़ाया।

उनके स्वागत को लेकर जौली बाईपास पर कुछ समय के लिए कार्यकताओं की भीड़ रही। स्वागत कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी व संचालन संजय गर्ग, सुनील दर्शन ने किया।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का स्वागत करने वालों में भाजपा जिलाध्यक्ष

सुधीर सैनी, पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान, राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप, नगरपालिका परिषद की अध्यक्षा श्रीमती मीनाक्षी स्वरूप, पूर्व विधायक अशोक कंसल, पूर्व विधायक प्रमोद उटवाल, सुशीला अग्रवाल, पूर्व जिलाध्यक्ष विजय शुक्ला, सत्यपाल पाल, वरिष्ठ भाजपा नेता गौरव स्वरुप, पूर्व विधायक उमेश मलिक, रामकुमार सहरावत, विनित कात्यान, शरद शर्मा, रुपेंद्र सैनी, राजकुमार छाबड़ा, पुरुषोत्तम गौतम, अंचित मित्तल, अजय सागर, अमित सुधा, नितिन मलिक, अमित चौधरी, अक्षय पुंडीर, गौरव पंवार, प्रवीण खेडा, दीपक मित्तल, नंदकिशोर, अनिल त्यागी, अमित शास्त्री, अमित कुमार, अमित पटपटिया, सागर वत्स, विजय घई, देवेश कौशिक, संजीव अरोड़ा, मनी पटपटिया, गीता जैन, ममता अग्रवाल, दिनेश पुंडीर, विशाल गर्ग, शोभित गुप्ता, सचिन त्यागी, विजय प्रजापति, अनुज सहरावत, पुरोहित उटवाल, अमरजीत गुर्जर, रक्षित नामदेव, जोगेंद्र गुर्जर व जिला मीडिया प्रभारी पवन अरोरा आदि मौजूद रहे।

खतौली तहसील में 28 सितंबर से भाकियू का बेमियादी धरना: किसानों से खाट और बिस्तर लाने की अपील

भाकियू का समस्याओं के समाधान तक जारी रहेगा आंदोलन

खतौली (मुजफ्फरनगर)। भारतीय किसान यूनियन की एक अत्यंत महत्वपूर्ण बैठक सोमवार को खतौली तहसील परिसर में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता रण सिंह ने की तथा कुशल संचालन भाकियू नेता सचिन चौधरी द्वारा किया गया। बैठक में खतौली तहसील क्षेत्र के किसानों, मजदूरों और आम जनता की विभिन्न ज्वलंत समस्याओं के साथ-साथ थाना रतनपुरी क्षेत्र की लंबित शिकायतों पर गहनता से चर्चा की गई। समस्याओं पर कोई सकारात्मक रुख न दिखने से नाराज भाकियू ने २८ सितंबर से खतौली तहसील परिसर में अनिश्चितकालीन धरना शुरू करने का जोरदार ऐलान किया है। राजस्व, पैमाइश और फसल नुकसान पर आर-पार के मूड में भाकियू बैठक को संबोधित करते हुए भाकियू एनसीआर प्रभारी कपिल सोम ने कहा कि किसानों और आम जनता के हक की लड़ाई के लिए भारतीय किसान यूनियन लगातार संघर्षरत रही है। खतौली तहसील क्षेत्र में राजस्व संबंधी मामलों, चकरोड व रास्तों की पैमाइश, जलभराव, फसल नुकसान, बिजली तथा नलकूप की समस्याओं का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर होना चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि 28 सितंबर से शुरू हो रहे अनिश्चितकालीन धरने के माध्यम से जब तक किसानों की जायज समस्याओं का समाधान नहीं हो जाता, भाकियू पूरी मजबूती के साथ अपनी आवाज बुलंद रखेगी। ब्लॉक अध्यक्ष ठाकुर सतेंद्र सिंह चौहान ने कहा कि खतौली ब्लॉक के गांवों में किसानों और ग्रामीणों की अनेक समस्याएं लंबे समय से धूल फांक रही हैं। चकरोड पैमाइश, जलभराव और बिजली समस्याओं के अलावा थाना रतनपुरी क्षेत्र में नलकूपों से हो रही चोरी की घटनाओं तथा किसानों की लंबित शिकायतों को इस आंदोलन में प्रमुखता से उठाया जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह धरना आम जनमानस के अधिकारों की रक्षा के लिए है, जिसमें संगठन के सभी पदाधिकारी और कार्यकर्ता पूरी निष्ठा के साथ भाग लेंगे। भाकियू पदाधिकारियों ने क्षेत्र के किसानों, मजदूरों और संगठन के समस्त कार्यकताओं से अपील की है कि २८ सितंबर को शुरू होने वाले अनिश्चितकालीन धरने के लिए पूरी तैयारी के साथ तहसील परिसर पहुंचे। उन्होंने विशेष रूप से आग्रह किया कि जो किसान रात्रि के समय धरने पर रुकेंगे, वे अपने साथ सोने के कपड़े, खाट, मच्छरदानी तथा आवश्यक दैनिक उपयोग की वस्तुएं लेकर आएं। भाकियू ने आंदोलन को अनुशासित और मजबूत बनाए रखने के लिए आपसी सहयोग पर बल दिया। इस रणनीतिक बैठक में राजवीर सिंह गुर्जर, जुल्फिकार छोटा, गुड्डू चौधरी, दीपांकर चौहान, राहुल अहलावत, रंधोल राठी, बिट्टू ठाकुर, प्रभात सैनी, शाकिब खान, अंकित चंदेल, कयूम अंसारी, मुजम्मिल राणा,

मोरना के रुड़कली में पंचायत: टिकट कटने की आशंका से नाराज जाहिद हसन, गरमाई आजाद समाज पार्टी की राजनीति

रविन्द्र भाटी को मीरापुर विधानसभा प्रभारी बनाने से हुआ विवाद

मोरना (मुजफ्फरनगर)। आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर मीरापुर विधानसभा क्षेत्र के मोरना इलाके में राजनीतिक सरगर्मियां अचानक तेज हो गई हैं। मीरापुर विधानसभा उपचुनाव में आजाद समाज पार्टी (आसपा) के प्रत्याशी रहे जाहिद हसन ने पार्टी में अपनी दावेदारी प्रभावित होने की आशंका को लेकर गहरा असंतोष व्यक्त किया है। मोरना क्षेत्र के गांव रुड़कली स्थित उनके आवास पर समर्थकों की एक महत्वपूर्ण पंचायत आयोजित की गई। पंचायत में मौजूद कार्यकताओं व ग्रामीणों ने जाहिद हसन के पक्ष में नारेबाजी करते हुए आजाद समाज पार्टी के प्रति अपना रोष जताया और संभावित नए प्रत्याशी का विरोध किया।

उपचुनाव में झेला प्रशासन का विरोध

पंचायत में अपनी बात रखते हुए जाहिद हसन ने कहा कि वर्तमान में रविन्द्र भाटी को मीरापुर विधानसभा का प्रभारी बनाया गया है, जिससे आगामी चुनाव में उनकी दावेदारी कमजोर पड़ गई है। विधानसभा उपचुनाव के दौरान मैंने पूरी मेहनत और लगन के साथ चुनाव लड़ा था। उस समय प्रशासन के भी कड़े विरोध का सामना करना पड़ा था। इसके बावजूद वह लगातार मोरना व आसपास के क्षेत्रों में सक्रिय हैं और पार्टी के लिए काम करते हुए जनता के सुख-दुख में बना हुआ हूं। इसके बाद भी किसी बाहरी व्यक्ति को तरजीह दिए जाने से कार्यकताओं की भावनाएं आहत हुई हैं।

हाईकमान से फैसले पर पुनर्विचार की मांग पंचायत में मौजूद शैदा हसन, शहजाद मुखिया, उन्नाव प्रधान, हाफिज शाहनजर, मौ. अमजद, सोनू प्रधान, संजय रवि, अरविंद कुमार, राजपाल तथा मौलाना मुमताज आदि ने कहा कि जाहिद हसन ने उपचुनाव के दौरान जमीनी स्तर पर संघर्ष किया था। किसी बाहरी व्यक्ति को प्राथमिकता दिए जाने से मोरना और मीरापुर के स्थानीय कार्यकताओं में निराशा फैल रही है। समर्थकों ने पार्टी नेतृत्व से अपने निर्णय पर पुनः विचार करने का आग्रह किया।

पंचायत में उपस्थित रहे प्रमुख ग्रामीणइस अवसर पर मुख्य रूप से वसीम प्रधान, गुलबहार, शमीम, जमील, वसीम कुरैशी, रब्बानी, मौ. वली, कारी आबिद, डॉ. नदीम, अफजाल कुतुबपुर, हाजी यूसुफ, महरबान, मटरू प्रधान सहित बड़ी संख्या में मोरना क्षेत्र के ग्रामीण व समर्थक मौजूद रहे।

न फौजी परिवार, न विरासत में मिली वर्दी; मनन ने अपनी मेहनत से किया मुकाम

मुजफ्फरनगर। शहर के रहने वाले मनन पाठक ने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बनकर अपने परिवार का नाम रोशन किया है। खास बात यह है कि मनन अपने परिवार से सेना में जाने वाले पहले सदस्य हैं। उनके परिवार में इससे पहले कोई भी व्यक्ति सेना में नहीं रहा है। अपनी इस उपलब्धि का श्रेय मनन ने अपने परिवार, खासकर अपने नाना-नानी को दिया है।

लेफ्टिनेंट बनने के बाद मनन पाठक ने अपनी सफलता और सेना में जाने के सफर के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि भले ही लोग उन्हें ह्यसेल्फ मेडह्न कहते हों, लेकिन उनकी सफलता के पीछे उनके परिवार का सबसे बड़ा योगदान है। उन्होंने अपनी उपलब्धि का विशेष श्रेय अपने नाना-नानी को दिया।

मनन ने बताया कि उनके परिवार में इससे पहले कोई भी व्यक्ति सेना में नहीं था और वह अपने परिवार से भारतीय सेना में जाने वाले पहले सदस्य हैं। उन्होंने कहा कि उनकी स्कूलिंग और आसपास के माहौल से उन्हें सेना में जाने की प्रेरणा मिली। सेना की ट्रेनिंग के अनुभव को साझा करते हुए मनन ने कहा कि प्रशिक्षण की शुरूआत में कई तरह की मुश्किलें आती हैं, लेकिन लगातार उस माहौल में रहने के बाद धीरे-धीरे कठिन परिस्थितियां भी आसान लगने लगती हैं। उन्होंने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि अगर जिंदगी में कुछ हासिल करना है तो सबसे पहले अपने दिमाग को उसके लिए तैयार करना होगा। कोशिश किए बिना यह पता नहीं चल सकता कि इंसान कितनी ऊंचाइयों तक पहुंच सकता है।

मनन के नाना दिव्यांश शर्मा ने कहा कि परिवार के बच्चे के लेफ्टिनेंट बनने की खबर से सभी बेहद खुश हैं और उन्हें इस उपलब्धि पर गर्व है। उन्होंने कहा कि परिवार में पहली बार कोई सदस्य सेना में शामिल हुआ है, जो सभी के लिए गौरव का विषय है।

मनन पाठक की मेहनत, लगन और आत्मविश्वास ने उन्हें भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट बनने का मुकाम दिलाया है। उनकी इस उपलब्धि से न केवल परिवार में खुशी का माहौल है, बल्कि उनके सेना में जाने से परिवार की नई पीढ़ी के लिए भी एक प्रेरणादायी उदाहरण सामने आया है।

संपादकीय

'फ्री रजिस्ट्री' पर ग्रहण?

मप्र की डॉ. मोहन यादव सरकार द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन 17 सितंबर को गांवों में शुरू की गई महत्वाकांक्षी मालिकाना हक के लिए मुफ्त रजिस्ट्री योजना अपने आगाज के तीसरे दिन भी परवान नहीं चढ़ सकी है तो इसकी मुख्य वजह है जिन कर्मचारियों को यह काम करना है, उन्हें ही विश्वास में नहीं लिया। नतीजा यह है कि उप पंजीयक के अधिकार दिए जाने के बाद भी सम्बन्धित पटवारी, नायब तहसीलदार और तहसीलदार इस काम को हाथ लगाने को तैयार नहीं है। उन्हें डर है कि जरा सी गलती भी उन्हें कानूनी उलझन में फंसा सकती है। दूसरी तरफ सरकार इस अमले को अभी तक भरोसा नहीं दिला सकी है कि वो निश्चिंत होकर अपना काम करें और योजना को सफल बनाए। गौरतलब है कि मप्र सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में संपत्ति का मालिकाना हक देने के लिए स्वामित्व अधिकार अभिलेख निष्पादन एवं पंजीयन योजना-2026 के तहत मुफ्त रजिस्ट्री का महाअभियान शुरू किया है। 17 सितंबर से शुरू हुआ यह अभियान 17 अक्टूबर तक चलेगा। इसके तहत प्रदेश के 55 जिलों के 41 हजार 568 से अधिक गांवों में किए सर्वे के बाद लगभग 68.47 लाख प्लॉटों में से 50 लाख से ज्यादा संपत्तियों को कानूनी अधिकार पत्र दिलाना है। इस पर करीब 4 हजार करोड़ रू. खर्च होंगे। यह पैसा सरकार ही देगी। उल्लेखनीय है कि शहरों में तो अचल सम्पत्तियों की रजिस्ट्री होती है, लेकिन गांवों में यह सुविधा नहीं है। सम्पत्ति का मालिकाना हक नहीं होने से लोगों को अन्य दूसरी सुविधाएं जैसे कि बैंक लोन आदि नहीं मिल पाते। रजिस्ट्री होने के बाद यह सुविधा उन्हें भी मिल सकेगी। वैसे तो यह काम पंजीयकों का है, लेकिन इतने बड़े और इतनी कम अवधि में काम पूरा करने के लिए उसके पास स्टाफ बेहद कम है। पंजीयन विभाग के पास महज 233 ही उप पंजीयक हैं। इसलिए तहसीलदार और नायब तहसीलदारों को उप पंजीयक के अधिकार अस्थायी रूप से दिए गए हैं। इसके लिए पटवारी को निष्पादन अधिकारी तथा तहसीलदार, नायब तहसीलदार, राजस्व निरीक्षक, पीसीओ एवं एडीईओ को पंजीयन अधिकारी बनाया गया है। लेकिन राजस्व अमले में इस पूरी प्रक्रिया को लेकर गहरी शंकाएं हैं। मप्र पटवारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र सिंह बघेल के अनुसार फ्री रजिस्ट्री योजना के तहत पटवारी को निष्पादक की भूमिका दी गई है। ये पटवारियों को नए कानूनी उलझन में फंसा सकती है। हालांकि राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने कहा कि ये सरकार की योजना है और पटवारियों को किसी भी तरह की आशंका नहीं होनी चाहिए। हर विवाद को सुलझाने की ज़िम्मेवारी सरकार की है। लेकिन मंत्री की अपील का कोई असर होता दिख नहीं रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा पूछे जाने पर पटवारियों ने कहा कि रजिस्ट्री में उनके नाम की जगह शासन लिखा जाए। उधर तहसीलदार संघ का कहना है कि हमे पंजीयक की जिम्मेदारी दी गई है, लेकिन कोई गलती हुई तो इसमें सुधार की कोई गुंजाइश नहीं है।

किंतु कौन-सा बच्चा कितना भावुक है, कितना संवेदनशील है और उसे अपने घर को उस छोटी-सी अवस्था में छोड़ते समय सचमुच जिस संवेदनशीलता की किसी दूसरे से आवश्यकता होती होगी, क्या स्कूल वह उसे प्रदान कर सकता है? इन प्रश्नों का उत्तर कभी भी किसी के पास भी नहीं रहा है! क्योंकि स्कूल भी शिक्षा से ज्यादा उनके अपने ओनरों की कमाई के साधन है! क्योंकि धरती पर चल रहे अन्य व्यापारों की तरह शिक्षा भी एक व्यापार है!

याद रहे! हर बच्चा टॉप नहीं हो सकता!

राजीव थेपड़ा

बच्चा अपने मां-बाप के साथ पी टी एम में अपने स्कूल गया हुआ था। जब उसकी बारी आई, तो क्लास टीचर की अनुमति के साथ अपने मां-बाप के साथ क्लास के अंदर गया। मां-बाप ने टीचर का अभिवादन किया। बच्चे को टीचर ने खड़ा रखा। उसने भी टीचर का अभिवादन किया। टीचर ने मां-बाप के हाथों में बच्चे का रिपोर्ट कार्ड सौंपा और उसे देखने को कहा। उसके बाद टीचर ने बच्चे के बारे में मां-बाप को बताना शुरू किया कि वैसे तो बच्चा बहुत होशियार है। किंतु क्लास में बहुत टॉकेटिव है। हर समय बात करता रहता है। इतना ज्यादा बात करता है कि कभी-कभी क्लास डिस्टर्ब हो जाती है।

यदि यह सही भी था तो यह भी सही ही होना चाहिए कि यदि जिन दूसरे बच्चों से वह बात कर रहा होगा, वे भी टॉकेटिव ही होंगे! तभी वह उनसे बात कर रहा होगा! खैर यह अलग बात है। उसके बाद मां-बाप बच्चे को लेकर घर आ गए। तकरीबन सभी विषयों में बच्चा लगभग अच्छे नंबर लाया था, जो उसके टॉकेटिव होने के अनुपात से बहुत अच्छे मार्क्स कहे जा सकते थे। किंतु एक विषय में उसके काफी कम नंबर थे। जिसने उसके मां-बाप को असहज कर दिया था और क्लास टीचर के सामने उनके अपने बच्चे के कारण उनकी इंसल्ट हो गई थी। यह इंसल्ट मेरे ख्याल से उन सभी मां-बापों के साथ होती है, जो बच्चों की क्लास टीचर के द्वारा बच्चों के बारे में इस तरह का उलाहना सुनते हैं।

और कई बार तो वे मां-बाप खुद भी अपने बच्चों की क्लास-टीचर से भी ज्यादा इंसल्ट कर देते हैं! क्लास-टीचर के सामने ही या क्लास के बाहर खड़े दूसरे इंतजार करते बच्चों और उनके मां-बापो के सामने ही !! और मजेदार बात यह है कि ऐसा करते समय उन्हें अपने बच्चों के भीतर चल रही भावनाओं का जरा भी भान नहीं होता! तनिक भी अस्वाभाविक नहीं लगता! क्योंकि वे बच्चों के (सो कॉल्ड) मां-बाप हैं!! अब मां-बाप ने शब्दों के द्वारा उसकी जो कुटाई शुरू की! उसके दूसरे बहन-भाइयों ने भी बहती गंगा में अपने हाथ धोते हुए अपने झुंझलाते हुए शब्दों के साथ उसकी जो मरम्मत की! बच्चा एकदम से सहम गया और अगले कई घंटे तक दूसरे कक्ष में जाकर पड़ा हुआ रोता रहा! लेकिन किसी ने उसकी सुध लेने की जरूरत ही ना समझी!!

तो यह है आज के घरों का वातावरण! जहां हम बच्चों के साथ जो व्यवहार कर रहे हैं, वह कहीं से भी बच्चों के स्वास्थ्यवर्धक मानसिक विकास के हिसाब से बिल्कुल भी उपयुक्त नहीं है! बल्कि वह इतना अधिक अनुपयुक्त है कि हम ऐसा करते हुए एक अच्छे परिणाम की अपेक्षा भी नहीं कर सकते! लेकिन इसका भी हमें नहीं पता! अपनी भयंकर उम्मीदों और अपेक्षाओं का बोझ बच्चों के कंधों पर लादकर हम उसे शिक्षा का विद्यार्थी नहीं, बल्कि शिक्षा का मजदूर बनाए दे रहे हैं! और शिक्षा जब बोझ लगने लगती है, तब कोई उसे नहीं पढ़ता और यह बात भी सदैव याद रखी जानी चाहिए।

एक बात तो गांठ बांधकर धर लीजिए कि बच्चे कभी भी पढ़ना नहीं चाहते। बच्चे केवल और केवल खेलना चाहते हैं। और हम उन्हें पढ़ाना चाहते हैं, उनके अच्छे भविष्य के लिए। किंतु बच्चों को नहीं पता होता कि उनका अच्छा भविष्य कैसा होता है! उन्हें खेलों में रुचि है और वह खेलना चाहते हैं। हमें उनके भविष्य में रुचि है। हम उन्हें बांधना चाहते हैं। हम चाहते हैं कि वे अपने कक्ष में बंद होकर सारा-सारा दिन पढ़ते रहें! पहली बात तो यह कि ढाई से तीन साल की अवस्था में बच्चों को हम स्कूल में डाल देते हैं! स्कूल में जाकर उस बच्चे का वास्तव में उचित या समुचित मानसिक विकास होता भी है या कि नहीं इसे हम तनिक भी नहीं जानते। क्योंकि हम उन्हीं बातों के अभ्यस्त हैं कि स्कूल में जाने के बाद बच्चे का विकास होता ही होगा!

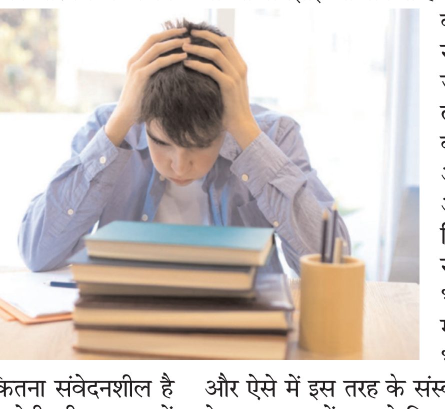

किंतु कौन-सा बच्चा कितना भावुक है, कितना संवेदनशील है और उसे अपने घर को उस छोटी-सी अवस्था में छोड़ते समय सचमुच जिस संवेदनशीलता की किसी दूसरे से आवश्यकता होती होगी, क्या स्कूल वह उसे प्रदान कर सकता है ? इन प्रश्नों का उत्तर कभी भी किसी के पास भी नहीं रहा है! क्योंकि स्कूल भी शिक्षा से ज्यादा उनके अपने ओनरों की कमाई के साधन है! क्योंकि धरती पर चल रहे अन्य व्यापारों की तरह शिक्षा भी एक व्यापार है! जहां पर एक बीज को पनपने और उचित तरीके से पुष्पित होने के लिए समुचित वातावरण को पोषित करने की आवश्यकता है, किन्तु आज भी वहाँ उस संवेदनशीलता को उतना महत्व नहीं दिया जाता!

बच्चा हमारा है। उसके बारे में हमें खुद को सोचना है। उसके भविष्य की भौतिक तरक्की के अलावा उसकी अपनी मानसिक समस्याएं क्या है? इसे उसके मां-बाप से ज्यादा कौन समझ सकता है! किन्तु मां-बाप तो संसार के साथ आपसी प्रतिस्पर्धा में पड़े हुए हैं कि उन्हें अपने बच्चों को सर्वश्रेष्ठ बनाना है! हर मां-बाप यही चाह रहा है कि 30/40 बच्चों की क्लास में उनका ही बच्चा सर्वश्रेष्ठ हो और ऐसा इस धरती पर ना कभी हुआ है और ना कभी होगा! टॉप टेन में भी 10 बच्चे ही आएंगे! बाकी बच्चे तो उनके पीछे आएंगे! अब यह जो पीछे रह गए बच्चे हैं, यदि अपने मां-बाप की ऐसी शाब्दिक मार का शिकार हो रहे होंगे, तो फिर वास्तव में उनके भविष्य में बेहतर बनने का रास्ता क्या होगा? क्या वे बच्चे, वे मासूम बच्चे तरह-तरह के मानसिक अवसाद के शिकार नहीं होंगे? इन प्रश्नों का उत्तर मां-बाप को अपने-आप से पूछना चाहिए!

सबसे बड़ी बात यह है कि जब हम बच्चों को अपनी बातों से पीटना शुरू करते हैं, तब अगर दूसरा कोई बीच बचाव में आता भी है, तो उसे रोक दिया जाता है कि प्लीज आप ऐसा ना करें। क्योंकि यह उनके बच्चे के भविष्य का सवाल है और बच्चों के भले के लिए उसको डांटा जा रहा है! लेकिन उस डांट का जो टोन है और उसमें प्रयुक्त होने वाले शब्दों के बारे में कोई भी तनिक भी सचेत नहीं है! जिससे बच्चों के भले के ही प्रति कही गई वह बात बच्चों के भले के सिवाय सब कुछ कर सकती है! यानी यह तय है कि उसे बच्चा का भला तो नहीं ही होगा!

कोई भी बात किसी को भी मीठे-मीठे तरीके से भी समझाई जा सकती है और निसंदेह बच्चों को तो मीठे तरीके से ही समझाया जाना चाहिए। लेकिन हम में से कोई भी मां-बाप अथवा भाई-बहन अपने बच्चों के लिए इस हद तक संवेदनशील कभी भी नहीं है और इस मामले में तो तनिक भी सचेत नहीं है! और ऐसे में इस तरह के संस्कार और वातावरण देकर हम बच्चों का जो विकास करना चाहते हैं, वह कभी भी हमारी इच्छाओं के अनुरूप नहीं हो सकता! किन्तु ऐसा सोच पाने में भी हम असमर्थ हैं! हमें लगता है कि एक चुप बच्चा, एक सर झुकाया हुआ बच्चा हमें आदर दे रहा है और वह संस्कारयुक्त है! लेकिन उसके मन में किस प्रकार की घृणा या ईर्ष्या पनप रही है, इसका भी हमें बिल्कुल भी अंदाजा नहीं होता! जब तक कि वह बच्चा बड़ा होकर या बड़ा होने से पहले कुछ अनाप-शनाप न कर ले!!

और फिर हम सोचते हैं कि हमसे गड़बड़ी क्या हुई और तब भी हम में से शायद ही कोई मां-बाप इस बात को समझ पाता हो कि उनसे यह गड़बड़ी हुई है! हम सभी पेरेंट्स बहुत मासूम हैं! हमें लगता है कि डांट या मार-कुटाई ही बच्चों को सुधारने का एक सर्वप्रमुख माध्यम है! लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ। संवाद ही किसी को सीखने का सर्वोत्तम आचरण हो सकता है, इसके सिवा संसार में कोई भी दूसरी बात किसी को कुछ भी नहीं सिखा सकती। हमें यह चाहिए कि बच्चों ने जो उपलब्धि हासिल की है। जिन विषयों में अच्छे नंबर प्राप्त किए हैं, उसके लिए उसकी भरपूर तारीफ कर दें! कम-से-कम यह जानते हुए कि वह बहुत ही छोटा बच्चा है, उसकी तारीफ के पुल बांधते हुए हम उसे आसमान पर चढ़ा दें और फिर धीरे से बताएं कि बेटा (बिटिया भी) यदि तुमने इस विषय में भी ऐसा नहीं करके ऐसा किया होता, तो इस विषय में भी तुम्हारे बहुत अच्छे मार्क्स आते और तुम्हारा रिजल्ट हंड्रेड परसेंट सक्सेस होता।

और हाँ ! यह ध्यान रखिए कि मार्क्स की थोड़ी-सी कमी-बेसी के कारण बच्चों के साथ कोई भी बुरा व्यवहार मत करिए। क्योंकि हमारा यह बुरा व्यवहार बच्चों को अंदर तक हिला देता है! हम नहीं जानते कि हम जिस टोन में बात कर रहे हैं और बच्चों को अपने मां-बाप के अधिकार के कारण किस प्रकार बुरी तरह से डांट रहे हैं, वह व्यवहार उन बच्चों को बहुत गहरे तक प्रभावित कर रहा है और वह व्यवहार परत-दर-परत उसके भीतर एक कुसंस्कार के रूप में जमता जा रहा है, जो कभी ज्वालामुखी भी बन सकता है! जिसका हमें कभी नहीं पता होता कि वह कब फटेगा! लेकिन वह फटता जरूर है!

हां! कभी-कभी यह हो सकता है कि समय के साथ बच्चे को यह समझ आ जाए कि मां-बाप जो मुझे डांट रहे थे, वह मेरे अच्छे के लिए ही डांट रहे थे। लेकिन बहुतों बार ऐसा नहीं होता, उन बच्चों का क्या ?? जब तक कि बच्चे यह समझे कि उन्हें किस चीज के लिए डाँटा गया है, उससे पहले ही वह अपना ही कुछ बुरा कर लें, तब उसका क्या ?? किंतु डांट और बुरे व्यवहार में जो फर्क होता है, यह भी हमें पता होना चाहिए। याद रहे कि अक्सर हम बच्चों को डांटते नहीं हैं, बल्कि उनके मानसिक विकास को अवरुद्ध ही करते हैं!

बच्चों का क्लास में थोड़ा-सा पीछे रह जाना हमेशा हमारी इच्छाओं पर कुठाराघात नहीं होता! यह भी हमें अच्छी तरह समझ लेना चाहिए और यह भी समझना चाहिए कि हर बच्चे की अपनी क्षमता है और उसकी एक रुचि भी है। तो उसकी रुचि के अनुसार उसका कार्यक्रम बनाएं और उसे उसकी इस रुचि के अनुसार पढ़ने की बात-बात में कुछ-कुछ सीखने की, हंसने की, गुनगुनाने की चेष्टा करते हुए उसे सही माध्यम की ओर लेकर जाएं, तो फिर ये समस्याएं अपने आप ही छूट जाएंगी। लेकिन तब भी आप यह निश्चित समझिए कि सारे बच्चे टॉप नहीं कर सकते! क्लास के सभी बच्चे 90त्न से ऊपर के मार्क्स नहीं ला सकते! इसलिए जो 50त्न 40त्न में बच्चे रह गए हैं, उन्हें और ज्यादा मुलामियत के साथ उनकी क्षमताओं को तीव्र करने में अपना योगदान बढ़ाएं। उन्हें खेल-खेल में ही उचित प्रशिक्षण दें। किन्तु इस प्रशिक्षण में कभी भी उपदेश न हो, बल्कि कुछ प्यारी-प्यारी बातें हो, कुछ कहानियां-सी हों। बच्चों की रुचि के अनुसार सुसंगत बातें हों। तो अपने-आप ही बहुत कुछ बदल जाएगा।

हालांकि अंत में यह बात फिर से कहना चाहूंगा कि क्लास के सभी बच्चे कभी भी टॉप में नहीं होंगे। कुछ बच्चे टॉप टेन में होंगे। कुछ बच्चे उसके बाद ही होंगे। इसलिए जो पीछे रह गए हैं, उनको हमारे और भी ज्यादा अच्छे आचरण की और भी ज्यादा प्यार की और भी ज्यादा विशेष संरक्षण की आवश्यकता है। इसे हम भली प्रकार समझ लें और बच्चे के कैरियर से अधिक उसे सभी के साथ उचित तरीके सामंजस्य पूर्ण जीने के लिए संस्कारवान बनाने में उसकी सहायता करें, यही हमारी हमेशा की और सबसे महत्ती आवश्यकता है।

करमा पर्व झारखंड की अनमोल धरोहर का प्रतीक, बहनें अपने भाई की लंबी उम्र की करती है कामना

डॉ अरुण कुमार

झारखंड अपनी अनूठी व निराली सभ्यता, सांस्कृतिक पहचान, प्राकृतिक समृद्धि और लोक परंपराओं के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है। झारखंड का आशय झाड़ भूमि का प्रदेश अर्थात छोटे-बड़े पेड़-पौधे का स्थल। इस पावन भूमि की संस्कृति का मूल मंत्र प्रकृति के साथ सामंजस्य बिठाकर जीना है। यहाँ के त्योहार केवल उत्सव मात्र नहीं हैं, बल्कि वे जीवन के फलसफे, मानवीय संबंधों और पर्यावरण के प्रति अगाध प्रेम को दर्शाते हैं। झारखंड के इन्हीं महान लोक-उत्सवों में से एक सबसे महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक त्योहार है—करमा पूजा है। जो मूल रूप से झारखंड के आदिवासी समाज (जैसे उरांव, मुंडा, संथाल, हो) तथा यहाँ के मूलवासियों (सदानों) द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया जाने वाला पर्व है। यह पर्व भाद्रपद (भादो) मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी तिथि को मनाया जाता है। यह त्योहार जहाँ एक ओर भाई-बहन के अटूट और पवित्र प्रेम का प्रतीक है, वहीं दूसरी ओर यह कृषि, प्रकृति की उत्पादकता और मानवीय कर्म (मेहनत) का जीवंत उत्सव है।

यह त्योहार छोटा नागपुर एवं संथाल परगना में बड़े धूमधाम से मनाया जाते है। यह त्योहार जनजाति व सदान दोनों वर्गों में प्रचलित है। रांची, लोहरदगा, गुमला ,हजारीबाग ,गिरिडीह रामगढ़,कोडरमा, दुमका, साहिबगंज आदि जिलो में विशेष रूप से मनाया जाते हैं। इन दिनों इस पर्व में आधुनिकता का भी प्रभाव देखने को मिलता है। जिसमें डीजे का इस्तेमाल नृत्य के लिए किया जाने लगा है।

कर्म पूजा प्रारंभ होने के ऐतिहासिक कारण

झारखंड में ऐसी कथा प्रचलित है कि प्राचीन काल में करम और धरम नाम के दो भाई थे। करम नाम के अनुसार कर्म (कठिन परिश्रम) में विश्वास रखता था, जबकि धरम धर्म और भाग्य की लकीरों पर भरोसा करता था। एक बार करम ने अपने खेत में कड़ी मेहनत की, जिससे उसकी फसल बहुत अच्छी हुई। उसने खुशी में एक करम वृक्ष की शाखा को आंगन में गाड़कर उसकी पूजा की और नृत्य-संगीत का आयोजन किया।दूसरी ओर, धरम को लगा कि यह सब केवल भाग्य के कारण है। एक बार धरम ने गुस्से में आकर करम राजा (करम वृक्ष) का अपमान किया और उसे उखाड़कर नदी में फेंक दिया। इसके बाद दोनों भाइयों के दिन पलटने लगे। खेतों की फसलें सूख गईं, घर में दरिद्रता छा गई और वे दाने-दाने को मोहताज हो गए। तब धरम को अपनी भूल का अहसास हुआ। वह करम राजा को वापस प्रसन्न करने के लिए निकल पड़ा। रास्ते में उसे कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। अंततः, एक नदी में बहते हुए करम वृक्ष की डाली को उसने पूरे आदर के साथ निकाला, घर लाकर उसे स्थापित किया और क्षमा मांगते हुए उसकी पूजा की। इसके बाद उनके घर में पुनः सुख-समृद्धि लौट आई।

करमा पूजा की विधियां और अनुष्ठान – करमा पूजा का अनुष्ठान केवल एक दिन का नहीं होता, बल्कि इसकी तैयारियां नौ दिन पहले से ही शुरू हो जाती हैं। यह एक व्यवस्थित और अत्यंत पवित्र विधि है, जिसमें कुंवारी युवतियों की भूमिका मुख्य होती है। जिन्हें करमइति कहा जाता है।

1. जावा जगाना (नौ दिन पहले)करमा एकादशी से सात या नौ दिन पहले, गांव की कुंवारी लड़कियां नदी या तालाब से साफ बालू (रेत) लाती हैं। इस बालू को बांस की छोटी-छोटी टोकरियों में भरा जाता है। इसके बाद इसमें सात या नौ प्रकार के अनाज (जैसे धान, गेहूं, मक्का, चना, उड़द, कुर्थी और मूंग) के बीज बोए जाते हैं। इसे जावा कहा जाता है। लड़कियां रोजाना सुबह-शाम इन टोकरियों के चारों ओर इकट्ठा होकर पारंपरिक लोकगीत गाती हैं और जावा को जगाती हैं (अंकुरित होने के लिए प्रेरित करती हैं)।हल्दी के पानी के छिड़काव से ये अंकुर पीले रंग के बेहद खूबसूरत दीखते हैं। यह जावा नई फसल की उत्पादकता और बहनों के अपने भाइयों के प्रति प्रेम और समृद्धि की कामना का प्रतीक है।

2. करम वृक्ष की डाली लानाः उत्सव के मुख्य दिन (एकादशी), गांव के पाहू (पुजारी) या गांव के नौजवान जंगल जाते हैं। वे पूरे आदर और धार्मिक नियमों के साथ करम वृक्ष की दो सुंदर और स्वस्थ शाखाओं को काटते हैं। इन डालियों को जमीन पर नहीं गिरने दिया जाता। इन्हें बड़े सम्मान के साथ गाजे-बाजे के साथ गांव लाया जाता है।3. आंगन या अखरा में स्थापना और मुख्य पूजाः गांव के अखाड़े या घर के आंगन के बीचों-बीच एक गड्ढा किया जाता है, जहाँ इन दोनों डालियों को गाड़ा जाता है। इन डालियों को करम राजा माना जाता है। शाम के समय, सभी करमतियां नए वस्त्र पहनकर, सोलाह श्रृंगार कर। हाथों में जावा की टोकरी और पूजा की थाली (जिसमें दीया, धूप, अक्षत, फूल और खीरा होता है) लेकर करम डाली के चारों ओर बैठती हैं। गांव का पुजारी या घर का बुजुर्ग व्यक्ति करम-धरम की ऐतिहासिक कथा सुनाता है। सभी लोग पूरी श्रद्धा से इस कथा को सुनते हैं।बहनें अपने भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधती हैं और उनके लंबे, स्वस्थ तथा समृद्ध जीवन की कामना करती हैं।

नैसर्गिक न्याय: आत्मग्लानि से मर गया निठारी का नरपिशाच

आपको बता दें 2003 में नोएडा के निठारी गांव के लोगों ने इलाके से लडकियों और बच्चों के अचानक लापता होने की शिकायतें करनी शुरू कीं। हालांकि, नोएडा पुलिस ने इनमें से कई मामलों में शिकायत तक दर्ज नहीं की। जिन मामलों में शिकायत दर्ज हुई, उनमें भी ज्यादा प्रगति नहीं हुई।मई 2006 में इस मामले में बड़ा मोड़ आया। एक पिता अपनी लापता बेटी की शिकायत लेकर पुलिस के पास पहुंचा। उसने बताया कि लापता होने वाले दिन उसकी बेटी नोएडा के सेक्टर-31 में निठारी के पास रहने वाले मोनिंदर सिंह पंढेर की कोठी गई थी। जून तक इस मामले में एफआईआर दर्ज नहीं हुई। इसके बाद पिता ने एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के सरकारी आवास के बाहर हंगामा किया, तब जाकर मामला दर्ज हुआ।

मनोज कुमार अग्रवाल

कहते हैं कि जब भगवान की लाठी पड़ती है तो आवाज तक नहीं आती। कुछ ऐसा ही नोएडा के चर्चित निठारी कांड के मुख्य आरोपी सुरेंद्र कोली के मामले में देखने को मिल रहा है। 2006 में निठारी कांड देश के अपराधिक मामलों में सबसे अधिक क्रूरता पाशविकता भरी दर्जनों गुमशुदा बच्चों और किशोरों के अपहरण और नृशंस हत्या से जुडा सीरियल किलिंग का मामला था जिसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। बच्चों के रहस्यमय ढंग से गायब होने, उनके साथ हुई हैवानियत और फिर नाले से मिले मासूम बच्चों के अंगों और कंकालों की तस्वीरों ने हर संवेदनशील मन को कपकँपा दिया था। अब 18 सितंबर 26 को इस मामले के मुख्य आरोपी सुरेंद्र कोली की हरिद्वार में हुई संदिग्ध परिस्थिति में मौत ने उस खौफनाक सीरियल किलिंग कांड के अंतिम पन्ने पर एक ऐसा पूर्णविराम लगा दिया है, जो बता रहा है कि सरकारी अदालतों से इतर भी कोई अदालत है जो देर सवेर इंसाफ़ करती है यह बताता है कि गरीब मजलूम असमर्थ और धन सत्ता की ताकत से रीते लोगों की आहों में भी एक ऐसी ताकत होती है जिसे खुद सबसे बड़ी भगवान या सर्वशक्तिमान की अदालत सुनती है और अपने ढंग से न्याय करती है।

आपको बता दें कि 18 सितंबर 2026 को भारत के सबसे चर्चित निठारी हत्याकांड के मुख्य आरोपी सुरेंद्र कोली का शव हरिद्वार में उसके चाय के खोखे में लटका हुआ मिला, जिसके बाद पुलिस ने शुरुआती तौर पर इसे आत्महत्या का मामला माना है। दो दशक तक चले इस बेहद खौफनाक और जटिल कानूनी मामले का अंत इस तरह एक रहस्यमयी मोड़ पर आकर हुआ है।

आपको बता दें 2003 में नोएडा के निठारी गांव के लोगों ने इलाके से लडकियों और बच्चों के अचानक लापता होने की शिकायतें करनी शुरू कीं। हालांकि, नोएडा पुलिस ने इनमें से कई मामलों में शिकायत तक दर्ज नहीं की। जिन मामलों में शिकायत दर्ज हुई, उनमें भी ज्यादा प्रगति नहीं हुई।मई 2006 में इस मामले में बड़ा

मोड़ आया। एक पिता अपनी लापता बेटी की शिकायत लेकर पुलिस के पास पहुंचा। उसने बताया कि लापता होने वाले दिन उसकी बेटी नोएडा के सेक्टर-31 में निठारी के पास रहने वाले मोनिंदर सिंह पंढेर की कोठी गई थी। जून तक इस मामले में एफआईआर दर्ज नहीं हुई। इसके बाद पिता ने एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के सरकारी आवास के बाहर हंगामा किया, तब जाकर मामला दर्ज हुआ।लापता युवती के फोन को ट्रेस करने पर पुलिस सुरेंद्र कोली तक पहुंची। उस समय कोली पंढेर के घर पर नौकर के रूप में काम करता था। कोली को गिरफ्तार किया गया, लेकिन जल्द ही जमानत पर छोड़ दिया गया।

दिसंबर 2006 में पंढेर के घर के पीछे एक नाले में प्लास्टिक की थैलियों में मानव कंकालों के अवशेष और लापता लोगों का सामान मिला। इसके बाद पुलिस ने 29 दिसंबर को कई महिलाओं और बच्चों के अपहरण और हत्या के आरोप में कोली और पंढेर को गिरफ्तार कर लिया।

मामले ने अब राष्टीय स्तर पर सुर्खियां बटोरनी शुरू कर दी थीं। साथ ही निठारी मामले में नोएडा पुलिस की पहले की लापरवाही और जांच में नाकामी पर भी सवाल उठ रहे थे। इसके बाद 10 जनवरी 2007 को10 जनवरी 2007 को जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो को सौंप दी गई। सीबीआई की फॉरेंसिक टीम ने पंढेर के घर की दोबारा तलाशी ली और मानव कंकालों के अवशेष तथा गंभीर अपराधों से जुड़े सबूत बरामद किए।सीबीआई ने 1 मार्च को मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में कोली का कबूलनामा दर्ज किया। कोली ने हत्या की घटनाओं के बारे में बहुत विस्तार से बताया। उसने कहा कि वह पीड़ितों को बहला-फुसलाकर कोठी के अंदर लाता था, उनका गला घोंटता था और फिर उनके शरीर के टुकड़े कर उन्हें पकाकर खाता था।

नोएडा पुलिस ने 19 अलग-अलग लड़कियों से जुड़े अपराधों के मामले में पंढेर और कोली के खिलाफ 19 प्राथमिकियां दर्ज की थीं। इनमें से 16 मामलों में सीबीआई ने आरोपपत्र दाखिल किए। 2007 में इनमें से एक मामले में दाखिल आरोपपत्र में सीबीआई ने दावा किया था कि कोली में मृत शरीरों के प्रति यौन आकर्षण और इंसानी मांस खाने जैसी प्रवृत्तियां थींएक विशेष सीबीआई अदालत ने 13 फरवरी 2009 को एक 14 साल की लड़की से बलात्कार और हत्या के मामले में पहली बार कोली और पंढेर दोनों को दोषी ठहराया और मौत की सजा सुनाई। अपील पर इलाहाबाद हाई कोर्ट ने पंढेर को बरी कर दिया, लेकिन कोली की मौत की सजा को बरकरार रखा।इसके बाद कोली ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। सुप्रीम कोर्ट ने 2011 में उसकी अपील और 2014 में पुनर्विचार याचिका खारिज कर दी। लेकिन जनवरी 2015 में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने दया याचिका पर फैसला लेने में हुई अत्यधिक देरी को आधार बनाते हुए कोली की मौत की सजा को उम्रकैद में बदल दिया।अक्टूबर 2023 में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सबूतों की कमी, प्रक्रियागत खामियों और प्रताड़ना के आरोपों को देखते हुए कोली को 12 मामलों में और पंढेर को 2 मामलों में बरी कर दिया। पंढेर अक्टूबर 2023 में जेल से बाहर आ गया, जबकि कोली की रिहाई नवंबर 2025 में हुई।

इस स्थिति में एक कानूनी विरोधाभास पैदा हो गया था। कोली 12 मामलों में बरी हो चुका था, लेकिन लगभग उन्हीं सबूतों के आधार पर एक मामले में अब भी दोषी था। सुप्रीम कोर्ट ने इसे न्याय का बड़ा विरोधाभास माना और अपनी क्यूरेटिव शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए कहा कि समान सबूतों पर दो परस्पर विरोधी फैसले एक साथ नहीं रह सकते हैं।

मेरठ में धरी रह गई भाजपा अध्यक्ष के स्वागत तैयारियां: सिवाया टोल पर बिना रुके निकला नितिन नवीन का काफिला, पूर्व विधायक संगीत सोम समेत हतप्रभ खड़े रहे भाजपा कार्यकर्ता

स्वागत के लिए ढोल-नगाड़े और जेसीबी के साथ खड़े थे कार्यकर्ता, काफिला गुजरते ही टोल प्लाजा पर लगा भारी जाम

मुजफ़्फ़रनगर/मेरठ। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के दो दिवसीय पश्चिमी उत्तर प्रदेश दौरे के दौरान मंगलवार सुबह मेरठ के मोदीपुरम स्थित सिवाया टोल प्लाजा पर एक अप्रत्याशित स्थिति देखने को मिली। राष्ट्रीय अध्यक्ष के भव्य स्वागत के लिए घंटों से पलक-पावड़े बिछाए खड़े दर्जनों दिग्गज भाजपा नेताओं और सैकड़ों कार्यकर्ताओं का उत्साह उस समय निराशा में बदल गया, जब उनका काफिला टोल प्लाजा पर बिना एक सेकंड भी रुके सीधे सहारनपुर की ओर आगे निकल गया। मेरठ के सिवाया टोल प्लाजा को दुल्हन की तरह सजाया गया था। कार्यकताओं के हाथ में फूल-मालाएं थीं, ढोल-नगाड़े बज रहे थे और पुष्पवर्षा के लिए बाकायदा भारी-भरकम जेसीबी व पोकलेन मशीनें तैनात की गई थीं, लेकिन सब कुछ केवल देखने के लिए ही रह गया। नितिन नवीन के 21-22 सितंबर के पश्चिमी यूपी दौरे को लेकर मेरठ भाजपा में खासा उत्साह था। मेरठ सीमा में प्रवेश पर उनका ऐतिहासिक स्वागत करने के लिए कार्यकताओं ने सिवाया टोल पर अभूतपूर्व इंतजाम किए थे। काफिले पर ऊपर से फूलों की बारिश करने के लिए खास तौर पर जेसीबी, ट्रैक्टर और पोकलेन मशीनों को कतारबद्ध खड़ा किया गया था। कार्यकताओं को पूरी उम्मीद थी कि राष्ट्रीय अध्यक्ष टोल प्लाजा पर रुकेंगे, गाड़ी से नीचे उतरकर उनका अभिवादन स्वीकार करेंगे और नेताओं से मुलाकात करेंगे। सुरक्षा-व्यवस्था के मद्देनजर मौके पर भारी पुलिस बल भी तैनात किया गया था।

बजते रह गए ढोल, एक नजर देखे बिना आगे बढ़ीं गाड़ियां

जैसे ही राष्ट्रीय अध्यक्ष का काफिला सिवाया टोल प्लाजा पर पहुंचा, वहां मौजूद कार्यकर्ताओं ने गगनभेदी नारे लगाने शुरू कर दिए। ढोल-नगाड़ों की थाप तेज हो गई और मशीनों के ऑपरेटर पुष्पवर्षा के लिए तैयार हो गए। लेकिन काफिले की रफ्तार कम नहीं हुई। नितिन नवीन बिना वाहन से उतरे या शीशा नीचे किए काफिले के साथ रफ्तार से सहारनपुर मार्ग की तरफ बढ़ गए। जब तक टोल पर खड़े नेता और कार्यकर्ता कुछ समझ पाते, तब तक गाड़ियों का काफिला नजरों से ओझल हो चुका था। स्वागत के लिए बेताब खड़े भाजपा नेता एक-दूसरे का मुंह ताकते रह गए। काफिला निकलने के तुरंत बाद सिवाया टोल प्लाजा पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। स्वागत कार्यक्रम के कारण पहले से रुकी गाड़ियों और काफिले के तुरंत बाद आए सामान्य यातायात के दबाव से टोल पर कई किलोमीटर लंबा जाम लग गया। अचानक बनी इस स्थिति को संभालने में तैनात पुलिसकर्मियों को भारी पसीना बहाना पड़ा। लगभग आधे से एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद यातायात को सुचारू कराया जा सका। टोल पर मौजूद रहा भाजपा का पूरा 'शक्ति केंद्र' इस अनपेक्षित घटनाक्रम के दौरान मेरठ और आसपास के लगभग सभी प्रमुख भाजपा चेहरा सिवाया टोल पर मौजूद थे। स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से पूर्व विधायक संगीत सोम, भाजपा जिलाध्यक्ष वीरपाल, पूर्व जिलाध्यक्ष शिवकुमार राणा, जिला अध्यक्ष अनुज राठी, महामंत्री समीर चौहान, क्षेत्रीय मंत्री अजय भारद्वाज भराला, जिला पंचायत अध्यक्ष मनिंदरपाल सिंह, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष विमल शर्मा, देवेंद्र गुर्जर, सत्येंद्र भराला, मंडल अध्यक्ष मनिंदर विहान, रवि चौधरी समेत सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संयुक्त वैश्य अग्रवाल महासभा का प्रतिनिधिमंडल छपरा गांव जाकर पीड़ित परिवार से मिला

मुजफ्फरनगर। संयुक्त वैश्य अग्रवाल महासभा जनपद मुजफ्फरनगर का एक प्रतिनिधिमंडल पीड़ित परिवार से मिलने छपरा गांव में गया, जहां प्रतिनिधिमंडल ने परिवार से जन्माष्टमी वाले दिन राधा बनी बालिका के साथ जो घटना हुई उसके बारे में पूरी जानकारी ली तथा परिवार को भरोसा दिलाया कि किसी भी तरह की मदद की अगर आवश्यकता है तो संयुक्त वैश्य अग्रवाल महासभा आपके साथ है आप कभी भी आकर के बता सकते हैं। पीड़ित परिवार ने कहा कि हमें नौकरी की आवश्यकता है तो वैश्य सभा के अध्यक्ष संजय मित्तल ने कहा कि अगर आप लोग नौकरी करना चाहते हैं, तो आपको दो नौकरी तुरंत ही कल से मिल जाएगी। आप मुजफ्फरनगर आ जाइए और आपको नौकरी लगवा दी जाएगी तथा प्रतिनिधिमंडल ने उनका आर्थिक मदद भी की जिसमें 61000/- परिवार को दिए तथा उनसे पुलिस के द्वारा की जा रही कार्रवाई के बारे में भी पूर्ण रूप से जानकारी ली जिस पर उन्होंने पुलिस के द्वारा जो सहयोग दिया गया है, उसके लिए उन्होंने संतोष व्यक्त किया।

प्रतिनिधिमंडल ने पीड़ित परिवार को यह भी आश्वासन दिया कि हम लोग जल्दी ही माननीय मुख्यमंत्रीजी से मांग करेंगे की पीड़ित परिवार को एक मकान और 25 लाख रुपए की सहायता की जाए। प्रतिनिधिमंडल ने वापस आते समय छपार चौकी पर जाकर इंचार्ज मोहित कुमार से भी विवेचना की जानकारी ली, जिस पर प्रतिनिधिमंडल ने भी संतोष व्यक्त किया। प्रतिनिधिमंडल में वैश्य सभा के संरक्षक अशोक कंसल, सुनील सिंघल, सुरेंद्र अग्रवाल, सभा के अध्यक्ष संजय मित्तल, महामंत्री दिनेश बंसल, कोषाध्यक्ष विश्वदीप बिट्टू, उपाध्यक्ष श्रवण कुमार, उपाध्यक्ष राहुल गोयल, विपिन गोयल, रजत गोयल, अमरीश गोयल, शरद गोयल अतुल जैन विभु आदि रहे।

थानाभवन में किसानों के हंगामे के बीच गन्ना समिति की वार्षिक साधारण सभा की बैठक संपन्न

किसानों के सम्मान से कोई समझौता नहीं किया जाएगा- चेयरमैन राजेश राणा

थानाभवन। थानाभवन में सहकारी गन्ना विकास समिति लिमिटेड के तत्वाधान में गन्ना समिति की वार्षिक साधारण सभी संपन्न हुई। बैठक में बकाया भुगतान की मांग को लेकर किसानों ने जमकर हंगामा किया। चीनी मिल केजीएम ने किसानों को आश्वासन दिया कि अक्टूबर में किसानों का पूरा बकाया भुगतान कर दिया जाएगा गन्ना समिति चेयरमैन राजेश राणा ने कहा कि किसानों के सम्मान से कोई समझौता नहीं किया जाएगा

नगर के वंदना गार्डन बैंक्विट हॉल में सहकारी गन्ना समिति लिमिटेड थाना भवन के तत्वाधान में वार्षिक साधारण सभा की विशेष बैठक संपन्न हुई।बैठक में उपस्थित किसानों ने बकाया गन्ना भुगतान को लेकर जबरदस्त हंगामा किया। हंगामे के चलते किसानों ने चीनी मिल प्रबंधन पर आरोप लगाया कि प्रबंधन किसानों की समस्याओं के निराकरण को लेकर पूरी तरह उदासीन है।गन्ना भुगतान समय पर न होने से किसान भारी परेशानी झेल रहा है। किसानों के रोजमर्रा के काम प्रभावित हो रहे हैं, अगर उन्हें बकाया भुगतान नहीं किया गया तो बजाज चीनी मिल को इस बार गन्ने की आपूर्ति नहीं की जाएगी किसानों ने यह भी आरोप लगाया कि समिति की ओर से उन्हें समयबद्ध यूरिया , डाई भी उपलब्ध नहीं कराया जा रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए चीनी मिल के जीएम कैन लेखपाल सिंह ने कहा कि किसानों की मांग जायज है। बकाया गन्ना भुगतान अक्टूबर तक कर दिया जाएगा एवं आगामी पेराई सत्र का भुगतान समय पर किया जाएगा।चीनीमिल किसानों की समस्याओं के निराकरण के लिए दृढ़ संकल्प है।किसानों को नई गन्ना प्रजाति के बीज भी दिए जा रहे है। गन्ना समिति अध्यक्ष राजेश राणा ने कहा की किसान हमारे अन्नदाता है किसानों के सम्मान से कोई भी समझौता नहीं किया जाएगा वह केवल किसानों के प्रतिनिधि है न कि चीनी मिल के। किसानों द्वारा दिए गए प्रस्ताव को निराकरण के लिए आगे भेजा जाएगा उन्होंने किसानों को आश्वासन दिया कि गन्ना भुगतान सहित किसानों की अन्य समस्याओं को लेकर गन्ना समिति थाना भवन पूरी तरह संवेदनशील है। बैठक में ठाकुर सोमवीर सिंह, उप चेयरमैन गन्ना समिति चौधरी राजेंद्र सिंह ने भी विचार व्यक्त किए। बैठक का संचालन समिति सचिव भास्कर सिंह रघुवंशी ने किया ।

अध्यक्षता चेयरमैन राजेश राणा ने की ।बैठक में चीनी मिल ए जीएम कैन सुरेंद्र सिंह, डीजीएम केन ऊन चीनी मिल सतेंद्र सिंह ,डायरेक्टर प्रमोद सिंह हिरणवाडा, दरियाव सिंह मंटी हसनपुर, प्रमोद सैनी थानाभवन, श्रीपाल ,राकेश मुखिया,सहित पूर्व चेयरमैन गन्ना समिति ठाकुर राजकुमार सिंह,प्रधान ठाकुर जयपाल सिंह भाजपा जिला उपाध्यक्ष आनंद पुंडीर,नागल प्रधान चौधरी सत्येंद्र सिंह, डिप्टी गन्ना समिति मारकंडे मौर्य,विकास तोमर केडी, पूर्व प्रधान रामकुमार सैनी,दीपक कोरी,प्रदीप,विक्रम सिंह,सुबोध, बृजेश राणा, ,रोहित रोड,बॉबी शर्मा,कृष्ण चेयरमैन,संजय राणा,प्रमोद, ठाकुर देशपाल सिंह,भोपाल सिंह, महिपाल सिंह आदि सैकड़ो किसान उपस्थित रहे।

यारपुर में ध्रुव चरित्र का प्रसंग सुन भावविभोर हुए श्रद्धालु

जहाँ अपने व अपने इष्ट और गुरु का सम्मान न हो, वहाँ नहीं जाना चाहिए: स्वामी राजदास महाराज

थानाभवन। थानाभवन क्षेत्र के गांव यारपुर स्थित श्रीकृष्ण प्रणामी मंदिर निजानंद आश्रम गौ सेवा धाम में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के तीसरे दिन श्रद्धालुओं ने ध्रुव चरित्र व सती प्रसंग का भावपूर्ण श्रवण किया।कथावाचक स्वामी राजदास जी महाराज ने ध्रुव की अटूट भक्ति और सती के त्याग का प्रसंग सुनाकर उपस्थित श्रद्धालुओं को भक्ति, संयम और मयार्दा का संदेश दिया। कथा सुनकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। राजदास महाराज ने बताया कि मनुष्य को किसी भी स्थान पर बिना निमंत्रण के नहीं जाना चाहिए। जहाँ आपके साथ-साथ आपके इष्ट देव और गुरु का भी सम्मान न हो, वहाँ जाना उचित नहीं है। उन्होंने सती प्रसंग का वर्णन करते हुए बताया कि भगवान शिव के मना करने के बावजूद जब सती अपने पिता दक्ष के यज्ञ में गईं, तो वहाँ भगवान शिव का अपमान हुआ। पति के अपमान को सहन न कर पाने के कारण सती को यज्ञ अग्नि में स्वयं को समर्पित करना पड़ा। कथा के दौरान ध्रुव चरित्र का वर्णन करते हुए महाराज ने बताया कि बालक ध्रुव को उसकी सौतेली माता द्वारा अपमानित किया गया, लेकिन उसकी माता सुनीति ने धैर्य और संयम से काम लिया और उसे भगवान की भक्ति का मार्ग दिखाया। ध्रुव ने कठोर तपस्या कर भगवान विष्णु को प्रसन्न किया और अमर ध्रुव तारा के रूप में स्थान प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि परिवार को सुरक्षित और मजबूत बनाए रखने के लिए धैर्य के साथ-साथ संयम भी अत्यंत आवश्यक है। मनुष्य अपने जीवन में जैसे कर्म करता है, उसी के अनुरूप उसे फल और अंत में मृत्यु भी प्राप्त होती है।कथा के दौरान भजन-कीर्तन के बीच बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे और भक्तिमय वातावरण में कथा का आनंद लिया।

दिशा की बैठक में पहुंचीं इकरा हसन, हर घर जल योजना और बिजली विभाग पर साधा निशाना

शामली। कलेक्ट्रेट में दिशा की बैठक में पहुंचीं कैराना सांसद इकरा हसन ने विकास कार्यों को लेकर अधिकारियों के साथ चर्चा की। इस दौरान उन्होंने हर घर जल योजना को लेकर सवाल उठाते हुए इसे सबसे बेकार योजना बताया। इकरा हसन ने बिजली विभाग पर भी निशाना साधते हुए विभाग को भ्रष्ट महकमा बताया। उन्होंने कहा कि बिजली विभाग की कार्रवाई और कार्यप्रणाली भाजपा सरकार के लिए नुकसान का कारण बन सकती है और भाजपा के पतन का कारण बिजली विभाग बन सकता है।वही इमरान मसूद के अखिलेश यादव पर दिए गए ब्यान के बाद सपा सांसद इकरा हसन ने पलटवार किया है। इकरा हसन ने पलटवार करते हुए कहा है कि इमरान मसूद का बयान बेवकूफी भरा है। अगर कोई व्यक्ति ऐसा है जो उत्तर प्रदेश में भाजपा को कोई हरा सकता है तो वह अखिलेश यादव है। कांग्रेस अपने दम पर कुछ कर नहीं पाएगी, अगर गठबंधन रहा तो अच्छा है, नहीं रहा तो ये उनके लिए नुकसान है, हमारे लिए नहीं।

सभासद और वार्ड वासियों के विवाद को समाज से जोड़ने पर उपाध्याय समाज ने जताई नाराजगी

शामली। भारतीय उपाध्याय समाज शामली की ओर शहर नगर पालिका में एक बैठक का आयोजन किया गया।जहा समाज के लोगों ने मोहल्ले के एक विवाद को समाज और राजनीति से जोड़ने पर आपत्ति जताई गई है। समाज के जिलाध्यक्ष रामकिशन उपाध्याय ने कहा कि मोहल्ले के विवाद को राजनीतिक रूप देने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि इस मामले का उपाध्याय समाज से कोई संबंध नहीं है। संगठन के पदाधिकारी ने एक व्यक्ति द्वारा खुद को प्रदेश अध्यक्ष बताकर मीडिया के सामने दिए गए बयान पर समाज ने कड़ी आपत्ति जताई है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि उक्त प्रकरण एक मोहल्ले की जनता और एक सभासद से जुड़ा व्यक्तिगत मामला है। समाज के लोगों का कहना है कि सभी लोग आपसी भाईचारे और प्रेमभाव से रहते हैं तथा व्यक्तिगत विवाद को समाज से जोड़ना उचित नहीं है। समाज की ओर से कहा गया कि किसी प्रदेश अध्यक्ष या राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा इस मामले को समाज से जोड़कर बयान देना उचित नहीं है। जिलाध्यक्ष रामकिशन उपाध्याय ने ऐसे बयानों की निजी तौर पर निंदा करते हुए कहा कि समाज किसी व्यक्तिगत विवाद में पक्षकार नहीं है। संगठन के पदाधिकारी ने बताया कि शामली में उपाध्याय समाज का संगठन भारतीय उपाध्याय समाज के नाम से संचालित है और किसी व्यक्ति द्वारा स्वयं को प्रदेश अध्यक्ष बताकर समाज के नाम पर बयान देने पर संगठन ने आपत्ति जताई है। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष रामकिशन उपाध्याय ने की, जबकि संचालन रामवीर राठी ने किया। बैठक में संजय उपाध्याय, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष योगी नाथ चेतना मंच शामली, राजवीर सिमालका, केपीओ भट्टी, विकास उपाध्याय, सत्यपाल उपाध्याय, दुष्यंत उपाध्याय, सतेंद्र उपाध्याय, जयपाल उपाध्याय सहित समाज के अनेक पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे। समाज के सैकड़ों लोगों ने मामले को समाज से जोड़ने पर आपत्ति जताते हुए इसकी निंदा की।

सर्विसेज क्लब में मैक्स हॉस्पिटल वैशाली द्वारा नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर सफलतापूर्वक संपन्न

मुजफ्फरनगर। मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, वैशाली (गाज़ियाबाद) एवं सर्विसेज क्लब, मुजफ्फरनगर के सहयोग से सर्विसेज क्लब, प्रकाश चौक में निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर का सफल आयोजन किया गया। यह शिविर सर्विसेज क्लब के अध्यक्ष जिलाधिकारी श्री उमेश मिश्रा, उपाध्यक्ष श्री सुनील सिंघल, सचिव श्री विजय वर्मा एवं समस्त कार्यकारिणी के नेतृत्व में आयोजित किया गया। शिविर में डॉ. निकुंज अग्रवाल (हड्डी रोग विशेषज्ञ) एवं डॉ. जटा शंकर (गैस्ट्रो विशेषज्ञ) सहित हृदय रोग विशेषज्ञों द्वारा सैकड़ों लाभार्थियों को निःशुल्क परामर्श दिया गया। शिविर में BP, ब्लड शुगर, BMI, FibroScan एवं सामान्य स्वास्थ्य जाँच जैसी सुविधाएँ निःशुल्क प्रदान की गईं। साथ ही स्वास्थ्य जागरूकता सत्र का भी आयोजन किया गया। इसमें लगभग 400 लोगों ने फ्री निशुल्क कैंप का लाभ प्राप्त किया।

स्थानीय नागरिकों ने इस पहल की सराहना की। इस कार्यक्रम में मुकेश जैन, अजय गुप्ता, राकेश, मनोज वर्मा, आयुष मित्तल, गिरीश अग्रवाल, गिरिराज किशोर, हिमांशु महेश्वरी, अतुल जैन, एडवोकेट अनिल आनंद, डॉ जे एस तोमर, डॉ सुजीत, राजेश गोयल, महेश जिंदल, प्रदीप गोयल, अशोक सरीन, भुवनेश गुप्ता , राकेश शर्मा, संजय जैन, रोहित गोयल,मोनू ने भाग लिया।

रंग संसार

सिनेमा में आएगी 'गरुड़ पुराण' की महागाथा, अजय देवगन की सुपरनैचुरल थ्रिलर का टाइटल हुआ कन्फर्म?

नई दिल्ली। हिंदी फिल्म अभिनेता अजय देवगन का नाम लंबे समय से एक सुपरनैचुरल थ्रिलर को लेकर चर्चा में बना हुआ है, जो गरुड़ पुराण पर आधारित होगी। अब इस मूवी के टाइटल को लेकर लेटेस्ट अपडेट सामने आ रहा है, जिसके आधार पर ये मालूम चल गया है कि इस मूवी का नाम क्या होगा। आइए इस मामले को विस्तार से जानते हैं। काल और शैतान जैसी सुपरनैचुरल हॉरर थ्रिलर से फैंस का दिल जीतने वाले अजय देवगन एक बार फिर से इस जॉनर की मूवी में वापसी करने जा रहे हैं। निर्देशक रोहित जुगराज संग अपकमिंग मूवी को लेकर अजय का नाम चर्चा का विषय बना हुआ था और अब ये कन्फर्म हो गया है कि गरुड़ पुराण पर बनने वाली इस फिल्म का नाम सूर्यस्पर्श होगा। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार मेकर्स ने सूर्यस्पर्श के तौर पर अजय देवगन की अपकमिंग सुपरनैचुलर हॉरर थ्रिलर का टाइटल फिक्स कर लिया है और जल्द ही इसकी आधिकारिक घोषणा कर दी जाएगी। हालांकि शुरूआती खबरों में फिल्म का का टाइटल गृह प्रवेश बताया जा रहा था।लेकिन बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के बाद ये कन्फर्म हो गया है कि तौर पर पता अजय की इस फिल्म का आधिकारिक नाम सूर्यस्पर्श रखा गया है। बात की जाए सूर्यस्पर्श की कहानी के बारे में तो अजय देवगन और रोहित जुगराज की ये मूवी हिंदू धर्म के महान ऋषि वेद व्यास द्वारा रचित गरुड़ पुराण से प्रेरित होगी। जिसमें भगवान विष्णु और पक्षियों के राजा गरुड़ के बीच बातचीत का वर्णन मिलता है। मालूम हो कि गरुड़ पुराण हिंदू धर्म के 18 महापुराणों में से एक है, जो यह मुख्य रूप से जीवन, मृत्यु, कर्म और उनके परिणाम का ज्ञान देता है। फिलहाल अजय देवगन की सूर्यस्पर्श की रिलीज में काफी समय लगेगा। इससे पहले वह दृश्यम 3 और गोलमाल 5 जैसी मूवीज में नजर आएंगे। जिनमें सस्पेंस थ्रिलर फ्रेंचाइजी दृश्यम की तीसरी किस्त इसी साल 2 अक्टूबर 2026 को थिएटर्स में रिलीज होगी।

राज काज

पाकिस्तान के दोस्त तुर्किये ने भारत से खरीदा रिकॉर्ड डीजल, मुकेश अंबानी की रिलायंस की भरी झोली

नई दिल्ली। पाकिस्तान का अहम साझेदारी तुर्किये डीजल को लेकर भारत पर निर्भर है। ऐसा हम नहीं बल्कि ताजा आंकड़े कह रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार तुर्किये ने अगस्त में भारत से रिकॉर्ड डीजल की खरीद की। मीडिल ईस्ट संकट और रूस से सप्लाई घटने की वजह से भारत तुर्किये के लिए ईंधन का एक अहम विकल्प बनकर उभरा है। यह वही तुर्किये है जो हर मुद्दे पर भारत का विरोध करता है और पाकिस्तान का सपोर्ट करता है। लेकिन आज आलम यह है कि उसे अपनी डीजल की जरूरत को पूरा करने के लिए भारत पर निर्भर रहना पड़ रहा है। तुर्किये अपनी जरूरत का अधिकतर डीजल रूस से खरीदता था। लेकिन रूस से सप्लाई घटने के बाद उसने भारत की ओर रुख किया और अगस्त में भारतीय डीजल का तुर्की का आयात रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया।कमोडिटी डेटा फर्म Kpler के अनुसार, अगस्त में तुर्की ने भारत से हर दिन 1,20,000 बैरल (bpd) से ज्यादा डीजल का आयात किया, जबकि अमेरिका से आयात लगभग 90,000 स्त्र रहा। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, डस्त्र'ी१ के 2017 से अब तक के डेटा में ये दोनों ही सबसे ज्यादा मासिक स्तर थे। वहीं दूसरी ओर, इस साल के शुरूआती महीनों में 2,00,000 स्त्र से ज्यादा रहे रूसी डीजल के आयात में कमी आई और अगस्त में यह गिरकर लगभग 80,000 स्त्र रह गया।भारत ने 2025 में तुर्की को 5,62,421 टन डीजल का निर्यात किया, जिससे वह रूस और मिस्त्र के बाद तुर्की का तीसरा सबसे बड़ा सप्लायर बन गया। 2023 में तुर्की को भारत का डीजल निर्यात 3,97,761 टन था, जबकि 2022 में यह 3,30,990 टन था। अगस्त में तुर्किये को भारत के पेट्रोलियम उत्पादों का एक्सपोर्ट पिछले साल अगस्त की तुलना में 5 गुना बढ़ गया। इसमें सबसे ज्याद एक्सपोर्ट मुकेश अंबानी की रिलायंस ने किया। मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज जामनगर रिफाइनरी में कच्चे तेल से पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स बनाती है। इसमें पेट्रोल से लेकर डीजल और अन्य प्रोडक्ट्स भी शामिल है।

दैनिक राशिफल बुधवार 23 सितम्बर 2026

मेष – किसी से कहासुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा।

वृष – अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजनो के सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है।

मिथुन : परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। आर्थिक लाभ के लिए किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी।

कर्क – स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी।

सिंह– लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मनोरथ सिद्धि का योग है। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी।

कन्या – स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी।

तुला – प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी।

वृश्चिक – स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे।

धनु – शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा।

मकर – लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी।

कुंभ – माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी।

मीन – प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वविवेक से कार्य करे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा।

दैनिक पंचांग

23 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

बुधवार 2026 वर्ष का 266 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वादशी 22.51 बजे को समाप्त।
नक्षत्र श्रवण 09.09 बजे को समाप्त।
योग सुकर्मा 16.27 बजे को समाप्त।
करण बव 10.22 बजे तदनन्तर बालव 22.51 बजे को समाप्त।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	07.38 बजे से
चंद्र	मकर में	वृश्चिक	09.53 ब.से
मंगल	कर्क में	धनु	12.09 बजे से
बुध	कन्या में	मकर	14.14 बजे से
गुरु	कर्क में	कुंभ	16.01 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन	17.33 बजे से
शनि	मीन में	मेष	19.04 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	20.44 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	22.42 बजे से
		कर्क	00.56 बजे से
राहुकाल	12.00 से 1.30 बजे तक	सिंह	03.12 बजे से
		कन्या	05.24 बजे से

चन्द्रायु 11.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 00° 00'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872841
जूलियन दिन 2461306.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना रवि उस्सानी **तारीख** 11
विशेष वामन व भुवनेश्वरी जयंती, राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस।

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	05.54 से 07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44 बजे तक
काल	08.15 से 10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47 बजे तक	चर	10.16 से 11.47 बजे तक
रोग	11.47 से 01.16 बजे तक	रोग	11.47 से 01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44 बजे तक	काल	01.19 से 02.51 बजे तक
चर	02.44 से 04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

फर्जी जीएसटी फर्म बनाकर राजस्व को नुकसान पहुंचाने के मामले में दो गिरफ्तार

नई मंडी पुलिस ने जानसठ रोड से पकड़ा, तीन मोबाइल, जियो सिम और फर्जी बिलों की प्रतियां बरामद

मुजफ्फरनगर। फर्जी जीएसटी फर्मों का गठन एवं संचालन कर फर्जी बिल तैयार करने और राजस्व को क्षति पहुंचाने के मामले में नई मंडी पुलिस ने दो वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से तीन मोबाइल फोन, एक जियो कंपनी का सिम कार्ड तथा फर्जी जीएसटी फर्मों के फर्जी बिलों की प्रतियां और अन्य संबंधित दस्तावेज बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा के पर्यवेक्षण में पुलिस अधीक्षक नगर अमृत जैन, क्षेत्राधिकारी नई मंडी राजू कुमार साव तथा थाना प्रभारी नई मंडी आनन्द देव मिश्र के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।

राज्य कर अधिकारी की शिकायत पर दर्ज हुआ था मुकदमा पुलिस के मुताबिक 19 अक्टूबर 2025 को राज्य कर अधिकारी खंड-4, मुजफ्फरनगर ने थाना नई मंडी में तहरीर देकर बताया था कि इन्तयाज पुत्र सादुल्ला खान निवासी मोईदीनपुर द्वारा फर्जी फर्म संचालित कर बंद हो चुकी फर्मों के साथ लेन-देन दिखाया जा रहा है, जिससे राजस्व को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। तहरीर के आधार पर थाना नई मंडी में मुकदमा अपराध संख्या 524/2025 धारा 318(4), 336(3), 338 एवं 340(2) बीएनएस के तहत दर्ज किया गया था। जानसठ रोड से हुई गिरफ्तारी

पुलिस ने बताया कि 21 सितंबर 2026 को थाना नई मंडी पुलिस ने मुकदमे में वांछित एवं प्रकाश में आए दो आरोपियों को जानसठ रोड से लाला जगदीश प्रसाद सरस्वती विद्या मंदिर जाने वाले रास्ते से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से तीन मोबाइल फोन, जियो कंपनी का एक सिम कार्ड तथा मोबाइल फोन से प्राप्त फर्जी जीएसटी फर्मों के फर्जी बिलों की प्रतियां और अन्य दस्तावेज बरामद हुए। पुलिस द्वारा मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी इन्तयाज पुत्र सादुल्ला खान, निवासी ग्राम मोईदीनपुर, थाना खतौली, मुजफ्फरनगर, हाल पता शाहबुद्दीनपुर रोड, लद्दावाला, थाना कोतवाली नगर, मुजफ्फरनगर, उम्र करीब 26 वर्ष। सलमान पुत्र निसार अहमद, निवासी 530 खालसा पट्टी सुजडू, थाना खालापार, मुजफ्फरनगर, उम्र करीब 29 वर्ष। ये सामान हुआ बरामद तीन मोबाइल फोन
एक जियो कंपनी का सिम कार्ड
फर्जी जीएसटी फर्मों के फर्जी बिलों की प्रतियां अन्य संबंधित दस्तावेज
गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम
कार्रवाई करने वाली टीम में उपनिरीक्षक ओमप्रकाश सिंह, उपनिरीक्षक दिनेश कौशिक, कांस्टेबल रवि कुमार, कांस्टेबल कुलदीप, कांस्टेबल राहुल कुमार तथा रिजर्व कांस्टेबल हीरा सिंह, थाना नई मंडी, मुजफ्फरनगर शामिल रहे।

बेहड़ा थ्रू के ग्रामीण की आगरा में मौतः नाला निर्माण के दौरान हुआ हादसा, परिवार में मचा कोहराम

रोजी-रोटी की तलाश में आगरा गया था मजदूर, आर्थिक मदद की गुहार

मोरना (मुजफ्फरनगर)। भोपा थाना क्षेत्र के गांव बेहड़ा थ्रू निवासी एक व्यक्ति की आगरा में नाला निर्माण कार्य के दौरान हुए भीषण हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही मृतक के परिवार में कोहराम मच गया और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। घटना की सूचना पाकर रोते-बिलखते परिजन शव को लेने के लिए आगरा पहुंच गए हैं।
मंडी के पास नाला निर्माण के दौरान हुआ हादसा
प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक के भतीजे पवन कुमार ने दुखद घटना की जानकारी देते हुए बताया कि उनके 40 वर्षीय चाचा सुशील कुमार पुत्र स्वर्गीय गोरखा मजदूरी करके अपने परिवार का पेट पालते थे। शनिवार को वह मजदूरी के

सिलसिले में आगरा गए थे। वहां एक मंडी के समीप नाला निर्माण का कार्य चल रहा था, जिस दौरान अचानक यह हादसा हो गया और सुशील की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे का एक वीडियो सोशल मीडिया पर भी तेजी से वायरल हो रहा है।
परिजन शव लेने पहुंचे आगरा
हादसे की सूचना मिलते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई। परिजन तुरंत आगरा के लिए रवाना हो गए, जहां से वे मंगलवार देर शाम तक शव को लेकर गांव बेहड़ा थ्रू पहुंचेंगे। सुशील की इस असमय मृत्यु से उनकी वृद्ध मां ओमी, पत्नी रूबी और दो मासूम बेटियों का रो-रोकर बुरा हाल है।
ग्रामीणों ने प्रशासन से मदद की गुहार घर के एकमात्र कमाने वाले सदस्य सुशील की अचानक हुई मौत से पूरे परिवार के सामने जीविकोपार्जन का गंभीर संकट खड़ा हो गया है। गांव के गणमान्य लोगों और ग्रामीणों ने स्थानीय व जिला प्रशासन से पीड़ित असहाय परिवार को तत्काल उचित आर्थिक सहायता एवं सरकारी मुआवजा प्रदान करने की पुरजोर मांग की है।

सेवा संकल्प अभियान में बच्चों की प्रतिभा का सम्मान, पुरस्कार के साथ नकद राशि देकर बढ़ाया हौसला

मुजफ्फरनगर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सदर ब्लॉक के पीएमश्री उच्च प्राथमिक विद्यालय भंडूरा में चित्रकला एवं भाषण प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संदीप कुमार विशिष्ट अतिथि तथा खंड शिक्षा अधिकारी ध्यानचंद विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहे। अतिथियों ने विजेता बच्चों को पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया।

चित्रकला प्रतियोगिता में सोफिया ने प्रथम, इकरा ने द्वितीय तथा हर्ष ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं भाषण

प्रतियोगिता में शगुन ने प्रथम, राधिका ने द्वितीय तथा शिफा ने तृतीय स्थान हासिल किया। सभी विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने बच्चों का उत्साह बढ़ाते हुए अपनी ओर से उन्हें नकद धनराशि देकर प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं बच्चों में प्रतिभा, आत्मविश्वास और रचनात्मक क्षमता को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। बच्चों की प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम में मौजूद अतिथियों, अभिभावकों और अन्य लोगों का मन मोह लिया। तालियों की गड़गड़ाहट से विद्यालय परिसर गूंज उठा।

कार्यक्रम का संचालन सेवा संकल्प अभियान के नोडल शिक्षक औसाफ अहमद अंसारी ने किया। इस दौरान विद्यालय में नए भवन के निर्माण के लिए शिलान्यास भी किया गया। नए भवन के निर्माण से विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों को बेहतर शैक्षिक वातावरण और सुविधाएं उपलब्ध होने की उम्मीद है।

कार्यक्रम में रविंद्र प्रधान, शाहिद उर्फ बाबू प्रधान, समय सिंह, नरेश प्रजापति, अनिल कुमार, कंवरपाल, अमित शास्त्री, हरेंद्रपाल, प्रधान अध्यापक प्रदीप कुमार सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ एवं क्षेत्र के गणमान्य लोग मौजूद रहे। समारोह के दौरान बच्चों को शिक्षा, रचनात्मक गतिविधियों और विभिन्न प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर प्रतिभाग करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

नशे की हालत में नाली में गिरने से युवक की मौत, शव मिलने से मचा हड़कंप

बुढ़ाना। कस्बा बुढ़ाना के रामछेल तिराहे के पास मंगलवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब नाली में एक युवक का शव पड़ा मिला। सूचना मिलते ही थाना बुढ़ाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नाली से बाहर निकलवाकर उसकी शिनाख्त कराई। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान राहुल कश्यप पुत्र इंदर, निवासी ग्राम उमरपुर, थाना बुढ़ाना, जनपद मुजफ्फरनगर, उम्र करीब 31 वर्ष के रूप में हुई है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के साथ ही आसपास के लोगों से जानकारी जुटाई। प्रथम दृष्टया नशे की अवस्था में नाली में गिरने के कारण मौत होने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। थाना बुढ़ाना पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया है। पुलिस द्वारा मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है। घटना के बाद मौके पर कानून एवं शांति व्यवस्था सामान्य बताई गई है।

श्यामा श्याम मंदिर में रासलीला मंचन में उमड़ रही है भक्तों की भीड़

मुजफ्फरनगर। श्री श्यामाश्याम मंदिर गांधीनगर में रासलीला में आज कंस ने देवकी की प्रथम संतान को वासुदेव को वापिस कर दिया तब ही नारद जी आए। उन्होंने कहा हे कंस कहीं से भी गिनती करो देवकी का प्रत्येक पुत्र तुम्हारा काल हो सकता, तभी कंस ने वासुदेव से उसके प्रथम पुत्र को लेकर उसकी हत्या कर दी । इसी प्रकार देवकी के 7 पुत्रों की उसने हत्या कर दी,
जब देवकी को आठवीं संतान हुई तो तेज बारिश आ रही थी, वहां दिव्य प्रकाश फैल गया ओर कारागार के रक्षक खुद ही गहरी नींद में सो गए, तब ही वासुदेव को एक आकाशवाणी सुनाई थी हे वासुदेव इसी वक्त इस बालक को गोकुल नंद बाबा के यहां पहुंचा आओ वहां जन्मी कन्या को ले आओ
जब तक तुम वापिस आओगे सब ऐसे ही रहेंगे वासुदेव ने तुरंत ही एक टोकरी में बालक कान्हा को रखा यमुना पूरे उफान पर थी कान्हा जी ने अपना पैर टोकरी से बाहर निकाला यमुना ने कान्हा जी के पैर का स्पर्श

किया और शांत हो गई
वासुदेव नन्द के घर पहुंच कर कान्हा को वहां छोड़कर वहां जन्मी कन्या को लेकर वापिस आए
आते ही कारागार के रक्षकों की नींद खुली वासुदेव के हथकड़ी बेड़िया स्वयं ही लग गई देवकी के आठवें बच्चे केजन्म की खबर कंस तक पहुंची कंस ने जैसे ही उसकी पकड़ा तो देवकी बोली भैया ये तो कन्या है ये आपको मार नहीं सकती परंतु कंस ने कहा नहीं ये कन्या भी मेरा काल बन सकती है जैसे ही कंस ने उक्त कन्या को पछाड़ने लगा वो कन्या उस के हाथों से छूट कर आसमान में चली गई और एक आकाशवाणी हुई हे कंस तुझे मारने वाला तो ब्रज में जन्म ले चुका है
जब ही कंस ने देवकी ओर वासुदेव को बंदी गृह से छोड़ दिया उधर गोकुल में यशोदा नंद के घर खुशिया मनाई गई बधाई दी जाने लगी
कंस ने अपने सैनिकों को ब्रजमंडल में नवजात बच्चों की खोज में भेज दिया फिर उसने जैसे ही पता चला गोकुल में नंद के यहां पुत्र हुआ है तो राक्षसी पूतना को भेजा बाल कान्हा जी के द्वारा पूतना के वध की लीला मंचन पर विराम दिया गया
रासलीला के मंचन में भक्तजन खुशी में झूम उठे मुजफ्फरनगर में रामलीला तो बहुत होती है पर रासलीला कभी कभी होती है श्रद्धाओं में उत्साह बढ़ रहा है

कृषि विज्ञान केन्द्र, चितौड़ा में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के चौथे दिन शौचालय एवं सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

मुजफ्फरनगर। कृषि विज्ञान केन्द्र, चितौड़ा में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत 'स्वच्छता ही सेवा' के चौथे दिन शौचालय एवं सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता के प्र ति किया गया जागरूक कृषि विज्ञान केन्द्र, चितौड़ा में चल रहे 'स्वच्छता ही सेवा' जागरूकता कार्यक्रम के चौथे दिन विशेष सत्र का आयोजन किया गया।
इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता के प्रति जन-जागृति फैलाना और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए केन्द्र के प्रभारी अधिकारी डॉ. यशपाल सिंह ने उपस्थित किसानों को संबोधित किया। उन्होंने दैनिक जीवन में साफ-सफाई के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी किसानों और कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई, जिसमें उन्होंने अपने घर, कार्यस्थल और आसपास के परिवेश को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया।
इस अवसर पर केन्द्र की वैज्ञानिक डॉ. पूजा ने विशेष सत्र में चर्चा करते हुए शौचालयों के नियमित रख-रखाव, उपयोग के बाद स्वच्छता बनाए रखने और सार्वजनिक स्थलों पर स्वास्थ्य से जुड़ी अच्छी आदतों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने व्यक्तिगत और सामुदायिक स्वच्छता के बीच के गहरे संबंध को बहुत ही सरल भाषा में समझाया।
कार्यक्रम के दौरान केन्द्र के अन्य विशेषज्ञ डॉ. रीनाश्री संजीव कुमार- और श्री उत्तम राठी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे और उन्होंने स्वच्छता अभियान को सफल बनाने के लिए अपने बहुमूल्य विचार साझा किए तथा किसानों को कचरा प्रबंधन के प्रति प्रेरित किया।

मिशन शक्ति की समीक्षा में डीआईजी अभिषेक सिंह ने दिए सख्त निर्देश

तीनों जनपदों के नोडल अधिकारियों के साथ ऑनलाइन गोष्ठी, महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों के समयबद्ध निस्तारण पर जोर

मुजफ्फरनगर । मिशन शक्ति योजना के अंतर्गत महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को लेकर चलाए जा रहे कार्यों की समीक्षा एवं आगामी कार्ययोजना तैयार करने के संबंध में मंगलवार को पुलिस उपमहानिरीक्षक, सहारनपुर परिक्षेत्र अभिषेक सिंह ने तीनों जनपदों के मिशन शक्ति योजना के नोडल अधिकारियों के साथ ऑनलाइन गोष्ठी की।
गोष्ठी में सहारनपुर, मुजफ्फरनगर एवं शामली जनपदों में मिशन शक्ति के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की जनपदवार समीक्षा की गई। डीआईजी ने मिशन शक्ति केंद्रों के माध्यम से महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए की जा रही कार्रवाई की जानकारी ली।
बैठक के दौरान महिलाओं एवं बालिकाओं से संबंधित शिकायतों के निस्तारण, महिला बीट व्यवस्था, जनजागरूकता कार्यक्रमों तथा विभिन्न हेल्पलाइन के माध्यम से की जा रही कार्रवाई की भी समीक्षा की गई। नोडल अधिकारियों से प्रगति की जानकारी लेते हुए डीआईजी ने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।
डीआईजी अभिषेक सिंह ने निर्देशित किया कि प्रत्येक जनपद में मिशन शक्ति के अंतर्गत संचालित गतिविधियों का प्रभावी समन्वय एवं नियमित अनुश्रवण किया जाए। मिशन शक्ति केंद्रों तथा महिला बीट व्यवस्था की नियमित समीक्षा करते हुए महिलाओं एवं बालिकाओं से संबंधित शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने तथा महिला सुरक्षा से जुड़े जनजागरूकता कार्यक्रमों एवं अन्य गतिविधियों की प्रभावी निगरानी के निर्देश दिए। साथ ही शासन एवं उच्चाधिकारियों द्वारा दिए गए निदेशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने और मिशन शक्ति के कार्यों की प्रगति से वरिष्ठ अधिकारियों को नियमित रूप से अवगत कराने को कहा। गोष्ठी के दौरान आगामी कार्ययोजना को लेकर भी चर्चा की गई और मिशन शक्ति के तहत संचालित गतिविधियों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

मण्डलायुक्त डॉ रुपेश कुमार नेअटल आवासीय विद्यालय, ग्राम नंगला बुजुर्ग का औचक निरीक्षण किया

मुजफ्फरनगर। मण्डलायुक्त, सहारनपुर मण्डल, सहारनपुर डॉ रुपेश कुमार,द्वारा अटल आवासीय विद्यालय, ग्राम नंगला बुजुर्ग, तहसील जानसठ, जनपद मुजफ्फरनगर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी, मुजफ्फरनगर, मुख्य विकास अधिकारी, तथा उपाध्यक्ष, विकास प्राधिकरण सहित सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा विद्यालय में उपलब्ध शैक्षणिक एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।
निरीक्षण में मण्डलायुक्त द्वारा विद्यालय की शैक्षणिक बिल्डिंग, छात्र एवं छात्राओं के हॉस्टल, मेस तथा खेल मैदान का निरीक्षण किया गया। उनके द्वारा विद्यालय में विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं, शैक्षणिक वातावरण, भोजन व्यवस्था,

स्वच्छता, आवासीय व्यवस्थाओं तथा खेलकूद संबंधी सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की।
मण्डलायुक्त द्वारा विद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं से संवाद कर उनकी पढ़ाई, भोजन, आवास, स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी ली गई। विद्यार्थियों द्वारा उत्साहपूर्वक अपनी दिनचर्या एवं विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में अवगत कराया गया। निरीक्षण के दौरान मण्डलायुक्त महोदय द्वारा विद्यार्थियों के साथ आत्मीय संवाद स्थापित करते हुए उनके साथ क्रिकेट भी खेला तथा बच्चों का उत्साहवर्धन किया।
उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि विद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो तथा उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ समुचित आवास, पौष्टिक भोजन, स्वच्छ वातावरण, स्वास्थ्य सुविधाएं एवं खेलकूद की पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। विद्यालय की व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की कमी पाए जाने पर उसका तत्काल निराकरण सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए गए।
मण्डलायुक्त द्वारा विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया तथा पर्यावरण संरक्षण एवं विद्यालय परिसर को हरा-भरा बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक पौधों के संरक्षण एवं देखभाल पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।
निरीक्षण के दौरान उप जिलाधिकारी जानसठ, सहायक श्रमायुक्त, मुजफ्फरनगर, सी0ओ0 जानसठ, एवं अन्य विभागों के अधिकारी एवं विद्यालय प्रशासन के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

पल्स पैथोलॉजी एंड एक्स-रे में एक्स-रे रेडिएशन का पंजीकरण नहीं मिला, एक्स-रे यूनिट सील

मुजफ्फरनगर। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा के निर्देशन एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवातिया के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मीनाक्षी चौक स्थित पल्स पैथोलॉजी एंड एक्स-रे का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान पैथोलॉजी विभाग का पंजीकरण वैध पाया गया, जबकि एक्स-रे रेडिएशन से संबंधित आवश्यक पंजीकरण उपलब्ध नहीं मिला।
निरीक्षण की कार्रवाई उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. महक सिंह एवं उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय कुमार द्वारा की गई। टीम ने पैथोलॉजी एवं एक्स-रे सेवाओं से संबंधित आवश्यक अभिलेखों की जांच की। जांच में पैथोलॉजी का पंजीकरण उपलब्ध था, लेकिन एक्स-रे संचालन के लिए आवश्यक रेडिएशन पंजीकरण प्रस्तुत नहीं किया जा सका।
एक्स-रे रेडिएशन का आवश्यक पंजीकरण एवं संबंधित पूर्ण अभिलेख उपलब्ध न होने के कारण स्वास्थ्य विभाग की टीम ने केवल एक्स-रे यूनिट को सील कर दिया।
पैथोलॉजी विभाग का पंजीकरण उपलब्ध होने के कारण उसकी सेवाएं प्रभावित नहीं की गई हैं।
संस्थान के संचालक से स्पष्टीकरण तलब करते हुए दो दिन के भीतर एक्स-रे रेडिएशन के पंजीकरण सहित आवश्यक अभिलेख प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। निर्धारित अवधि में अभिलेख एवं संतोषजनक स्पष्टीकरण प्रस्तुत नहीं किए जाने पर नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।
मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवातिया ने कहा कि जनपद में संचालित पैथोलॉजी एवं एक्स-रे केंद्रों में आवश्यक पंजीकरण और निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए निरीक्षण एवं कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

बच्चों के विवाद में दो पक्षों में मारपीट, पथराव, कई घायल

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ मारपीट का वीडियो, पुलिस ने कई लोगों को हिरासत में लिया

मीरापुर। थाना क्षेत्र के गांव रसूलपुर गढ़ी में मंगलवार शाम बच्चों के बीच पतंग को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते बड़ों के बीच मारपीट में बदल गया। दोनों पक्षों के लोग आमने-सामने आ गए। कहासुनी और गाली-गलौज के बाद दोनों ओर से जमकर पथराव हुआ तथा लाठी-डंडे चले। मारपीट और पथराव की घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। घटना में दोनों पक्षों के कई लोगों के घायल होने की जानकारी है। बताया गया कि मंगलवार शाम गांव रसूलपुर गढ़ी में कुछ बच्चे पतंग को लेकर आपस में विवाद कर रहे थे। बच्चों के बीच हुए विवाद की जानकारी मिलने पर दोनों पक्षों के परिजन और अन्य लोग मौके पर पहुंच गए। इसी दौरान दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई। आरोप है कि कहासुनी के बाद दोनों ओर से गाली-गलौज होने लगी। कुछ ही देर में मामला इतना बढ़ गया कि दोनों पक्षों के लोग एक-दूसरे के सामने आ गए। इसके बाद दोनों ओर से पथराव शुरू हो गया। लोगों ने

एक-दूसरे पर लाठी-डंडों से भी हमला किया। अचानक हुई मारपीट और पथराव से गांव में अफरा-तफरी मच गई। घटना में दोनों पक्षों के कई लोग घायल हो गए। इसी दौरान किसी ने मारपीट और पथराव का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो में दोनों पक्षों के लोगों के बीच मारपीट और पथराव होता दिखाई दे रहा है। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों के लोगों को लाठी फटकार कर खदेड़ा। पुलिस ने मौके से दोनों पक्षों के कई लोगों को हिरासत में लिया और उनसे पूछताछ शुरू कर दी। इंस्पेक्टर इंद्रजीत सिंह ने बताया कि गांव में दो पक्षों के बीच कहासुनी के बाद मारपीट हुई है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मामले की जांच की जा रही है और जांच के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

छोटा हाथी में सब्जी बेचने वालों ने चुराई बाइक, सीसीटीवी से खुला राज

मीरापुर। थाना मीरापुर क्षेत्र में हुई बाइक चोरी की घटना का पुलिस ने सफल अनावरण करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल तथा घटना में प्रयुक्त छोटा हाथी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार आरोपियों की गतिविधियां सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुई थीं, जिसके आधार पर पुलिस ने मामले की जांच आगे बढ़ाई। थाना प्रभारी निरीक्षक इन्द्रजीत सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर 21 सितंबर को डिगडेरा रोड मीरापुर से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान बिट्टू पुत्र इन्दर निवासी ग्राम नियामतपुर, थाना देवबंद, जनपद सहारनपुर, हाल निवासी डबल फाटक मोहनपुरा मोहम्मदपुर, थाना सिविल लाइन, रुड़की, हरिद्वार तथा रितिक पुत्र बृजपाल निवासी ग्राम नियामतपुर, थाना देवबंद, सहारनपुर के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से मुकदमे से संबंधित चोरी की मोटरसाइकिल तथा घटना में प्रयुक्त छोटा हाथी बरामद किया। थाना प्रभारी के अनुसार आरोपी छोटा हाथी में सब्जी बेचने का काम करते थे। रात में सब्जी बेचकर वापस लौटते समय रास्ते में खड़ी बाइक को देखकर उन्होंने उसे छोटा हाथी में लाद लिया। इसके बाद पास में खड़ी एक बाइक रिक्शा को भी वाहन में रखने का प्रयास किया। उनकी यह गतिविधि सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जिसके आधार पर पुलिस ने जांच करते हुए दोनों आरोपियों तक पहुंच बनाई। वैधानिक कार्रवाई के बाद दोनों को न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा।

मुजफ़्फरनगर में एनएचएम कर्मचारियों का प्रदर्शन:जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन, मांगे पूरी न होने पर आंदोलन की चेतावनी

नियमितीकरण, समान कार्य-समान वेतन और 10 लाख रुपये की कैशलेस चिकित्सा सुविधा की उठाई मांग

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) कर्मचारी संघ ने संविदा कर्मचारियों की लंबे समय से लंबित चली आ रही ज्वलंत समस्याओं और मांगों के निस्तारण को लेकर मोर्चा खोल दिया है। संघ ने मंगलवार को बड़ी संख्या में एकत्र हुए कर्मचारियों ने प्रदर्शन करने के बाद जिलाधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में वर्षों से निष्ठापूर्वक अपनी सेवाएं दे रहे संविदा कर्मचारियों के नियमितीकरण और 'समान कार्य-समान वेतन' की नीति लागू करने समेत कई प्रमुख मांगों के शीघ्र समाधान की गुहार लगाई गई।

महंगाई भत्ता व ग्रेच्युटी की पुरजोर मांग

ज्ञापन सौंपने के दौरान संगठन के महामंत्री मणिकांत त्यागी और कोषाध्यक्ष डॉ. फैजल बिन मंसूर ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि जब तक संविदा कर्मचारियों का नियमितीकरण नहीं हो जाता, तब तक उनके मानदेय में वृद्धि कर सम्मानजनक वेतन सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने सभी एनएचएम कर्मियों को महंगाई भत्ता (ऊअ), ईपीएफ, मकान किराया भत्ता एवं ग्रेच्युटी का लाभ देने की मांग उठाई। स्वास्थ्य सुविधाओं पर बात रखते हुए डॉ. राहुल वर्मा ने रात-दिन स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ बनकर काम करने वाले एनएचएम कर्मचारियों और उनके आश्रितों के लिए कम से कम 10 लाख रुपये की कैशलेस चिकित्सा सुविधा तत्काल शुरू करने की पुरजोर मांग की। महिला संगठन मंत्री निर्मला देवी ने बताया कि अल्प मानदेय के कारण दूसरे जिलों में रहकर नौकरी करना बेहद कठिन साबित हो रहा है, इसलिए अंतर-जनपदीय स्थानांतरण की सुविधा दी जानी चाहिए। साथ ही सेवा के दौरान असमय मृत्यु होने पर आश्रितों को तुरंत अनुकंपा नियुक्ति मिले। वहीं एपिडेमियोलॉजिस्ट डॉ. शमशेर ने आउटसोर्स कर्मचारियों के जिला स्वास्थ्य समिति में समायोजन की मांग की।

8 अक्टूबर से स्वास्थ्य सेवाएं ठप करने की चेतावनी कर्मचारी संघ ने प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि उनकी जायज मांगों पर त्वरित कार्रवाई नहीं हुई, तो कर्मचारी 8, 9 और 10 अक्टूबर को जिला मुख्यालय पर पूर्ण कार्य बहिष्कार करेंगे। इसके बाद भी हल न निकलने पर १२ अक्टूबर को लखनऊ स्थित प्रदेश मुख्यालय पर विशाल धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। धरना व प्रदर्शन में ये रहे शामिल इस दौरान डॉ. सचिन जैन, डॉ. शमशेर, डॉ. राहुल वर्मा, मणिकांत त्यागी, डॉ. फैजल बिन मंसूर, रवि धीमन, निर्मला देवी, नेहा त्यागी, कामेश, निर्मल चौधरी, ओम कुमार, रविंद्र कुमार, एहतेशाम, राकेश कुमार, विपुल कुमार, डॉ. रुचि नारंग, डॉ. राकेश बंसल, डॉ. सागर गोस्वामी, सचिन कुमार, तंजीम अहमद, मदन कुमार, लवलेश कुमार, बबीता, अनिल कुमार, संजय कुमार, रवि कुमार, अश्वनी कुमार, आकाश कुमार, मोहित कुमार, शोभित कुमार, प्रवीण कुमार पाल सहित भारी संख्या में स्वास्थ्य कर्मी मौजूद रहे।

मीरापुर पहुंची जापानी छात्रा भारतीय संस्कृति के रंग में रंगी: कचौरी-पराठे के स्वाद से हुईं प्रभावित, ग्रामीण संस्कृति पर किया शोध

हिरोशिमा की मोने ने ग्रामीण जीवन, परंपराओं और खान-पान का लिया जीवंत अनुभव

मीरापुर (मुजफ्फरनगर)। सद्भाव, विविध परंपराओं और समृद्ध ग्रामीण जीवन की झलक पाने के उद्देश्य से जापान के हिरोशिमा शहर की शोध छात्रा मोने इन दिनों भारत प्रवास पर हैं। इसी कड़ी में वह मुजफ्फरनगर जिले के ऐतिहासिक व सांस्कृतिक कस्बा मीरापुर पहुंचीं। यहां स्थानीय लोगों ने भारतीय परंपरा के अनुसार उनका आत्मीय स्वागत किया। अपने प्रवास के दौरान मोने ने न केवल मीरापुर के ग्रामीण परिवेश, खान-पान और सामाजिक ताने-बाने को करीब से जाना, बल्कि भारतीय व्यंजनों का स्वाद चककर उसकी जमकर सराहना भी की।

लद्दाख की वादियों में हुई दोस्ती बनी मीरापुर आने का जरिया

जापानी छात्रा मोने के मीरापुर आगमन के पीछे एक दिलचस्प कहानी है। दरअसल, मीरापुर निवासी संजीव अग्रवाल के पुत्र अविरल अपने साथियों के साथ पिछले दिनों लेह-लद्दाख की बाइक यात्रा पर गए थे। इसी यात्रा के दौरान अविरल की मुलाकात मोने से हुई। बातचीत के दौरान मोने ने बताया कि वह भारत की सनातन परंपराओं और ग्रामीण संस्कृति से बेहद प्रभावित हैं और इस विषय पर गहन शोध (रिसर्च) कर रही हैं। इसके बाद अविरल के आमंत्रण पर मोने ने अपने 15 दिवसीय भारत दौरे में मीरापुर को विशेष रूप से शामिल किया।

राम, कृष्ण, बुद्ध और गांधी के विचारों से मिली शोध की प्रेरणा

मीरापुर और आसपास के देहाती इलाकों का भ्रमण करते हुए मोने ने ग्रामीणों के रहन-सहन, पारिवारिक व्यवस्था और उत्सवों को गहराई से समझा। उन्होंने कहा कि भारत की विविधता में एकता ही इसकी सबसे बड़ी ताकत है। भगवान राम, भगवान कृष्ण, भगवान बुद्ध और महात्मा गांधी जैसे महान व्यक्तित्वों की इस भूमि ने मुझे सदैव आकर्षित किया है। इन युगपुरुषों के विचारों और जीवन दर्शन से प्रेरित होकर ही मैंने भारतीय संस्कृति को अपने शोध का विषय चुना।

कचौरी और पराठों ने जीता दिल

ग्रामीण जीवन के अवलोकन के साथ-साथ मोने ने भारतीय जायके का भी आनंद लिया।

मीरापुर प्रवास के दौरान उन्होंने विशेष रूप से तैयार की गई कचौरी, आलू के गरमा-गरम पराठे, घर का बना अचार और विभिन्न प्रकार की पारंपरिक मिठाइयों का स्वाद लिया। भारतीय भोजन की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि यहां के खाने का स्वाद और आतिथ्य सत्कार कभी न भूलने वाला अनुभव है। सप्ताह भर के इस यादगार प्रवास और शोध कार्य को पूरा करने के बाद सोमवार शाम को मोने दिल्ली के लिए रवाना हो गईं, जहां से वे अपने देश जापान लौटेंगी। ग्रामीणों ने पारंपरिक तरीके से उपहार भेंट कर उन्हें भावुक विदाई दी।

खतौली में निशुल्क चिकित्सा शिविर:सैकड़ों महिलाओं ने कराया परीक्षण, 5 दंपतियों का आईवीएफ के लिए हुआ चयर्न

दिल्ली के नामचीन विशेषज्ञों ने दी मरीजों को परामर्श सेवाएं

खतौली (मुजफ्फरनगर)। स्थानीय रा बसंती नर्सिंग होम परिसर में मंगलवार को आयोजित निशुल्क विशाल चिकित्सा शिविर में स्वास्थ्य परामर्श लेने वालों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। शिविर का मुख्य केंद्र महिला स्वास्थ्य और निःसंतानता की समस्या रही, जहां क्षेत्र की सैकड़ों महिलाओं ने पहुंचकर अपनी जटिल स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर विशेषज्ञ चिकित्सकों से मार्गदर्शन प्राप्त किया।

दिल्ली की नामचीन स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. तनु शर्मा ने किया परीक्षण

महिला स्वास्थ्य पर विशेष जोर

शिविर के दौरान दिल्ली स्थित प्रसिद्ध 'क्लाउड नाइन अस्पताल' की वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. तनु शर्मा ने अपनी सेवाएं दीं। उन्होंने दूर-दराज से पहुंचीं सैकड़ों महिलाओं का गहन चिकित्सकीय परीक्षण किया और उन्हें आवश्यक डॉक्टरी परामर्श एवं जीवनशैली से जुड़ी सावधानियां बताईं। शिविर में खतौली नगर ही नहीं, बल्कि आसपास के दर्जनों ग्रामीण इलाकों से पहुंचीं महिलाओं ने गर्भधारण में आ रही समस्याओं, हार्मोनल असंतुलन तथा अन्य स्त्री रोग संबंधी दिक्कतों को लेकर खुलकर सलाह ली। शिविर का एक अन्य प्रमुख आकर्षण निःसंतानता से जूझ रहे दंपतियों के लिए आयोजित विशेष जांच सत्र रहा। विस्तृत चिकित्सकीय जांच और विशेषज्ञों के परामर्श के उपरांत लगभग पांच दंपतियों को आईवीएफ उपचार प्रक्रिया के लिए चयनित किया गया। चयनित जोड़ों को आईवीएफ तकनीक, इसके चरणों, आवश्यक पैथोलॉजिकल जांचों तथा उपचार के आगे के रोडमैप के विषय में विस्तार से जानकारी प्रदान की गई, जिससे उनके चेहरों पर उम्मीद की नई किरण दिखी।

मानसिक व हड्डी रोग विशेषज्ञों ने भी बांटे परामर्श के नुस्खे

वरिष्ठ मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. शिवम शर्मा ने तनाव, डिप्रेशन व अन्य मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से ग्रसित मरीजों की जांच कर उन्हें परामर्श दिया। वहीं, वरिष्ठ हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. दिनेश चंद्रा ने जोड़ों के दर्द, आर्थराइटिस और हड्डियों से जुड़ी पुरानी बीमारियों से पीड़ित मरीजों का परीक्षण कर उचित इलाज और व्यायाम की सलाह दी। आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि इस शिविर का प्राथमिक उद्देश्य खतौली और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के निवासियों को उनके घर के पास ही बड़े शहरों जैसी विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना था। सुबह से शाम तक चले इस निशुल्क शिविर में आए सैकड़ों क्षेत्रीय निवासियों ने इस जनकल्याणकारी पहल का भरपूर लाभ उठाया।

खतौली में भक्तिभाव से मना 'उत्तम तप धर्म': 'आध्यात्मिक क्रिकेट' रहा विशेष आकर्षण

भेपाल से आए पं. शाश्वत शास्त्री ने दिए प्रवचन

खतौली (मुजफ़्फरनगर)। नगर के पीसनोपाड़ा स्थित श्री 1008 चंद्रप्रभ दिगंबर जैन मंदिर में चल रहे पवित्र दसलक्षण महापर्व के सातवें दिन 'उत्तम तप धर्म' पूरे श्रद्धा, संयम और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन, खतौली द्वारा आयोजित इस धार्मिक महोत्सव में सुबह से ही जैन समाज के महिला-पुरुष और बच्चों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। प्रातः काल से ही मंदिर परिसर जिनवाणी के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। सुबह मुख्य धार्मिक अनुष्ठान में श्रद्धालुओं ने देव-शास्त्र-गुरु की पूजन-अर्चन कर सामूहिक प्रक्षाल, शांतिधारा और विधान में आहुतियां समर्पित कीं। श्रद्धालुओं ने आत्मशुद्धि और संयम के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया, जिससे मंदिर परिसर दिनभर भक्तिमय माहौल में सराबोर रहा। धर्मसभा में भोपाल से पधारे विद्वान पंडित शाश्वत शास्त्री ने 'उत्तम तप धर्म' के तात्विक और व्यावहारिक स्वरूप पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जैन दर्शन में तप का तात्पर्य मात्र भूखे रहना या शरीर को कष्ट देना नहीं है, बल्कि अपनी इच्छाओं और विषय-वासनाओं पर नियंत्रण पाना ही वास्तविक तप है। तप का उद्देश्य बाहरी दिखावा या प्रशंसा पाना नहीं होना चाहिए, बल्कि आत्मा को उसके मूल स्वरूप में लीन करना ही उत्तम तप की सच्ची साधना है। दिनभर चले अनुष्ठानों के बाद शाम को बच्चों के लिए 'ज्ञान की पाठशाला' का आयोजन किया गया, जिसमें खेल-खेल में बच्चों को धार्मिक, सांस्कृतिक एवं नैतिक मूल्यों की शिक्षा दी गई। इसके पश्चात आयोजित 'तत्त्वार्थ सूत्र शिविर कक्षा' में श्रद्धालुओं ने जैन दर्शन के गूढ़ सिद्धांतों का अध्ययन किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में आध्यात्मिक क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जो श्रद्धालुओं और युवाओं के बीच आकर्षण का मुख्य केंद्र रहा।

खतौली के मेला छड़ियांन में सुरों से जीवंत हुईं मोहम्मद रफी की यादें: देर रात तक झूमे संगीत प्रेमी

नगर पालिका प्रांगण में गूंजे सदाबहार नगमे, कलाकारों ने दी भावपूर्ण संगीतमय श्रद्धांजलि

खतौली (मुजफ्फरनगर)। "कुछ आवाजें वक्त के साथ खामोश नहीं होतीं, बल्कि हर गुजरते दौर के साथ यादों में और गहरी उतरती चली जाती हैं।" महान पार्श्व गायक मोहम्मद रफी की मखमली और अमर आवाज के नाम मंगलवार की शाम कुछ ऐसी ही यादगार बन गई। मौका था पारंपरिक 'मेला श्रावणी छड़ियांन' के अवसर पर नगर पालिका परिषद के तत्वाधान में आयोजित 'याद-ए-रफी' संगीतमय कार्यक्रम का। नगर पालिका प्रांगण में जैसे ही कलाकारों ने रफी साहब के सदाबहार नगमे छेड़े, पूरा वातावरण संगीतमय और भावपूर्ण हो उठा।

दीप प्रज्वलित कर हुआ भव्य शुभारंभ

संगीतमय रात्रि का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि हाजी परवेज ने फीता काटकर किया। इसके उपरांत रालोद नेता हाजी नौशाद ने पारंपरिक रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरूआत की। कार्यक्रम के संयोजक एवं समाजसेवी सभासद हारुन ने मंच पर आए सभी अतिथियों, कलाकारों और उपस्थित नगरवासियों का हार्दिक स्वागत व आभार व्यक्त किया।

सुनहरे दौर की यादों में खोए श्रोता

मंच संभालते ही कलाकारों ने मोहम्मद रफी के एक से बढ़कर एक लोकप्रिय गीतों की प्रस्तुतियां देकर भारतीय संगीत के इस महान फनकार को स्वरांजलि अर्पित की। जैसे-जैसे रफी साहब के गीतों की धुनें और तराने हवा में तैरते गए, प्रांगण में मौजूद हर उम्र का संगीत प्रेमी उस सुनहरे दौर के अहसास में खोता चला गया।

देर रात तक गूंजती रहीं तालियां

कलाकारों की भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने समां बांधे रखा और दर्शक देर रात तक अपनी जगहों पर डटे रहे। हर लोकप्रिय गीत के समापन पर संगीत प्रेमियों ने जमकर तालियां बजाकर कलाकारों की गायकी की सराहना की और उनका उत्साहवर्धन किया। यह संगीतमय शाम खतौलीवासियों के दिलों में रफी साहब की सुरीली यादों को एक बार फिर तरोताजा कर गई।

खतौली में रोटरी क्लब की पहल: महिलाओं ने रक्तदान कर पेश की मिसाल, 24 यूनिट रक्त एकत्र

डिस्ट्रिक्ट गवर्नर पायल गौड़ ने किया शिविर का उद्घाटन

खतौली (मुजफ़्फरनगर)। सामाजिक सेवा की श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए रोटरी क्लब खतौली के तत्वावधान में रविवार को एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इंदिरा मूर्ति के समीप स्थित रोटरी भवन में आयोजित इस शिविर में यूनिवर्सल चैरिटेबल ब्लड सेंटर की टीम ने तकनीकी सहयोग प्रदान किया। सुबह से ही रक्तदान करने के लिए स्थानीय युवाओं और समाजसेवियों में भारी उत्साह देखने को मिला, जिसके परिणामस्वरूप कुल 24 यूनिट रक्त एकत्र किया गया।

मुख्य अतिथियों की मौजूदगी में हुआ शुभारंभ

शिविर का औपचारिक उद्घाटन रोटरी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर पायल गौड़ ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर (पीडीजी) रो. डीके शर्मा भी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। डिस्ट्रिक्ट गवर्नर पायल गौड़ ने कहा कि "रक्तदान महादान है।" उन्होंने रक्तदान से जुड़े वैज्ञानिक तथ्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रक्तदान करने से दाता के शरीर में किसी प्रकार की कमजोरी नहीं आती, बल्कि नए रक्त कोशिकाओं का निर्माण तेजी से होता है जो स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद है।

महिला सशक्तिकरण की दिखी अनोखी मिसाल

इस शिविर की सबसे खास बात महिलाओं की बढ़ती भागीदारी रही। रोटरी क्लब की दो नई सदस्याओं– रो. नीतू अग्रवाल और रितु मटरोजा ने स्वयं रक्तदान कर समाज को एक प्रेरक संदेश दिया। उनके इस कदम की सराहना करते हुए वक्ताओं ने कहा कि महिलाओं का इस तरह आगे आना समाज की सोच में आ रहे सकारात्मक बदलाव को दशार्ता है। इससे क्षेत्र की अन्य महिलाओं को भी निसंकोच होकर रक्तदान करने की प्रेरणा मिलेगी।

आयोजकों ने व्यक्त किया आभार

शिविर को सफल बनाने में रोटरी परिवार के पदाधिकारियों की सक्रिय भूमिका रही। कार्यक्रम के अंत में शिविर चेयरमैन शुभम जैन तथा संयोजक विभु शर्मा ने संयुक्त रूप से सभी रक्तदाताओं, चिकित्सा टीम एवं अतिथियों का स्मृति चिन्ह व आभार पत्र देकर धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने आश्वस्त किया कि रोटरी क्लब खतौली भविष्य में भी जनहित और स्वास्थ्य से जुड़े ऐसे मानव सेवा के कार्य निरंतर आयोजित करता रहेगा।

मुजफ़्फरनगर में महाराज अजमीढ़ देव जयंती पर सरकारी अवकाश की मांग: स्वर्णकार समाज ने डीएम को सौंपा ज्ञापन

केंद्र व यूपी सरकार और केंद्र सरकार से शरद पूर्णिमा पर शासकीय छुट्टी घोषित करने का आग्रह

मुजफ्फरनगर। ऑल इंडिया स्वर्णकार समाज एवं ज्वेलर्स एसोसिएशन की मुजफ्फरनगर जनपद शाखा द्वारा स्वर्णकार समाज के कुलपुरुष एवं सर्वमान्य आराध्य देव, महाराजा अजमीढ़ देव जी की पावन जयंती (शरद पूर्णिमा) के अवसर पर उत्तर प्रदेश में शासकीय एवं सार्वजनिक अवकाश घोषित किए जाने की मांग को लेकर मोर्चा खोला गया है। संगठन के पदाधिकारियों ने इस संबंध में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री तथा भारत सरकार के प्रधानमंत्री के नाम एक प्रशासनिक ज्ञापन जिलाधिकारी मुजफ्फरनगर को सौंपा।

धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था का प्रतीक

संगठन के पदाधिकारियों ने प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन सौंपते हुए अवगत कराया कि महाराजा अजमीढ़ देव जी स्वर्णकार समाज के शीर्ष पुरुष और सर्वमान्य पूज्य आराध्य हैं। प्रतिवर्ष शरद पूर्णिमा के शुभ अवसर पर पूरे देश में उनका जयंती महोत्सव अत्यंत श्रद्धा, हर्षोल्लास और भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ आयोजित किया जाता है। इस पावन अवसर पर समाज के लाखों लोग विशेष पूजा-अर्चना, धार्मिक अनुष्ठानों एवं भव्य शोभायात्राओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

शासकीय अवकाश घोषित करने का आग्रह

एसोसिएशन के जिला प्रतिनिधियों ने कहा कि स्वर्णकार समाज की दीर्घकालिक धार्मिक और सांस्कृतिक भावनाओं का आदर करते हुए इस पवित्र तिथि 'शरद पूर्णिमा' को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा राजकीय अवकाश के रूप में अधिसूचित किया जाना चाहिए। इससे समाज के लोग अपने आराध्य की जयंती को और अधिक भव्यता तथा पूर्ण सहभागिता के साथ मना सकेंगे।

ज्ञापन सौंपने वालों में ये रहे मौजूद

इस अवसर पर संगठन के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं समाज के गणमान्य लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। इनमें नरेश कुमार वर्मा, सुभाष चंद्र वर्मा, उमेश चंद्र वर्मा, मदनपाल वर्मा, कंवरपाल वर्मा, राधेश्याम वर्मा, मांगेराम वर्मा, संजय वर्मा, संजीव वर्मा और रमेश चंद वर्मा समेत स्वर्णकार समाज व ज्वेलर्स एसोसिएशन के कई गणमान्य सदस्य शामिल रहे। सभी ने एक स्वर में सरकार से इस न्यायसंगत मांग को शीघ्र पूरा करने की अपील की।

एक ही ट्रक, दो कांटे और वजन में 285 किलो का अंतर, ट्रक ड्राइवर ने उठाए सवाल, गगन धर्मकांटे की जाँच की मांग

मुजफ्फरनगर। रामगढ़ से मुजफ्फरनगर स्थित बालाजी इंगट फैक्ट्री में माल लेकर पहुंचे एक ट्रक चालक ने फैक्ट्री प्रबंधन और एक धर्म कांटे के वजन को लेकर गंभीर सवाल उठाते हुए न्याय की मांग की है। पीड़ित ट्रक चालक मुस्तकीम का आरोप है कि फैक्ट्री में माल पहुंचने के बाद वाहन को गगन धर्म कांटे पर वजन कराने के लिए कहा गया। जब ट्रक का वजन कराया गया तो कांटे पर करीब दो कुंतल 85 किलो वजन कम बताया गया। चालक के अनुसार उसे वजन को लेकर संदेह हुआ, जिसके बाद उसने दूसरे धर्म कांटे दीपक पर ट्रक का वजन कराया। वहां ट्रक में भरे माल का पूरा वजन बताया गया। मुस्तकीम ने बताया कि जब उसने दूसरे धर्म कांटे पर आए पूरे वजन की जानकारी फैक्ट्री वालों को दी तो उन्होंने दीपक धर्म कांटे के वजन को मानने से इनकार कर दिया। फैक्ट्री प्रबंधन की ओर से कथित तौर पर कहा गया कि वह केवल गगन धर्म कांटे के वजन को ही मानेंगे और उसी के आधार पर माल का भुगतान किया जाएगा।

ट्रक चालक का कहना है कि उसने फैक्ट्री प्रबंधन के सामने मामले का दूसरा समाधान भी रखा था। उसके अनुसार ट्रक में कुल 365 एंगट पीस माल लाया गया था। उसने फैक्ट्री वालों से कहा कि वे अपने स्तर से सभी पीसों की गिनती कर माल उतरवा लें। यदि उनकी गिनती में पीस कम निकलते हैं तो निर्धारित नियम के अनुसार वजन या माल की कमी की कटौती कर ली जाए, लेकिन यदि सभी पीस पूरे निकलते हैं तो उसका पूरा भाड़ा दिया जाए। चालक के मुताबिक इसके बावजूद उसकी बात को स्वीकार नहीं किया गया।

मुस्तकीम ने आरोप लगाया कि इस तरह की कटौती से ट्रक चालकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। उसने बताया कि इस माल को रामगढ़ से मुजफ्फरनगर की बालाजी फैक्ट्री में लेकर आया है और उसका करीब आठ हजार रुपये भाड़ा बनता है। उसका आरोप है कि धर्म कांटे के वजन के आधार पर उसके भाड़े में कटौती कर दी जाती है।

पीड़ित चालक ने कहा कि मौजूदा समय में महंगाई लगातार बढ़ रही है और ट्रक चालकों के लिए परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो रहा है। ऐसे में यदि माल ढुलाई के बाद मिलने वाले भाड़े में भी इस तरह कटौती की जाएगी तो उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो जाएगा। उसने मामले में निष्पक्ष जांच कराकर न्याय दिलाने की मांग की है।

ट्रक चालक ने प्रशासन से गगन धर्म कांटे की जांच कराने और वजन में अंतर की वास्तविकता सामने लाने की मांग की है। उसका कहना है कि जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा कि वजन में अंतर किस कारण से आया और इसमें किसी स्तर पर लापरवाही या अनियमितता हुई है या नहीं।

शुकतीर्थ में मंडलायुक्त ने किया विकास कार्यों का निरीक्षण: गुणवत्ता व सुरक्षा पर सख्त, गंगा किनारे बस पार्किंग हटाने के निर्देश

21.24 करोड़ की लागत से बन रहे टूरिस्ट फैसिलिटी सेंटर का लिया जायजा

मोरना। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा 'शुकतीर्थ विकास परिषद' के गठन के उपरांत पौराणिक तीर्थ नगरी शुकतीर्थ का कायाकल्प तेजी से जारी है। मंगलवार को सहारनपुर मंडल के मंडलायुक्त डॉ. रुपेश कुमार ने प्रशासनिक अमले के साथ तीर्थ नगरी का दौरा कर पर्यटन विभाग द्वारा संचालित विकास कार्यों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने गंगा किनारे निर्माणाधीन टूरिस्ट फैसिलिटी सेंटर (टीएफसी) का सूक्ष्मता से निरीक्षण किया और निर्माण कार्य में गुणवत्ता व सुरक्षा मानकों का विशेष ध्यान रखने के कड़े निर्देश दिए।

उत्कृष्ट गुणवत्ता की लिफ्ट और खिड़कियां लगाने का आदेश

निरीक्षण के दौरान प्रोजेक्ट मैनेजर रविंद्र कुमार ने मंडलायुक्त एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को टूरिस्ट फैसिलिटी सेंटर के निर्माण, प्रगति और वहां प्रस्तावित सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। मंडलायुक्त डॉ. रुपेश कुमार ने स्पष्ट किया कि सभी निर्माण कार्य निर्धारित सरकारी मानकों के अनुरूप ही होने चाहिए। उन्होंने सुरक्षा के दृष्टिगत टीएफसी में प्रतिष्ठित कंपनी की लिफ्ट और गुणवत्तापूर्ण विंडो लगाने के आदेश दिए, ताकि यहां आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

तीर्थनगरी की सुंदरता से समझौता नहीं

निरीक्षण के दौरान टीएफसी के ठीक पीछे गंगा किनारे बनाई जा रही कवर्ड बस पार्किंग को देखकर जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने कड़ी आपत्ति और नाराजगी व्यक्त की। जिलाधिकारी ने कहा कि गंगा घाट के बिल्कुल समीप इस प्रकार का पक्का निर्माण होने से पौराणिक तीर्थनगरी का प्राकृतिक सौंदर्य और आकर्षण प्रभावित होगा। उन्होंने मौके पर मौजूद संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस कवर्ड बस पार्किंग को वहां से तत्काल किसी अन्य उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित किया जाए।

21.24 करोड़ रुपये के बजट से संवर रही तीर्थनगरी

पर्यटन विभाग के सहायक अभियंता रामवीर सिंह ने बताया कि टूरिस्ट फैसिलिटी सेंटर के निर्माण हेतु कुल 21 करोड़ 24 लाख रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है। मंडलायुक्त ने अन्य चल रही विकास परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से कहा कि विकास कार्यों का मूल उद्देश्य गंगा घाटों की सुंदरता बढ़ाना और दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

ये अधिकारी रहे मौजूद

निरीक्षण के दौरान मुजफ्फरनगर के जिलाधिकारी उमेश मिश्रा, एमडीए उपाध्यक्ष व सीडीओ कमल किशोर कण्डारकर, एसडीएम जानसठ रश्मि लांबा, तहसीलदार जानसठ मोनिका चौहान, बीडीओ प्रमोद वर्मा सहित पर्यटन व अन्य संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

अंगूठे की छाप जैसा दिखता है यह आईलैंड बैल्लजेनिक

हमारी धरती पर स्थित अनूठी कृतियों में से एक है एड्रियाटिक समुद्र पर बना बैल्लजेनिक नाम का आईलैंड। यह दिखने में किसी अंगूठे या उंगली की छाप जैसा दिखाई देता है। यह आइलैंड सिबेनिक आर्किपेलागो के 249 आइलैंड्स में से एक है। इस द्वीप का इस्तेमाल पास के लिए कैप्रिजे आइलैंड के किसान खेती-किसानी के लिए करते थे। इस जगह पर बनी हुई पत्थरों की दीवारें ऊपर से देखने में ऐसी लगती हैं, जैसे फिंगरप्रिंट्स हों। क्रोएशिया में बना दिल के आकार का आइलैंड दिखने में उंगलियों की छाप जैसा है। बैल्लजेनिक आइलैंड पत्थर की दीवारों की नेटवर्किंग से बना हुआ है, जो गूगल अर्थ की पिक्चर्स में साफतौर पर अंगूठे की छाप जैसा नजर आ रहा है।

यूनेस्को की धरोहर में शामिल

यहां फलों के पेड़ तो नहीं हैं, लेकिन पत्थरों की दीवारें यूं ही खड़ी हैं। इन्हें 2018 से संरक्षित किया गया है। यूनेस्को की लिस्ट में भी इस टापू का नाम शुमार है। यहां टूरिस्ट बोर्ड पर लिखा गया है कि ये जगह कठिन परिश्रम और सभ्यता का नमूना है।

क्या है इसका आकार और खासियत

- यह बैल्जेनिक द्वीप 0.14 वर्ग किलोमीटर के इलाके में बसा हुआ है। पत्थर की दीवारों को अगर एक साथ मिलाया जाए, तो ये 23 किलोमीटर तक बनी हुई हैं।
- क्रोएशियन नेशनल टूरिस्ट बोर्ड के मुताबिक ये आइलैंड एंड्रियाटिक सी यानी समुद्र पर मिला था और इसे खेती-किसानी के लिए इस्तेमाल किया जाता रहा है। यहां रहने वाले लोग पूरी तरह से वेजिटेरियन होते थे।

आखिर क्यों दिखता है यह हमारी उंगलियों या अंगूठे की छाप जैसा?

- यहां ज्यादातर साइट्रस ट्रीज यानी पेड़ लगे हुए हैं। पूरे द्वीप पर पत्थर की दीवारों का पूरा जाल खड़ा कर दिया गया है। इसकी वजह यहां उगाई जाने वाली फसलों को हवाओं से बचाना है। पूरे खेत को अलग-अलग प्लॉट्स में बांटकर दीवारें बनाई गई हैं।
- बताया जाता है कि इन दीवारों को सन् 1800 में तैयार किया गया था। इन दीवारों को ड्राई स्टोन वॉलिंग टेक्निक से तैयार किया गया है, जिन्हें बेहद ध्यान से एक दूसरे से लॉक किया गया है।

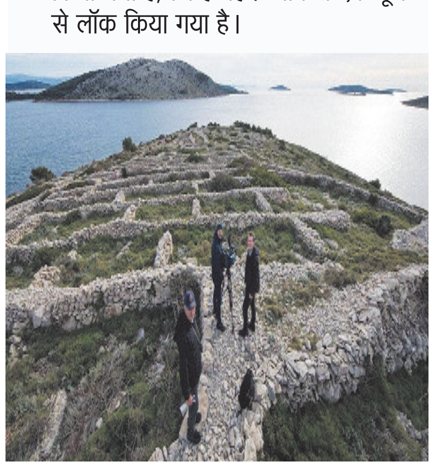

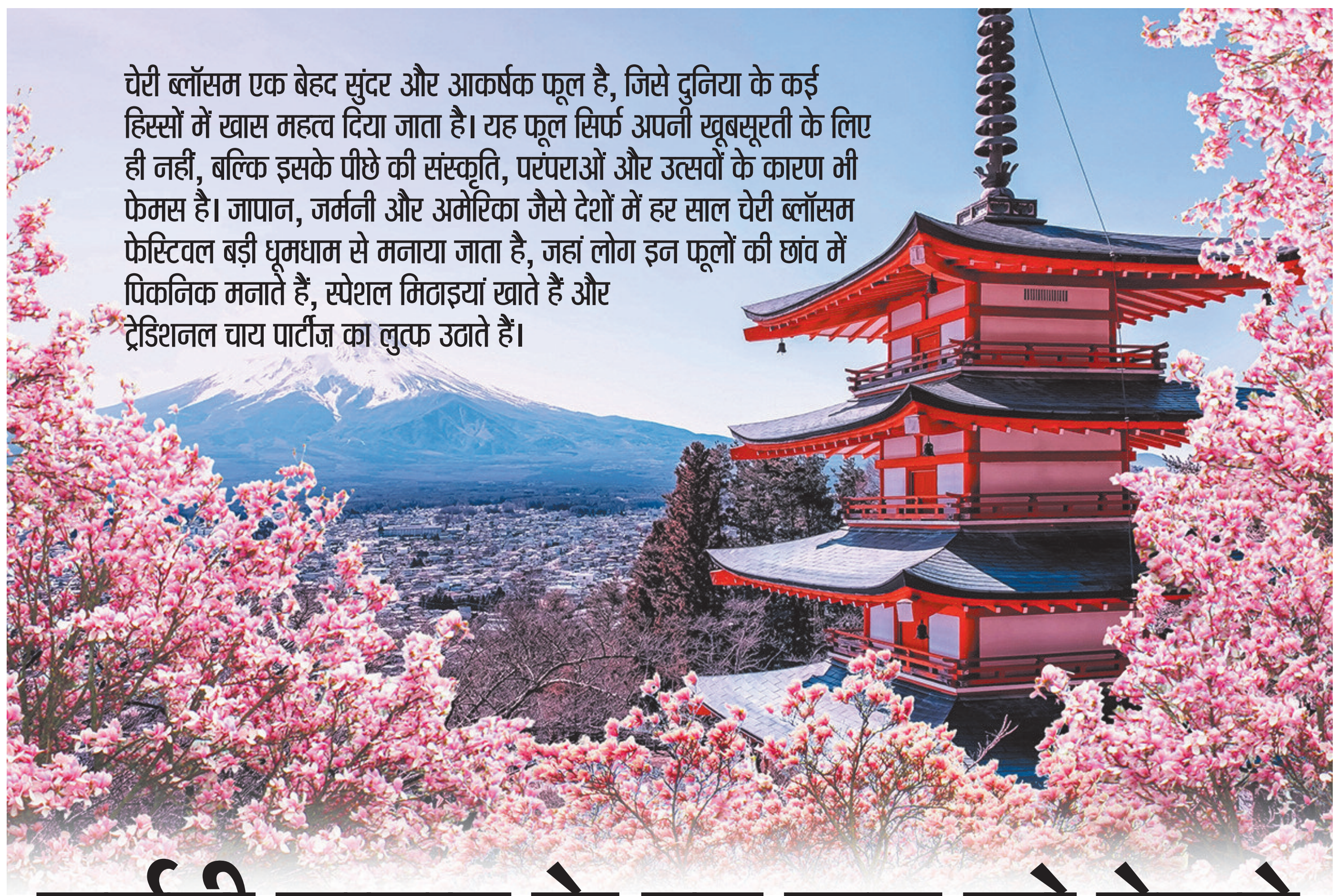

चेरी ब्लॉसम एक बेहद सुंदर और आकर्षक फूल है, जिसे दुनिया के कई हिस्सों में खास महत्व दिया जाता है। यह फूल सिर्फ अपनी खूबसूरती के लिए ही नहीं, बल्कि इसके पीछे की संस्कृति, परंपराओं और उत्सवों के कारण भी फेमस है। जापान, जर्मनी और अमेरिका जैसे देशों में हर साल चेरी ब्लॉसम फेस्टिवल बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है, जहां लोग इन फूलों की छांव में पिकनिक मनाते हैं, स्पेशल मिठाइयां खाते हैं और ट्रेडिशनल चाय पार्टीज़ का लुत्फ उठाते हैं।

जर्मनी जापान के इस फूल को देखने के लिए होती है खास पार्टी

चेरी ब्लॉसम एक प्रकार का फूल है जो चेरी पेड़ पर खिलता है। इसे Sakura के नाम से भी जाना जाता है, खासकर जापान में। यह फूल आमतौर पर सफेद और गुलाबी रंगों में पाया जाता है और वसंत ऋतु में खिलता है। इसकी खूबसूरती इतनी अधिक होती है कि लाखों लोग हर साल सिर्फ इन्हें देखने के लिए घूमने निकलते हैं। जापान ने अमेरिका को 1912 में चेरी ब्लॉसम के पेड़ गिफ्ट किए थे - अब वॉशिंगटन डी.सी. इसका सबसे बड़ा सेलिब्रेशन स्पॉट है।

चेरी ब्लॉसम की विशेषताएं और रोचक तथ्य

- यह फूल बहुत ही नाजुक होता है और कुछ ही दिनों के लिए खिलता है।
- चेरी ब्लॉसम का खिलना एक प्राकृतिक अलार्म की तरह होता है, जिससे वसंत ऋतु की शुरुआत मानी जाती है।
- इसका जीवनकाल बेहद छोटा होता है - केवल 7 से 10 दिन। इनके फूलों की पंखुड़ियां गिरते समय ऐसा दृश्य बनाती हैं जैसे गुलाबी बारिश हो रही हो।
- यह फूल प्रेम, शांति और नयापन का प्रतीक माना जाता है।
- चेरी ब्लॉसम की खुशबू बेहद हल्की लेकिन refreshing होती है।
- यह फूल दिखने में भले ही छोटा हो, लेकिन सांस्कृतिक महत्व में बड़ा होता है। कई देशों में चेरी ब्लॉसम को नेशनल फ्लावर जैसा दर्जा प्राप्त है।
- यह कई देशों में मोनोक्रोमिक फोटोग्राफी और पेंटिंग्स का हिस्सा भी बनता है।
- चेरी ब्लॉसम का उपयोग फूड आइटम्स में भी किया जाता है जैसे - मिठाइयां, आइसक्रीम, और ग्रीन टी।
- यह फूल तनाव कम करने में सहायक माना जाता है।
- यह पेड़ पर्यावरण के लिए भी लाभकारी होते हैं क्योंकि ये अच्छी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं।

चेरी ब्लॉसम फेस्टिवल क्या है

चेरी ब्लॉसम फेस्टिवल एक सांस्कृतिक उत्सव है जो मुख्य रूप से जापान में मनाया जाता है, लेकिन अब यह अमेरिका, कोरिया, जर्मनी, और भारत में भी सेलिब्रेट किया जाने लगा है। जापान में इसे Hanami Festival कहा जाता है, जिसका अर्थ है - 'फूलों को देखना'। इस दौरान लोग पार्कों में इकट्ठा होते हैं, पिकनिक मनाते हैं, पारंपरिक कपड़े पहनते हैं और चेरी ब्लॉसम की खूबसूरती का जश्न मनाते हैं।

चेरी ब्लॉसम का उपयोग

- मिठाइयों में फ्लेवर देने के लिए
- ग्रीन टी और हर्बल चाय में
- स्किन केयर प्रोडक्ट्स में
- अरोमा थेरेपी और परफ्यूम में
- होम डेकोर और शादी की सजावट में

भारत में कहां पाया जाता है

भारत में चेरी ब्लॉसम के फूल खासतौर पर नॉर्थ ईस्ट इंडिया, यानी मेघालय, मणिपुर, सिक्किम और कुछ हिस्सों में हिमाचल प्रदेश और कश्मीर में देखने को मिलते हैं। शिलॉन्ग)में हर साल India International Cherry Blossom Festival भी मनाया जाता है, जिसमें देश-विदेश से टूरिस्ट आते हैं।

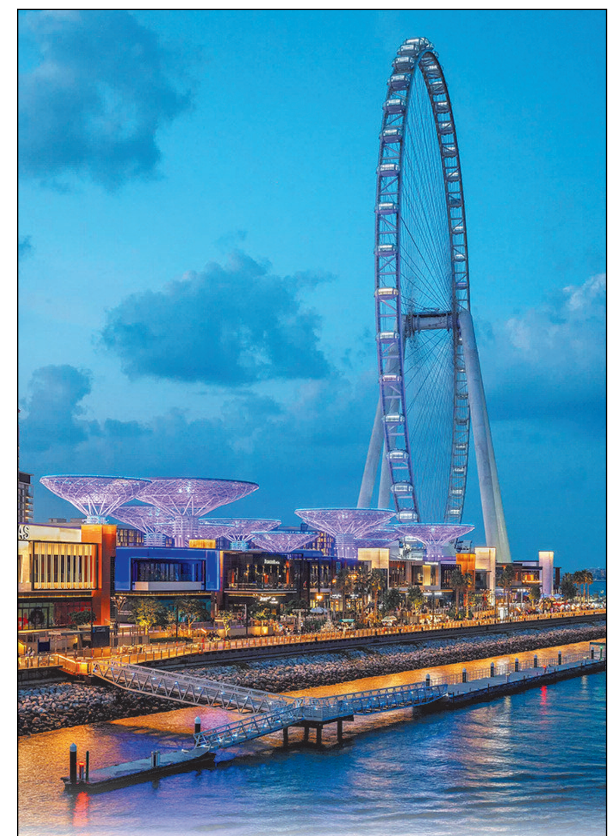

फेमस फेरिस व्हील 'लंदन आई' से भी दोगुना ऊंचा आइन दुबई

दुनिया में सबसे पहला फेरिस व्हील 1893 में बने शिकागो व्हील को माना जाता है। इसके बाद से लेकर अब तक दुनिया के कई देशों में अलग-अलग फेरिस व्हील बने जिनमें से सबसे फेमस हुआ लंदन आई जो 2000 में बना और 135 मीटर ऊंचा था। पर अब लंदन आई से करीब दोगुना ऊंचा (250 मीटर) 'आइन दुबई' दुनिया का सबसे ऊंचा फेरिस व्हील बन चुका है।

छह साल में बना, दो साल अटका रहा

फरवरी 2013 में संयुक्त अरब अमीरात में ब्लू वॉटर्स द्वीप पर आइन दुबई के निर्माण की घोषणा की गई थी। हुंडई इंजीनियरिंग एंड कंस्ट्रक्शन और स्टारनेथ इंजीनियरिंग को इसके प्राथमिक डिजाइन और निर्माण ठेकेदारों के रूप में नियुक्त किया गया था। मई 2015 में इसका निर्माण शुरू हुआ और 2019 की शुरुआत में इसके पूरा होने की उम्मीद थी पर फिर फैसला हुआ कि इसे एक्सपो 2020 के साथ लॉन्च किया जाएगा। बाद में कोविड 19 महामारी के चलते इसका उद्घाटन फिर टल गया। आखिरकार इसे अक्टूबर, 2021 में शुरू किया गया।

एक चक्कर पूरा करने में लगते हैं 38 मिनट

- यहां से दुबई मरीना, बुर्ज अल अरब, पाम जुमेराह और बुर्ज खलीफा देखा जा सकता है। इसमें 48 कैप्सूल (कैबिन) मौजूद हैं जिनमें 1,750 यात्रियों को 250 मीटर की ऊंचाई तक ले जाने की क्षमता है।
- इसके बेस में एक एंटरटेनमेंट जोन बना हुआ है। यहां प्रसारण और विज्ञापन के लिए इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म बनाते हुए 80 मीटर की एलईडी स्क्रीन लगाई गई है।
- इस ऑब्जर्वेशन व्हील में आप डिनर और कॉर्पोरेट इवेंट के साथ-साथ बर्थडे पार्टीज भी सेलिब्रेट कर सकते हैं। इस फेरिस व्हील का एक चक्कर लगभग 38 मिनट तक चलता है।

पहले इसका नाम दिया गया था 'दुबई आई'

पहले इस व्हील को 'लंदन आई' की तर्ज पर 'दुबई आई' नाम दिया गया था, लेकिन बाद में निर्माण पूरा होने के बाद इसका नाम आइन दुबई रखा गया। अरबी भाषा में आइन का मतलब भी आंख ही होता है। बता दें कि जिस तरह आइन दुबई के तैयार होने के भी दर्शकों को इसके इनॉर्गेशन के लिए इंतजार करना पड़ा, उसी तरह लंदन आई भी 1999 में बनकर तैयार हुआ था लेकिन इसको विजिट करने के लिए दर्शकों को एक साल इंतजार करना पड़ा था।

हरियल पंछी : एक अनोखा पक्षी जो अपने पैर कभी धरती पर नहीं रखता

हरियल के बारे में कहा जाता है कि ये दुनिया का एकमात्र ऐसा पक्षी है जो कभी भी अपना पैर जमीन पर नहीं रखता है। हारिल जब भी जमीन पर आता है तो अपने पैरों में एक लकड़ी रखता है और जब जमीन पर आता है तो उस लकड़ी पर बैठ जाता है। इस लकड़ी को वह अपने से कभी अलग नहीं करता खासकर जब वह जमीन पर आता है।

भारत के महाराष्ट्र राज्य का राजकीय पक्षी हरियल अपना पैर कभी धरती पर नहीं रखता है। इसे ऊंचे पेड़ वाले जंगल पसंद हैं। यह अक्सर अपना घोंसला पीपल और बरगद के पेड़ पर बनाते हैं। हरियल को हरियाल और हारिल पक्षी भी कहा जाता है। हरियल या हारिल को भारतीय राज्य महाराष्ट्र का राज्य पक्षी माना गया है। मजेदार तथ्य यह भी मिलता है कि हरियल पंछी शिकारी की आहट सुनकर मरने का अच्छा नाटक कर लेता है।

हरियल पक्षी जमीन पर क्यों नहीं बैठता है

हरियाल पक्षी के बारे में मान्यता है कि यह अपने पूरे जीवन में कभी भी जमीन पर पैर नहीं रखता है, क्योंकि ये पक्षी वृक्षवासी होते हैं और अक्सर पेड़ों पर ही रहना पसंद करते हैं। हरियल पक्षी का कैमोफ़्लोज़ बड़ा अच्छा होता है, इनका रंग पत्तियों में घुल-मिल सा जाता है। दूसरा हरियल एक शर्मिला पक्षी माना जाता है इसलिए ये पक्षी इंसानों की नजरों में इतनी आसानी से नहीं आता। हरियल बर्ड के जमीन पर ना उतरने के 2 कारण हैं। हरियल पक्षी ताजा फूल, फल एवं कलियां खाते हैं। इस वजह से इन्हें पानी की आवश्यकता कम होती है और जब इन्हें पानी की आवश्यकता पड़ती है, तो यह पत्तों पर जमी हुई ओंस की बूंदों से भी अपनी प्यास बुझा सकते हैं। इस पक्षी का स्वभाव संकोची होता है, यह इंसान एवं अन्य परजीवों के सामने ठहराना ज्यादा पसंद नहीं करते।

कैसा होता है हरियल, हारिल

पीले पैर और कबूतर की तरह दिखने वाले हरियल का आकार 29 से 33 सेमी के बीच होता है। इसका वजन मात्र 225 ग्राम से 260 ग्राम के बीच होता है, यह एक सामाजिक प्राणी है और झुंडों में ही पाए जाते हैं, इनके पंखों का फैलाव 17 से 19 सेंटीमीटर लंबा होता है, इनके शरीर का रंग हल्का पीला हरा होता है जो ऑलिव के फल से मिलता-जुलता होता है।

हारिल पक्षी क्या खाता है

हरियल शाकाहारी होता है। इसे फल ही पसंद हैं। पीपल के अलावा यह बड़, गूलर, पीपल, अंजीर के पेड़ों के पत्ते ही खाता है। हरियल पक्षी के भोजन में अधिकतर ताजी व कुदरती चीजें अधिक होती हैं। यह पक्षी दाना बहुत ही कम खाते हैं। यह पक्षी अधिकतर फूलों की कलियां, छोटे पौधों के अंकुर, एवं बीज खाना पसंद करते हैं। इनका प्रिय भोजन फल ही होता है। जिसमें जंगली फल, बगीचे में उगनेवाले फल, ऑलिव, बादाम, चेरी, जामुन, अंजीर व इत्यादी होते हैं। हरियल पक्षी प्यास बुझाने के लिए पेड़ों की पत्तियों एवं फूलों पर एकत्र हुई ओंस या बारिश के पानी की बूंदों का उपयोग करते हैं। यह पक्षी अपना घोंसला घने पेड़ों एवं झाड़ियों के बीच बनाते हैं, जिसे तैयार करने के लिए वह पत्तियां, टहनियां, घास और लकड़ी के टुकडे इस्तेमाल करते हैं। इनकी आवाज किसी सुमधुर कर्णप्रिय सिटी जैसी होती है। हरियल पक्षी का जीवनकाल 26 साल तक हो सकता है।

सेक्टर 105 व 108 में अवैध अतिक्रमण से सेक्टरवासी परेशान

नोएडा। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने बताया कि सेक्टरों के मुख्य प्रवेश द्वारों के बाहर अवैध ठेलों, रेहड़ी-पटरी व दुकानों के सजने से सुबह से देर रात तक कमर्शियल वाहनों, ऑटो एवं ई-रिक्शों का भारी जमावड़ा लगा रहता है, जिससे भारी अज्ञात व असामाजिक तत्वों की आवाजाही बनी रहती है। यह स्थिति निवासियों और विशेषकर महिलाओं व बच्चों के सुरक्षित जीवन के लिए एक बड़ा खतरा उत्पन्न कर रही है। उन्होंने अवगत कराया कि नजदीक के सेक्टर 108 के अध्यक्ष दिगंबर चौधरी भी इन सभी समान समस्याओं का सामना कर रहे हैं और वह फोनरवा ग्रुप में पिछले दो माह से लगातार अपनी शिकायतें दर्ज करा रहे हैं।

इसके साथ ही, सेक्टर के अंदर जहाँ भी भवन निर्माण का कार्य चल रहा है, वहाँ अधिकांश भवन निर्माणकर्ताओं द्वारा सड़कों व नालियों पर अवैध अतिक्रमण कर लिया गया है। बहुत से भवन निर्माण करने वालों ने तो आधी से ज्यादा सड़क पर रोड़ी, बजरी, सीमेंट और सरिया फैलाया हुआ है। निर्माण स्थलों के आसपास अवैध झुग्गी-झोपड़ियाँ बना दी गई हैं और नालियों को अवरुद्ध कर दिया गया है।

नालियाँ अवरुद्ध हो जाने के कारण पानी का भराव हो रहा है और सड़कें अवरुद्ध होने के कारण सेक्टरवासियों को आवागमन में भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में आरडब्ल्यूए को निवासियों द्वारा लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही हैं।

इसके अतिरिक्त, सेक्टर 105 स्थित नोएडा प्राधिकरण द्वारा निर्मित कमर्शियल मार्केट को लेकर भी निवासियों ने लगातार गंभीर शिकायतें मिल रही हैं। मार्केट की अधिकांश गैर-आवंटित दुकानों के शटर खुले रहते हैं, जिनमें सुबह से शाम तक अज्ञात लोगों की आवाजाही लगी रहती है। उन दुकानों में कौन आ रहा है और कौन जा रहा है, इसका कोई रिकॉर्ड नहीं है। इस विषय पर नोएडा प्राधिकरण एवं पुलिस प्रशासन से तुरंत शिकायत दर्ज कराने हेतु सेक्टरवासी आरडब्ल्यूए पर निरंतर दबाव बना रहे हैं, जिससे सुरक्षा की दृष्टि से बेहद चिंताजनक स्थिति उत्पन्न हो गई है। अतः प्राधिकरण अधिकारियों से जनहित में इन अनआवंटित दुकानों में तत्काल ताले लगवाने का विनम्र अनुरोध है।

सुरक्षा के सबसे संवेदनशील पहलू को रेखांकित करते हुए उन्होंने बताया कि दोनों सेक्टरों में स्थित दो-कमरों के जर्जर कंक्लीशन हाउसों एवं विभिन्न निर्माण स्थलों पर बड़ी संख्या में बाहरी श्रमिक और संदिग्ध लोग निवास कर रहे हैं। इनमें से किसी का भी रिकॉर्ड आरडब्ल्यूए के पास उपलब्ध नहीं है। भविष्य में किसी प्रकार की आपराधिक या अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो, सेक्टर बदनाम न हो और नोएडा शहर की छवि धूमिल न हो, इसके लिए इन सभी किरायेदारों, श्रमिकों व संदिग्ध व्यक्तियों का पुलिस सत्यापन कराया जाना जनहित में अत्यंत आवश्यक है।

साथ ही, सेक्टरों के बाहर स्थित मुख्य सर्विस रोडों की स्थिति भी अत्यंत चिंतनीय है, जहाँ नियमित सफाई न होने के कारण भारी गंदगी का साम्राज्य है। आरडब्ल्यूए ने नोएडा प्राधिकरण के स्वास्थ्य विभाग से इस ओर तुरंत संज्ञान लेकर सफाई व्यवस्था सुदृढ़ करने की अपील की है।

फोनरवा द्वारा पुलिस कमिश्नर मोहदया के साथ आयोजित बैठक का संदर्भ देते हुए अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने स्मरण कराया कि बैठक में डीसीपी एवं एसीपी महोदय को आरडब्ल्यूए के साथ निरंतर संपर्क में रहने के निर्देश दिए गए थे। परंतु अभी तक सेक्टर 105 के निवासियों के साथ पुलिस के उच्चाधिकारियों की एक भी बैठक आयोजित नहीं हो सकी है।

अंत में, आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय ने शासन-प्रशासन व पुलिस अधिकारियों से सादर आग्रह किया है कि प्रवेश द्वारों से अवैध अतिक्रमण हटवाया जाए, खुली दुकानों को बंद/सील कराया जाए, सड़कों पर जमा रोड़ी, बजरी, सीमेंट व सरिया हटवाया जाए, बाहरी सर्विस रोडों की सफाई कराई जाए तथा किरायेदारों व श्रमिकों का शत-प्रतिशत पुलिस सत्यापन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही, डीसीपी, एसीपी एवं पुलिस बल द्वारा महीने में कम से कम एक बार सेक्टर में पैदल गश्त व भ्रमण अनिवार्य किया जाए, ताकि आम नागरिकों में सुरक्षा का विश्वास सुदृढ़ हो और असामाजिक तत्वों में कानून का भय कायम रहे। आरडब्ल्यूए ने पूर्ण विश्वास व्यक्त किया है कि संबंधित विभाग जनहित में इन माँगों पर त्वरित एवं सकारात्मक कार्यवाही करेंगे।

गणपति बप्पा के दर्शन पाकर सुध-बुध खो बैठे हरीश वर्मा

नोएडा। भाजपा पूर्वांचल मोर्चा नोएडा महानगर के जिलाध्यक्ष हरीश वर्मा बीते शाम दिल्ली पीतमपुरा में लाल बाग का राजा ट्रस्ट द्वारा स्थापित गणपति बप्पा के दर्शन करने पहुंचे। गणपति बप्पा के दर्शन पाकर हरीश वर्मा अपनी सुद्ध बुद्ध को बैठे और वही भगवान के चरणों में बैठकर एक तक उन्हें निहारते रहे। जहां पर उनका कार्यक्रम के विशिष्ट संयोजक राजेश वर्मा एवं सीनियर वाइस चेयरमैन सत्यभूषण जैन द्वारा अंगवस्त्र पहना कर एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान कर स्वागत किया गया। दर्शन के लिए आमंत्रित एवं स्वागत करने पर हरीश वर्मा ने राजेश वर्मा एवं उनकी पूरी टीम को हृदय से धन्यवाद दिया। और भगवान से विश्व शांति की कामना की।

जीएल बजाज कॉलेज के बाहर छात्रों का जोरदार प्रदर्शन, मथुरा भेजने के दबाव का विरोध

नोएडा। थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र स्थित जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट के गेट पर मंगलवार को एमबीए के हजारों छात्रों ने जोरदार प्रदर्शन किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, छात्रों का यह गंभीर आरोप है कि उनका दाखिला ग्रेटर नोएडा कैंपस में पढ़ाई के नाम पर लिया गया था, लेकिन अब उन्हें मथुरा स्थित कैंपस में भेजने का लगातार दबाव बनाया जा रहा है। छात्रों ने इस पूरे मामले को उनके भविष्य से जुड़ा हुआ एक अत्यंत गंभीर मामला बताया है। इसके साथ ही उन्होंने कॉलेज प्रबंधन से स्पष्ट जवाब और उचित समाधान की मांग की है। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने कॉलेज प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी भी की। छात्रों का यह भी कहना था कि दाखिले के समय उन्हें केवल ग्रेटर नोएडा कैंपस के संबंध में ही पूरी जानकारी दी गई थी। अब अचानक मथुरा भेजे जाने की बात सामने आने से उनके सामने पढ़ाई, रहने और अपने भविष्य को लेकर कई बड़े सवाल खड़े हो गए हैं।

इस विरोध प्रदर्शन में समाजवादी छात्र सभा से जुड़े मोहित नागर भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने कॉलेज प्रबंधन पर छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का सीधा आरोप लगाया। उनका यह कहना था कि छात्रों ने ग्रेटर नोएडा कैंपस में दाखिला लिया था, लेकिन अब कॉलेज प्रशासन उन्हें मथुरा भेजने का दबाव बना रहा है। उन्होंने सीटों को लेकर कथित तौर पर बिचौलियों की भूमिका होने और छात्रों को इधर-उधर किए जाने का भी गंभीर आरोप लगाया। मोहित नागर ने साफ शब्दों में कहा कि यदि छात्रों की इस समस्या का जल्द समाधान नहीं हुआ, तो 26 सितंबर के बाद समाजवादी छात्र सभा की ओर से एक बड़े आंदोलन की घोषणा की जाएगी। उन्होंने कॉलेज के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। छात्रों के इन सभी गंभीर आरोपों और कॉलेज प्रबंधन की ओर से दिए गए आश्वासन के बाद अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि तीन दिन के भीतर इस पूरे विवाद का क्या समाधान निकलकर सामने आता है।

पुलिस और प्रशासन का पक्ष: पुलिस के मुताबिक, थाना नॉलेज पार्क क्षेत्र के एक निजी कॉलेज में एमबीए के एडमिशन को लेकर छात्रों और कॉलेज प्रशासन के बीच आपसी विवाद चल रहा है। इस मामले को सुलझाने के लिए कॉलेज प्रशासन की ओर से छात्रों से लगातार बातचीत की जा रही है। प्रदर्शन के बाद कॉलेज प्रबंधन ने प्रदर्शनकारी छात्रों को तीन दिन के भीतर पूरे मामले का समाधान करने का आधिकारिक आश्वासन दिया है। एहतियात के तौर पर मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है और फिलहाल वहां स्थिति पूरी तरह से शांतिपूर्ण बनी हुई है।

पूरी हुई हिंडन विहार आर डब्लू ए चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया

नोएडा। हिंडन विहार रेजीडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन के आगामी चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया 20 सितम्बर को पूरी हो गई। विभिन्न पदों के लिए प्रत्याशियों ने अपना नामांकन दाखिल किया है।

नामांकन दाखिल करने वाले प्रत्याशियों में अध्यक्ष पद के लिए मनोज कुमार, उपाध्यक्ष पद के लिए मनोज राठौड़ एवं सचिन त्यागी, महासचिव पद के लिए भीम सिंह एवं अनिल चौहान, कोषाध्यक्ष पद के लिए वीरेंद्र चौधरी एवं चेतन शर्मा, सह-कोषाध्यक्ष पद के लिए संतोष कुमार झा तथा सचिव पद के लिए प्रवीण कुमार शामिल हैं।

निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 24 सितम्बर 2026 निर्धारित की गई है। इसके बाद 27 सितम्बर 2026 को हिंडन विहार आर डब्लू ए का चुनाव कराया जाएगा।

चुनाव को लेकर हिंडन विहार के निवासियों में उत्साह है। सभी प्रत्याशियों एवं निवासियों से अपील की गई है कि वे चुनाव प्रक्रिया में सहयोग करते हुए शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाए रखें और इस प्रक्रिया में बढ़-चढ़कर भाग लें।

गुर्जर स्वाभिमान रैली को लेकर माछरा में गुर्जर महासभा की विचार संगोष्ठी

मेरठ। किठौर क्षेत्र के माछरा स्थित वेदांत फार्म हाउस में अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के तत्वावधान में समाजहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर भव्य विचार संगोष्ठी का आयोजन ब्रजवीर प्रमुख द्वारा किया गया। संगोष्ठी में बड़ी संख्या में गुर्जर समाज के लोगों ने भाग लेकर सामाजिक एकता, शिक्षा, युवाओं की भूमिका और समाज के सर्वांगीण उत्थान पर अपने विचार रखे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री हरीशचंद भाटी उपस्थित रहे। उनके साथ कार्यकारी अध्यक्ष जिलेराम कपासिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सविंदर भाटी, के.पी. कसाना, जयप्रकाश विकल, रामकेश चपराना, जगबीर दौला, उत्तर प्रदेश अध्यक्ष दिनेश गुर्जर, सुनील भाटी, गौतम बुद्ध नगर जिलाध्यक्ष अशोक भाटी और गजराज भाटी सहित संगठन के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

संगोष्ठी में समाज को संगठित एवं सशक्त बनाने, शिक्षा को बढ़ावा देने, युवाओं को सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करने तथा सामाजिक कुरीतियों को समाप्त करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। वक्ताओं ने आपसी भाईचारे और एकजुटता के साथ समाज के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य करने पर जोर दिया।

कार्यक्रम के दौरान 27 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती के उपलक्ष्य में दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में प्रस्तावित गुर्जर स्वाभिमान रैली में समाज की ऐतिहासिक भागीदारी सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया। पदाधिकारियों ने कहा कि मेरठ सहित पश्चिमी उत्तर प्रदेश से हजारों की संख्या में समाज के लोग एकजुट होकर दिल्ली पहुंचेंगे।

इससे पूर्व ग्रामवासियों ने ट्रैक्टरों एवं ढोल-नगाड़ों के साथ भव्य रैली निकालकर महासभा के पदाधिकारियों का जोरदार स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता धावक धर्मपाल सिंह गूढ़ा ने की तथा संचालन रोबिन गुर्जर ने किया।

संगोष्ठी में समाज के लोगों ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने तथा समाजहित के कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए। कार्यक्रम में भोपाल प्रधान, जलकेश बाबू जी, विपिन प्रधान, हरेंद्र नागर, बलराम बैसला, वीरेंद्र सिंह, जगदीश गुर्जर, मनोज चपराना, प्रदीप पावटी, नवाब सिंह, अहलकार सिंह नागर, कैप्टन सुभाष गुर्जर, जितेंद्र प्रधान, डॉ. आदित्य लिसाड़ी, पवन सिंह, वेदपाल चपराना, मुनेंद्र भड़ाना, नितिन प्रमुख, अमरपाल गुर्जर, शिवकुमार चौधरी, धर्मेंद्र खटाना, विक्रम केली और अजित सिंह सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

ग्रेनो वेस्ट में गौड़ चौक पर सड़क चार लेन की होगी

नोएडा। ग्रेनो वेस्ट में गौड़ चौक के पास ट्रैफिक सुचारू रूप से चलता रहे, इसके लिए निर्माणाधीन अंडरपास के पास सड़क चार लेन की होगी। इससे पर्थला से तिगरी की तरफ और गौड़ सिटी से 130 मीटर चौड़ी सड़क पर पहुंचना और आसान हो जाएगा। यह काम दीवाली से पहला पूरा किया जाएगा। परियोजना विभाग के अधिकारी के मुताबिक नोएडा पर्थला से तिगरी यानी गाजियाबाद की तरफ जाने के दौरान गौड़ चौक पर निर्माणाधीन अंडरपास के समीप वाहनों की रफ्तार धीमी हो जाती है। सुबह और शाम व्यस्त वाहन रेंगते हैं। इसी तरह तिगरी और गौड़ सिटी की तरफ से 130 मीटर चौड़ी सड़क पर आने वाले वाहनों की रफ्तार भी अंडरपास के पास धीमी हो जाती है। बीते दिनों ग्रेटर नोएडा के सीईओ रवि कुमार एनजी ने गौड़ चौक इलाके का निरीक्षण किया था। चौक के आसपास ट्रैफिक सुचारू से चलता रहे, इसके लिए सीईओ ने अंडरपास के पास सड़क को चौड़ी करने के साथ आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। अधिकारी के मुताबिक इन दोनों स्थानों पर सड़क चौड़ी की जाएगी। मौजूदा तीन लेन की सड़क को बढ़ाकर चार लेन का किया जाएगा।

सड़क चौड़ीकरण का महत्व: वरिष्ठ प्रबंधक प्रभात शंकर ने बताया कि पर्थला से तिगरी की तरफ जाने वाली सड़क को चौड़ी करने का काम जल्द किया जाएगा। वहीं, गौड़ सिटी की तरफ नाले के ऊपर सड़क बनानी है, इसमें थोड़ा समय लग जाएगा। सड़क के चार लेन होने से वाहनों की आवाजाही सुगम हो जाएगी। गौड़ चौक के चारों तरफ के ट्रैफिक को सुचारू बनाया जाएगा। यहां पर वाहनों का दबाव सबसे ज्यादा रहता है।

सर्विस रोड की चौड़ाई: ग्रेटर नोएडा वेस्ट इलाके में ट्रैफिक जाम से राहत के लिए गौड़ चौक और तिगरी के बीच सर्विस रोड को चौड़ा किया जा रहा है। यह काम पूरा होने वाला है। अंडरपास के साथ ही यह सड़क भी चालू हो जाएगी। दोनों तरफ की सर्विस रोड 2-2 लेन की हो जाएगी। साथ ही योजना के तहत चार मूर्ति चौक और तिगरी के बीच 60 मीटर चौड़ी सड़क पर यूटर्न भी बनाया जा रहा है। यूटर्न के चालू होने पर गौड़ सिटी और उसके आसपास की 20 से अधिक सोसाइटियों में रहने वाले लोगों को सबसे ज्यादा फायदा होगा।

ग्रेटर नोएडा में ट्रैफिक के नए उपाय: ग्रेटर नोएडा वेस्ट इलाके में ट्रैफिक जाम से राहत के लिए, लगातार प्रयास हो रहे हैं। सड़कों को चौड़ा करने का काम प्राथमिकता के आधार पर कराया जा रहा है। गौड़ चौक पर निर्माणाधीन अंडरपास के पास सड़क चौड़ी की जाएगी। इस संबंध में परियोजना विभाग को दिशा-निर्देश दिए गए हैं। सर्विस रोड को चौड़ी करने को चौड़ी करने का काम भी चल रहा है। अंडरपास के चालू होने पर बड़ी राहत मिलेगी।

बॉक्सर जितेंद्र मान हत्याकांड में सजा: दो दोषियों को आजीवन कारावास, एक की सुनवाई अलग, 2018 में हुई थी हत्या

नोएडा। अंतराष्ट्रीय बॉक्सर और जिम ट्रेनर जितेंद्र मान की हत्या के मामले में जिला अदालत ने बुलंदशहर निवासी इमरान और नफीस को उम्रकैद की सजा सुनाई है। दोनों को हत्या की साजिश में शामिल होने और वारदात में सहयोग करने का दोषी पाया गया है।

सत्र न्यायाधीश अतुल श्रीवास्तव ने दोनों आरोपियों पर 20-20 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना नहीं देने पर एक-एक साल का अतिरिक्त कठोर कारावास भुगतना होगा। अदालत ने कहा कि मामला मृत्युदंड के लिए निर्धारित दुर्लभतम से दुर्लभ श्रेणी में नहीं आता, इसलिए उम्रकैद उचित सजा है। जुर्माने की राशि वसूल होने पर मृतक के कानूनी वारिसों को मुआवजे के रूप में देने का निर्देश दिया गया है। डीजीसी अपराध ब्रह्मजीत भाटी ने बताया कि 12 जनवरी 2018 को शिकायतकर्ता देवेंद्र मान को अपने भाई जितेंद्र मान के एवीजे हाइट्स सोसाइटी स्थित फ्लैट नंबर एच-606 में मृत पड़े होने की जानकारी मिली थी। परिजन मौके पर पहुंचे तो जितेंद्र का शव कमरे में गद्दे पर कंबल से ढका हुआ मिला। उनके सिर से खून निकल रहा था। इसके बाद सूरजपुर थाने में अज्ञात के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया गया।

पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए और जांच आगे बढ़ाई। जांच के दौरान सोसाइटी के सीसीटीवी फुटेज में एक महिला को घटना वाले दिन फ्लैट में प्रवेश करते और शाम को बाहर निकलते देखा गया। पुलिस ने उसकी पहचान सृष्टि गुप्ता के रूप में की। अभियोजन के अनुसार, सृष्टि और इमरान के बीच संबंध थे। जितेंद्र और सृष्टि के संबंधों को लेकर इमरान नाराज था। इसी के चलते जितेंद्र की हत्या की साजिश रची गई।

अदालत ने घटनाक्रम, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों और अन्य परिस्थितियों के आधार पर माना कि हत्या अचानक या दुर्घटनावश नहीं हुई, बल्कि उसके पीछे योजना और तैयारी थी। अभियोजन के अनुसार, हत्या के बाद मोबाइल की लोकेशन बदलने के लिए नफीस फोन को लोनी, गाजियाबाद ले गया था। इसके अलावा इमरान के निर्देश पर सृष्टि को सुरक्षित निकलने में मदद करने की बात भी सामने आई। दोनों ने खुद गोली नहीं चलाई थी, लेकिन अदालत ने माना कि इससे उनकी आपराधिक जिम्मेदारी समाप्त नहीं होती। मामले में अभियोजन ने कुल 18 गवाह पेश किए थे।

सृष्टि गुप्ता की सुनवाई अलग: मामले में आरोपी सृष्टि गुप्ता की कार्यवाही अलग कर दी गई है। सृष्टि ने धारा-311 दंड प्रक्रिया संहिता के तहत आवेदन दिया था, जिसे अदालत ने खारिज कर दिया। इसके बाद इलाहाबाद हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की गई। हाई कोर्ट ने 15 अक्टूबर 2025 को उसके संबंध में आगे की कार्यवाही पर रोक लगा दी थी। इसी स्थिति को ध्यान में रखते हुए सत्र न्यायालय ने इमरान और नफीस के खिलाफ कार्यवाही जारी रखी। जितेंद्र मान जूनियर टीम के नेशनल चैंपियन रह चुके थे। बदमाशों ने उन्हें चार गोलियां मारी थीं। वारदात के बाद फ्लैट का दरवाजा बंद कर उनका मोबाइल भी साथ ले गए थे।

नोएडा प्राधिकरण की बड़ी कार्रवाई: समीक्षा बैठक में लापरवाह अधिकारियों पर गिरी गाज, डोर-टू-डोर वेस्ट कलेक्शन एजेंसी पर 25 लाख का जुर्माना

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी की अध्यक्षता में मंगलवार को एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में प्राधिकरण क्षेत्र के अंतर्गत सफाई व्यवस्था, अतिक्रमण उन्मूलन, आई.जी.आर.एस. शिकायतों के निस्तारण और निर्माण व रखरखाव कार्यों की गहन समीक्षा की गई। बैठक में दोनों अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी वंदना त्रिपाठी एवं पुष्पराज सिंह सहित सभी विशेष कार्याधिकारी और सिविल व विद्युत/यांत्रिकी खंड के महाप्रबंधक उपस्थित रहे।बैठक के दौरान निरीक्षण में मिली गंभीर कमियों और लापरवाही को देखते हुए सीईओ ने कड़े कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

शहर में जगह-जगह कूड़ा एकत्रित होने और समय पर न उठाने के कारण डोर-टू-डोर कलेक्शन एजेंसी मैसर्स ए0जी0 इन्वायरो पर 25 लाख का जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा, सैक्टर-19 शनि बाजार के खाली भूखंड में हॉर्टिकल्चर वेस्ट मिलने पर संबंधित उद्यान संविदाकार संस्था पर 5 लाख और निठारी रोड पर कूड़ा मिलने पर संबंधित संस्था पर 5 लाख की पेनल्टी लगाई गई है।

अधिकारियों-कर्मचारियों पर कड़ा एक्शन: सेक्टर-19 और ग्राम निठारी में गंदगी पाए जाने पर संबंधित उद्यान निरीक्षकों व सहायक निदेशक (उद्यान) का एक दिन का वेतन काटने और कारण-बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, संबंधित उद्यान सुपरवाइजर की सेवा समाप्त कर दी गई है। सेक्टर-43 में लापरवाही के लिए स्वास्थ्य निरीक्षक की एक सप्ताह की वेतन कटौती और सफाई सुपरवाइजर का एक माह का वेतन रोकने के निर्देश दिए गए हैं। सेक्टर-27 में भी गंदगी मिलने पर स्वास्थ्य निरीक्षक का एक दिन का वेतन काटा गया है।अवैध निर्माण पर बुलडोजर और बर्खास्तगी के निर्देश: ग्राम बरौला और सैक्टर-138/140 में चल रहे अवैध निर्माण को उच्च प्राथमिकता पर रुकवाते हुए ध्वस्तीकरण के निर्देश दिए गए हैं। इस लापरवाही के लिए संबंधित अवर अभियंताओं और सुपरवाइजरों को तत्काल हटाने के निर्देश दिए गए हैं।

सड़कों की मरम्मत के लिए 20 अक्टूबर की डेडलाइन: वर्षा ऋतु के कारण क्षतिग्रस्त हुई नोएडा की सभी सड़कों की मरम्मत और रिसर्फेसिंग का कार्य 20 अक्टूबर 2026 तक पूर्ण करने की समय-सीमा तय की गई है। इसके बाद भी काम लंबित मिलने पर संबंधित वरिष्ठ प्रबंधक और प्रबंधक के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई होगी। विशेष रूप से सैक्टर-145 पुस्ता मार्ग, ग्राम सलारपुर के पीछे एक्वा लाइन मेट्रो कॉरिडोर के नीचे का पुस्ता मार्ग और सेक्टर-71 अंडरपास से हिंडन पुल तक (एम.पी.-3 मार्ग) की सड़कों को प्राथमिकता पर ठीक करने को कहा गया है।

शौचालयों के लिए 15 अक्टूबर तक का समय: निरीक्षण में शौचालयों की खराब स्थिति को देखते हुए 15 अक्टूबर 2026 तक सभी शौचालयों को सुचारू रूप से संचालित करने के निर्देश दिए गए हैं। संबंधित प्रबंधकों को इसका प्रमाण पत्र देना होगा, अन्यथा उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अवैध वेंडर्स के खिलाफ एक महीने का अभियान: एम.पी.-3 मार्ग सहित विभिन्न स्थानों पर अनधिकृत वेंडरों की समस्या को देखते हुए सीईओ ने अगले एक माह में विशेष अभियान चलाकर अवैध वेंडिंग जोन को चिह्नित करने और अवैध वेंडर्स को हटाने के निर्देश दिए हैं। उनके लिए वैकल्पिक व्यवस्था भी की जाएगी। एक महीने के बाद यदि किसी क्षेत्र में अवैध वेंडर्स पाए गए, तो संबंधित वरिष्ठ प्रबंधक के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई होगी।इसके अतिरिक्त, सैक्टर-121 के सामने हिंडन पुस्ता पर कबाड़ियों द्वारा फैलाए गए कूड़े को विशेष अभियान चलाकर साफ करने और आई.जी.आर.एस. शिकायतों का गुणवत्तापूर्वक व समय से निस्तारण करने की हिदायत दी गई है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।
सम्पादक: अनिल रॉयल
फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address : royalnoida@gmail.com

घर से लाखों की चोरी का खुलासा, 16 लाख के जेवर और नकदी के साथ बाल अपचारी पकड़ा

नोएडा। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के एक घर में हुई लाखों रुपये की चोरी के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने इस चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए एक बाल अपचारी को अपने संरक्षण में लिया है। पुलिस ने उसके पास से चोरी किए गए करीब 16 लाख रुपये की कीमत के सोने और चांदी के आभूषण बरामद किए हैं। इसके साथ ही बाल अपचारी के कब्जे से 1,09,650 रुपये की नकद राशि भी बरामद की गई है।

एडीसीपी नोएडा मनीषा सिंह ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि बीती 20 सितंबर को एक व्यक्ति ने थाना सेक्टर-39 में अपने घर से सोने-चांदी के आभूषण और नकदी चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। घटना का जल्द से जल्द खुलासा करने के लिए पुलिस की एक विशेष टीम का गठन किया गया था।

जाल बिछाकर बाल अपचारी को पकड़ा: चोरी की इस बड़ी वारदात को सुलझाने के लिए पुलिस टीम ने मैनुअल इंटेलिजेंस और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की मदद ली।

इन दोनों ही तकनीकों के जरिए पुलिस ने अपनी जांच को आगे बढ़ाया और अहम सुराग जुटाए। इसके बाद मंगलवार को पुलिस टीम ने सेक्टर-47/48 के पास से एक बाल अपचारी को नियमानुसार अपने संरक्षण में ले लिया।

लाखों के जेवर और नकदी बरामद: पुलिस ने जब बाल अपचारी को पकड़ा, तो उसके पास से चोरी का सारा सामान बरामद हो गया। पुलिस ने उसके कब्जे से करीब 16 लाख रुपये की अनुमानित कीमत के सोने-चांदी के आभूषण और 1,09,650 रुपये की नकदी बरामद की है। थाना सेक्टर-39 की पुलिस अब इस पूरे मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई करने में जुटी हुई है।

नोएडा से एयरपोर्ट जाने वालों को नया रास्ता

ग्रेटर नोएडा। नोएडा एक्सप्रेसवे का ट्रैफिक कम करने के लिए यमुना पुश्ता रोड का 10 किमी तक विस्तार किया जाएगा। सेक्टर-135 से 150 तक बनने वाली यह सड़क 4 लेन की होगी। पहले इसे 6 लेन बनाने की योजना थी, लेकिन अब 4 लेन पर सहमति बनी है। सड़क का निर्माण सिंचाई विभाग करेगा। डीपीआर से लेकर डिजाइन तैयार करने की जिम्मेदारी भी विभाग की होगी। नोएडा प्राधिकरण करीब 200 करोड़ रुपए सिंचाई विभाग को देगा।

अभी यमुना पुश्ता रोड करीब 11 किमी लंबी और 4 लेन की है। दूसरे फेज में इसे 10 किमी आगे बढ़ाया जाएगा। यह सड़क यमुना एक्सप्रेसवे से एक रोटरी के जरिए जुड़ेगी। इससे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए भी नया लिंक मिलेगा। एयरपोर्ट यहां से करीब 30 किमी दूर होगा। नई सड़क बनने से पुश्ता के किनारे बने आईटी और इंडस्ट्रियल सेक्टरों में आने-जाने वालों को वैकल्पिक रास्ता मिलेगा। दिल्ली से एयरपोर्ट, लखनऊ, मथुरा और आगरा जाने वाले वाहन नोएडा एक्सप्रेसवे के बजाय इस रास्ते से सीधे यमुना एक्सप्रेसवे तक पहुंच सकेंगे।

समाज सेवा की आड़ में तीन माह की बच्ची अगवा, दो महिलाओं समेत तीन गिरफ्तार

नोएडा। थाना सेक्टर-63 क्षेत्र की छीजारसी कॉलोनी में समाज सेवा की आड़ में तीन माह की बच्ची के अपहरण का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस घटना के अगले ही दिन पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए बच्ची को सकुशल बरामद कर लिया है और दो महिलाओं समेत कुल तीन आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने इस पूरे मामले की गुत्थी सुलझाने के लिए सीसीटीवी फुटेज और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की मदद ली, जिसकी बदौलत पुलिस टीम आरोपियों तक पहुंचने में कामयाब रही। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में एक पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, छीजारसी कॉलोनी में रहने वाले देवी चरण ने सोमवार की रात थाने में पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी।

शिकायत में देवी चरण ने पुलिस को बताया कि उनकी तीन माह की बेटी जानवी को दो महिलाएं घर से अपने साथ लेकर चली गई हैं। इस शिकायत के मिलने के तुरंत बाद पुलिस हरकत में आई और बच्ची की तलाश के लिए तत्काल कई टीमों का गठन किया गया। परिजनों के मुताबिक, वे दो महिलाएं कॉलोनी में गरीब लोगों को कपड़े और अन्य सामान बांटने के नाम पर पहुंची थीं। वे दोनों महिलाएं देवी चरण के घर भी गईं और वहां उनकी पत्नी को कपड़े दिए। आरोप है कि इसी दौरान एक महिला ने बच्ची की मां को बातचीत में उलझाए रखा, जबकि दूसरी महिला तीन माह की बच्ची को लेकर वहां से चुपचाप निकल गई। कुछ देर बाद जब परिजनों ने देखा तो दोनों महिलाएं गायब थीं और बच्ची भी वहां नहीं थी।

सीसीटीवी और सर्विलांस से आरोपियों तक पहुंची पुलिस: घटना के बाद पुलिस ने आसपास लगे तमाम सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की मदद ली, जिससे आरोपियों की पहचान सुनिश्चित हो सकी। 22 सितंबर को पुलिस ने कनावनी बस स्टैंड के पास से अभय कुमार, उसकी पत्नी काजल उर्फ संगीता और मनीषा पत्नी राहुल को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से तीन माह की बच्ची जानवी को सकुशल बरामद कर लिया गया है। पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में यह बात सामने आई है कि गिरफ्तार पुरुष आरोपी के तीन बेटे हैं और वह बेटी चाहता था। पुलिस के मुताबिक, समाज सेवा करने वाली महिला ने उसे बताया था कि छीजारसी कॉलोनी में रहने वाली एक महिला की चार बेटियां हैं और वह अपनी तीन माह की बेटी उसे दे देगी।

रुपये के लेनदेन का दावा और जांच: पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार महिलाओं ने पूछताछ में बच्ची की मां से 50 हजार रुपये में सौदा होने की बात बताई है। आरोपियों का यह भी दावा है कि पैसे लेने के बाद बच्ची की मां ने खुद उन्हें बच्ची सौंप दी थी। हालांकि, पुलिस इस दावे और पूरे घटनाक्रम की सत्यता की गहराई से जांच कर रही है। बच्ची को वास्तव में किस परिस्थिति में आरोपियों को सौंपा गया और इस मामले में किस-किस की क्या भूमिका रही है, इसकी भी जांच की जा रही है। पुलिस ने बच्ची को सकुशल बरामद कर लिया है और गिरफ्तार तीनों आरोपियों से लगातार पूछताछ कर घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की जानकारी जुटाई जा रही है।

यमुना एक्सप्रेसवे पर अज्ञात वाहन से कुचलकर दंपति की मौत

ग्रेटर नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे पर रविवार की रात सड़क पार करते समय किसी अज्ञात वाहन ने दंपति को कुचल दिया। हादसे में दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक 44 वर्षीय दिनेश कुमार अपनी पत्नी 37 वर्षीय अंजू के साथ घरबरा गांव में किराये के मकान में रहते थे। दोनों पति-पत्नी गलगोटिया यूनिवर्सिटी के समीप किसी सोसाइटी में काम करते थे। वे रविवार की रात गलगोटिया यूनिवर्सिटी के समीप यमुना एक्सप्रेसवे पर पैदल सड़क पार कर रहे थे। इसी बीच किसी अज्ञात वाहन ने दोनों को कुचल दिया।

हादसे में गंभीर रूप से घायल दंपति को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। इस मामले कोतवाली प्रभारी का कहना है कि पोस्टमार्टम कराने के बाद दंपति के शवों को परिजनों को सौंप दिए। पुलिस अज्ञात वाहन का पता लगाने के लिए सीसीटीवी की फुटेज खंगाल रही है। अज्ञात वाहन का पता लगाकर आरोपी चालक को गिरफ्तार कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

नोएडा सिटीजन फोरम की अध्यक्षा शालिनी सिंह ने किया सेक्टर-45 सदरपुर गांव का दौरा, बारात घर की बदहाली पर जताई चिंता

नोएडा। नोएडा सिटीजन फोरम की कार्यकारी अध्यक्षा शालिनी सिंह ने आज नोएडा के सेक्टर-45 स्थित सदरपुर में एनसीएफ आपके द्वार कार्यक्रम में गांव का दौरा कर ग्रामीणों की समस्याओं एवं गांव में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का मौके पर निरीक्षण किया। दौरे के दौरान ग्रामीणों ने गांव में साफ-सफाई, सड़क, जल निकासी, बिजली, पानी एवं अन्य नागरिक सुविधाओं से जुड़ी कई समस्याएं शालिनी सिंह के समक्ष रखीं। शालिनी सिंह ने स्वयं गांव में घूमकर मौके की स्थिति का जायजा लिया। करोड़ों की लागत से बना बारात घर, फिर भी मूलभूत सुविधाओं का अभाव दौरे के दौरान सदरपुर गांव में बने बारात घर की स्थिति प्रमुख चिंता का विषय बनकर सामने आई। ग्रामीणों के अनुसार इस बारात घर के निर्माण में करोड़ों रुपये की लागत आई है, लेकिन वर्तमान में यह उचित उपयोग एवं रखरखाव के अभाव में बदहाल स्थिति में दिखाई दिया।

दौरे के दौरान बारात घर में पानी का कनेक्शन और बिजली का कनेक्शन उपलब्ध नहीं मिला। इसके अलावा परिसर में साफ-सफाई एवं रखरखाव की स्थिति भी संतोषजनक नहीं पाई गई। ग्रामीणों ने बताया कि बारात घर का निर्माण गांववासियों के सामाजिक एवं वैवाहिक कार्यक्रमों के लिए किया गया था, लेकिन आवश्यक मूलभूत सुविधाओं के अभाव में इसका अपेक्षित लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है।

शालिनी सिंह ने मौके पर बारात घर की स्थिति का दौरा करते हुए कहा कि जनता के पैसों से तैयार की गई सार्वजनिक संपत्ति का बेहतर रखरखाव और उसका उपयोग जनता के हित में सुनिश्चित किया जाना चाहिए। बारात घर में बिजली, पानी, साफ-सफाई एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराकर इसे ग्रामीणों के लिए उपयोगी बनाया जाना चाहिए।

ग्रामीणों ने लिखित शिकायत सौंपकर मांगा समाधान: ग्रामीणों ने अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर नोएडा सिटीजन फोरम को लिखित शिकायत भी सौंपी और संबंधित विभागों के माध्यम से समस्याओं के समाधान की मांग की।

शालिनी सिंह ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि उनकी शिकायतों को संबंधित अधिकारियों के समक्ष रखा जाएगा और बारात घर सहित गांव की अन्य मूलभूत समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक स्तर पर प्रयास किया जाएगा।

इस दौरान गांव के वरिष्ठ एवं सम्मानित व्यक्तियों सतीश चौहान, सत्येश्वर राय, महेश चौहान, घनश्याम चौहान, बॉबी चौहान सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने अपनी समस्याओं को सामने रखते हुए नोएडा सिटीजन फोरम से उनके शीघ्र समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई की मांग की।

संक्षिप्त समाचार

शैलेंद्र भाटिया का यूपीडा में तबादला

नोएडा। उत्तर प्रदेश शासन ने यमुना विकास प्राधिकरण के अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी (एसीईओ) शैलेंद्र भाटिया का तबादला कर दिया। उन्हें उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। शैलेंद्र भाटिया लंबे समय से नोएडा एयरपोर्ट के नोडल अफसर के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे। उनकी जगह रामपुर जिले के एडीएम प्रशासन नितिन मदन को नया एसीईओ नियुक्त किया गया है। नितिन मदान गौतमबुद्ध नगर में भी एडीएम प्रशासन के पद पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं।

सड़क हादसे में सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मौत

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में मंगलवार सुबह हुए एक सड़क हादसे में 35 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान परविंदर चौधरी के रूप में हुई है, जो मूल रूप से मुरादाबाद का निवासी था और ग्रेटर नोएडा के बीटा-1 सेक्टर में रहता था। परविंदर एडवांट बिल्डिंग के पास स्थित एक सॉफ्टवेयर कंपनी में इंजीनियर के रूप में काम करता था। नोएडा सेक्टर-142 थाना प्रभारी संजय कुमार सिंह ने बताया कि मंगलवार सुबह करीब 9:30 बजे परविंदर बाइक से नोएडा एक्सप्रेसवे के रास्ते बीटा-1 सेक्टर स्थित अपने घर जा रहा था, तभी सेक्टर-144 मेट्रो स्टेशन के पास एक अज्ञात वाहन चालक ने कथित तौर पर तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उसे टक्कर मार दी। सिंह के मुताबिक, हादसे में परविंदर की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार, मृतक के भाई अरविंद की शिकायत पर मामला दर्ज कर घटना की जांच की जा रही है। उसने बताया कि हादसे में शामिल अज्ञात वाहन चालक की तलाश जारी है।

यूपी ट्रेड शो के लिए रास्तों में बदलाव होगा

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा एक्सपो मार्ट सेंटर में शुक्रवार से शुरू होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में काफी संख्या में लोग आएंगे। इससे नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे पर जाम लग सकता है। इस कारण यातायात पुलिस ने वाहनों के रास्तों में बदलाव करने की योजना तैयार की है। ग्रेनो स्थित एक्सपो मार्ट में 25 से 29 सितंबर तक यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का आयोजन होगा। इसमें कई वीवीआईपी आएंगे। इसको देखते हुए कुछ-कुछ समय के लिए नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे और कार्यक्रम स्थल के आसपास वाहनों को रोका जाएगा। जरूरत पड़ने पर वाहनों के रास्तों में बदलाव कर उन्हें वैकल्पिक रास्तों से निकाला जाएगा।

डीसीपी अभय कुमार मिश्र ने बताया कि चिल्ला बॉर्डर, डीएनडी और कालिंदी कुंज की ओर से आकर नोएडा-ग्रेनो एक्सप्रेसवे होते हुए ग्रेनो की ओर जाने वाले वाहनों को डीएससी रोड पर भंगेल एलिवेटेड रोड होते हुए सूरजपुर की ओर निकाला जाएगा। सेक्टर-37 से एक्सप्रेसवे होकर ग्रेनो की ओर जाने वाले वाहनों को सेक्टर-44 गोलचक्कर से डबल सर्विस रोड पर डायवर्ट किया जाएगा। सर्विस रोड से डीएससी रोड होते हुए गंतव्य को जा सकेंगे। आगरा से नोएडा की ओर आने वाले वाहनों को जेवर टोल से आगे जेवर कस्बे की ओर उतारकर साबौता अंडरपास से खुर्जा बाइपास से जहांगीपुर होते हुए निकाला जाएगा। इसके अलावा सेक्टर-151 की ओर डबल सर्विस रोड से नोएडा की ओर भेजा जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि परी चौक की ओर से आकर नोएडा की ओर आने वाले वाहनों को सूरजपुर की ओर भेजा जाएगा। सूरजपुर की ओर से आकर परी चौक होते हुए कासना की ओर जाने वाले वाहनों को एलजी गोलचक्कर से 130 मीटर सड़क की ओर मोड़ा जाएगा।

सभी सड़कों की मरम्मत 15 अक्तूबर तक कराने के निर्देश

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ ने अधिकारियों को शहर की सभी सड़कों की मरम्मत 15 अक्तूबर तक करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही बंद पड़े सभी शौचालयों को पूरी तरह शुरू करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि तय समय में काम पूरा न होने पर जेई और प्रबंधक के खिलाफ कार्रवाई की ही जाएगी। साथ ही वरिष्ठ प्रबंधक और महाप्रबंधक से भी जबाव-तलब किया जाएगा। सेक्टर-96 स्थित मुख्य प्रशासनिक दफ्तर में सीईओ कृष्णा करुणेश ने मंगलवार को सभी विभागों के कामकाज की समीक्षा की। बैठक में सभी वरिष्ठ प्रबंधक से लेकर महाप्रबंधक, ओएसडी और एसीईओ स्तर के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में सबसे पहले सीईओ ने शहर की सड़कों में हो रखे गड्ढों और साफ सफाई को लेकर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि शहर को बेहतर बनाने में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अगर 15 अक्तूबर तक सड़कों की मरम्मत और शौचालय शुरू नहीं हुए तो कार्रवाई के लिए तैयार रहें।

एसीईओ ने जेई के साथ बैठक की: सीईओ के बाद एसीईओ वंदन त्रिपाठी ने सभी वरिष्ठ प्रबंधकों और जेई के साथ बैठक की। चूंकि शहर की सफाई का जिम्मा भी सिविल विभाग के पास आ चुका है। ऐसे में फील्ड पर रहने वाले जेई की जिम्मेदारी अधिक है। ऐसे में एसीईओ ने ठीक ढंग से काम करने के निर्देश दिए।

तीन जेई को हटाने के निर्देश: समीक्षा बैठक से पहले एसीईओ वंदना त्रिपाठी और पुष्पराज सिंह ने शहर के अलग-अलग हिस्सों में जाकर अतिक्रमण, सफाई, सड़कों समेत अन्य चीजों की स्थिति देखी थी। उन्होंने अपनी रिपोर्ट सीईओ को दी। रिपोर्ट मिलने के बाद सीईओ ने समीक्षा बैठक में तीन जेई की संविदा समाप्त करने के निर्देश दिए। इनमें से दो जेई वर्क सर्किल-3 और एक जेई वर्क सर्किल-7 में कार्यरत हैं। वर्क सर्किल-3 में ही करीब डेढ़ महीने पहले भी एक जेई की संविदा समाप्त की गई थी।

सड़कों की मरम्मत की तीन डेडलाइन फेल हो चुकीं: लोगों का कहना है कि नोएडा की सड़कें जितनी इस समय खराब हैं, वह पिछले 10-15 सालों में कभी नहीं रहीं। इस वर्ष सीईओ ने दोनों महाप्रबंधक एसपी सिंह और एके अरोड़ा को सड़कों को बेहतर करने की जिम्मेदारी दी थी। सबसे पहले 30 अप्रैल, 30 जून और फिर 30 अगस्त तक सड़कों की मरम्मत की जानी थी, लेकिन तीनों डेडलाइन फेल हो गईं। मरम्मत न होने के बावजूद अधिकारियों ने एक भी एजेंसी को ब्लैकलिस्ट नहीं किया। लोगों का आरोप है कि सड़क निर्माण के काम में लगी एजेंसियों और अधिकारियों के बीच साठगांठ का खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है।

श्रीमद्भागवत कथा हेतू भारत विकास परिषद ने किया भूमि पूजन

नोएडा। भारत विकास परिषद, नोएडा द्वारा धर्म, संस्कार एवं सनातन संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के पावन उद्देश्य से मोक्षदायिनी श्रीमद्भागवत कथा अनुष्ठान का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह दिव्य आयोजन 2 अक्टूबर से 10 अक्टूबर 2026 तक सेक्टर-33, शिल्पहाट के पास स्थित हेलीपैड ग्राउंड, नोएडा में आयोजित होगा।

कथा आयोजन के शुभारंभ से पूर्व आज 21 सितंबर 2026 को सायं 3:00 बजे वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ भूमि पूजन समारोह आयोजित किया गया।

इस अवसर पर भारत विकास परिषद, नोएडा के अध्यक्ष श्री संजय कुमार गुप्ता ने बताया कि श्रीमद्भागवत कथा के माध्यम से समाज में धर्म, संस्कार, सेवा, समर्पण एवं सनातन जीवन-मूल्यों के प्रति जागरूकता को सुदृढ़ करने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन नोएडा के लिए आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण अवसर है।

इस दिव्य आयोजन में प्रख्यात कथा व्यास आचार्य श्री मृदुल कांत शास्त्री जी के श्रीमुख से श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत कथा का अमृतपान कराया जाएगा। आयोजन के प्रत्येक दिवस पर पूज्य संत-प्रवरों के पावन सान्निध्य एवं आशीर्वचनों से श्रद्धालुजन लाभान्वित होंगे।आयोजन में वात्सल्य मूर्ति ऋतंभरा दीदी जी, श्री महामंडलेश्वर सतुआ महाराज जी, जगद्गुरु श्री सुतीक्ष्ण देवाचार्य महाराज जी, बागेश्वर पीठाधीश्वर श्री धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री जी, श्री अनिरुद्धाचार्य जी महाराज एवं भक्त शिरोमणि श्री नंदू भैया जी की उपस्थिति अपेक्षित है।

भूमि पूजन समारोह में नगर के गणमान्य नागरिक एवं परिषद के शाखा सरंक्षक प्रताप मेहता, डॉ. टीएन गोविल, सचिव अखिलेश भदौरिया, कोषाध्यक्ष अक्षय पारीक , विकास अग्रवाल ,संयोजिका महिला सह भागिता सुनीता मित्तल , सतनारायण गोयल, एवं महेश बाबू गुप्ता , राकेश कात्याल गोपाल अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, देवेन्द्र गंगल, सुरेंद्र गर्ग, नरेश गर्ग, अल्पेश गर्ग, राधा किशन गर्ग, अरविंद कुमार , मनीष गुप्ता, दीपक गुप्ता , संतोष बंसल कथा के मुख्य यजमान श्रीमती रीना गुप्ता,डॉ. वी के गुप्ता , डॉ. अंकित कुमार गुप्ता , डॉ. अर्पित गुप्ता सहपरिवार , कथा मुख्य संयोजक एन के अग्रवाल, कुलदीप गुप्ता, रामरतन शर्मा , प्रकल्प संयोजक, अजय अग्रवाल , अनुज मंगल, प्रदीप अग्रवाल , मुकुल वाजपेयी, राजेंद्र गर्ग, विकास अग्रवाल, डीके मित्तल से. 19 , डीके मित्तल तथा अन्य परिषद पदाधिकारी तथा परिषद के अधिकांश सदस्य उपस्थित रहे ।

एक दिन में 19 पुराने वाहन जब्त किए

नोएडा। परिवहन विभाग के प्रवर्तन अधिकारियों समेत अन्य विभागों को मिलाकर गठित टीमों ने मंगलवार को 19 पुराने वाहन जब्त किए। इनको वाहन कबाड़ सुविधा केंद्र के सुपुर्द कर दिया गया। एआरटीओ प्रवर्तन डॉ. उदित नारायण पांडे ने कहा कि जांच अभियान एक मूर्ति चौराहा, नॉलेज पार्क, सेक्टर-62 समेत अन्य स्थानों पर चलाया गया। जब्त वाहनों में तीन कार, 11 बाइक, तीन ऑटो और अन्य वाहन शामिल हैं। इनमें 10 साल की समयसीमा पूरी कर चुके डीजल और 15 वर्ष की अवधि पूरी कर चुके पेट्रोल वाहन शामिल हैं। वाहन को कबाड़ में नष्ट करने की प्रक्रिया के बाद कबाड़ शुल्क और प्रमाण पत्र गाड़ी मालिकों को दे दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुराने वाहन अत्यधिक प्रदूषण और तकनीकी रूप से पुराने सुरक्षा मानकों के कारण हानिकारक होते है। पुराने इंजनों में घिसाव के कारण ईंधन ठीक से नहीं जलता है, जिससे कार्बन मोनोऑक्साइड नाइट्रोजन ऑक्साइड और हाइड्रोकार्बन जैसी जहरीली गैसों का भारी मात्रा में उत्सर्जन होता है।

गांधी जयंती पर कलेक्ट्रेट में मौन उपवास का ऐलान

नोएडा। आरक्षण व्यवस्था, एससी/ एसटी एक्ट में संशोधन और यूजीसी के नए प्रावधानों को रद्द करने की मांग को लेकर सवर्ण स्वाभिमान मंच ने मंगलवार को सूरजपुर कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी मेधा रूपम को ज्ञापन सौंपा। गांधी जयंती पर कलेक्ट्रेट में मौन उपवास का ऐलान किया है। संगठन के संयोजक कपिल शर्मा एडवोकेट ने बताया कि दो अक्तूबर गांधी जयंती पर कलेक्ट्रेट में शांतिपूर्ण मौन उपवास किया जाएगा। इसके बाद राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। उनका कहना है किहमारी लड़ाई किसी जाति, धर्म के खिलाफ नहीं है। हम चाहते हैं आरक्षण और एससी/एसटी एक्ट की संवैधानिक समीक्षा हो और यूजीसी के नए प्रावधान रद्द हों।

ज्ञानेंद्र सिंह एडवोकेट ने कहा कि आरक्षण का लाभ कई पीढ़ियों से एक ही वर्ग ले रहा है, जो अब संपन्न हो चुका है। आरक्षण की समीक्षा कर आर्थिक आधार पर दिया जाना चाहिए ताकि सभी जातियों के गरीबों को लाभ मिले। इस दौरान प्रमोद शर्मा, सतेंद्र शर्मा, संजय शर्मा समेत कई अधिवक्ता मौजूद रहे।

सीटू के नेतृत्व में वेंडर्स ने विधायक को दिया ज्ञापन

नोएडा। आज ग्राम शहदरा, सेक्टर-142, नोएडा में पिछले 20-22 वर्षों से लग रहे साप्ताहिक मंगल बाजार को पुलिस द्वारा जबरन बंद कराये जाने के विरोध में सैकड़ों पथ विक्रेताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया।

सीटू जिला महासचिव का0 रामस्वारथ एवं पथ विक्रेता कर्मकार यूनियन के महामंत्री व सीटू जिला सचिव का0 गंगेश्वर दत्त शर्मा के नेतृत्व में सैकड़ों दुकानदारों ने नोएडा विधायक पंकज सिंह के सेक्टर-26 स्थित कार्यालय पर पहुँच कर प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार, जिलाधिकारी गौतमबुद्ध नगर, पुलिस आयुक्त गौतमबुद्ध नगर को संबोधित ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन विधायक जी के प्रतिनिधि भूपेन्द्र चौधरी ने लिया और आश्वासन दिया कि उक्त मामले में उचित कार्रवाई करवाई जाएगी।

मामला क्या है?: सेक्टर-142 थाना क्षेत्र के शाहदरा में हर मंगलवार शाम को 400 से अधिक गरीब पथ विक्रेता अपना बाजार लगाते हैं। इससे आस-पास की सोसायटियों और ग्रामीणों को सस्ता सामान मिलता है। दिनांक 16 सितंबर 2026 को चौकी प्रभारी सेक्टर-144 ने यह कहकर बाजार लगने से रोक दिया कि बाजार में फोन चोरी हो रही है। इस तानाशाही कार्रवाई से 400 परिवारों की रोजी-रोटी पर संकट खड़ा हो गया है।

यूनियन नेताओं ने कहा कि यह कार्रवाई पूरी तरह गैरकानूनी है -1. पथ विक्रेता अधिनियम 2014 का उल्लंघनः अधिनियम की धारा 3(3) में साफ है कि जब तक सर्वेक्षण कर सभी पात्र विक्रेताओं को प्रमाण-पत्र जारी नहीं होता, तब तक किसी को बेदखल नहीं किया जाएगा और यथास्थिति बनी रहेगी। माननीय सर्वोच्च न्यायालय के भी यही आदेश हैं। जनपद में आज तक यह सर्वे पूरा ही नहीं हुआ।

2. सरकार के आदेशों की अवहेलनाः उत्तर प्रदेश सरकार की नियमावली 2017 और माननीय मुख्यमंत्री जी के निर्देशों में भी पथ विक्रेताओं को संरक्षण देने के आदेश हैं।

3. पुलिस का तर्क हास्यास्पदः पुलिस का काम चोरी रोकना है, रोजगार बंद करना नहीं। अगर यही तर्क माना जाए तो सड़क दुर्घटना होने पर सड़क पर चलना बंद करा देना चाहिए और कॉलोनी में चोरी होने पर लोगों को घर खाली करा देना चाहिए।

प्रदर्शन कार्यों की प्रमुख मांगें:

1. शहदरा सेक्टर-142 के साप्ताहिक मंगल बाजार को तत्काल अपने पूर्व निर्धारित स्थल पर पूर्ववत लगने दिया जाए। 2. जब तक नोएडा प्राधिकरण द्वारा गठित नगर पथ विक्रय समिति द्वारा सभी विक्रेताओं का पंजीकरण कर लाइसेंस जारी कर वेंडिंग जोन घोषित नहीं किया जाता, तब तक किसी भी बेदखली पर रोक लगाई जाए। 3. चोरी की घटनाएं रोकने के लिए पुलिस गश्त बढ़ाए, जिसमें यूनियन पूरा सहयोग करने को तैयार है। 4. भविष्य में पुलिस द्वारा पथ विक्रेताओं का उत्पीड़न बंद किया जाए। नेताओं ने चेतावनी दी कि अगर बाजार शीघ्र शुरू नहीं किया गया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

दिल्ली एसआईआर में 31.63 लाख को नोटिस

वीआईपी के लिए घर पर सुनवाई, केंद्रों के चक्कर लगाने को मजबूर आम वोटर

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) में देश के कई नामचीन लोगों को नोटिस जारी होने के बाद निर्वाचन विभाग ने उनके मामलों के निपटारे के लिए अधिकारियों को उनके घर भेजना शुरू कर दिया है। वहीं आम मतदाताओं को अपने नोटिस के जवाब और दस्तावेज जमा कराने के लिए सुनवाई केंद्रों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं।

दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के अनुसार एसआइआर में करीब 33.13 लाख मतदाताओं को नोटिस जारी किए जाने हैं, जिनमें से 31,63,930 को नोटिस जारी किए जा चुके हैं। इनमें अधिकांश मामले पिछले एसआइआर से नाम का मिलान (मैपिंग) नहीं होने से जुड़े हैं। इसके अलावा तार्किक विसंगतियों के कारण भी बड़ी संख्या में नोटिस जारी हुए हैं।

नोटिस पाने वालों में विदेश मंत्री एस. जयशंकर और उनकी पत्नी, पूर्व सेनाध्यक्ष उपेंद्र द्विवेदी, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी और उनकी बेटी प्रतिभा व बहू गीतिका, निर्वाचन आयुक्त एस एस संधू, पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और उनकी पत्नी कल्पना दास, सांसद बांसुरी स्वराज, पूर्व मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की पत्नी तेजस्विनी भूषण गवई, दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, उनकी पत्नी सीमा और बेटे मीर तथा सीबीआइ निदेशक प्रवीण सूद समेत कई नाम शामिल हैं।

अधिकारी ने माना, हर स्तर पर नहीं बरती गई सतर्कता

निर्वाचन विभाग के एक अधिकारी के मुताबिक बीएलओ, सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ) और निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) को पहले ही वीआइपी मतदाताओं की सूची तैयार रखने और उनसे दस्तावेज लेते समय विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए थे। अधिकारी के अनुसार कोशिश थी कि ज्यादातर मामलों का समाधान नोटिस जारी होने से पहले ही हो जाए। यदि नोटिस जारी करना पड़े तो केवल नोटिस देकर लौटने के बजाय संबंधित मतदाता की समस्या का समाधान भी कराया जाए।

कालकाजी मंदिर के पास 17 साल की लड़की से गैंगरेप में दिल्ली पुलिस का एक्शन, मुठभेड़ में एक दरिंदा गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। आस्था कुंज पार्क में 17 वर्षीय किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में आरोपी आसिफ मंगलवार रात पुलिस मुठभेड़ में घायल हो गया। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस के स्पेशल स्टाफ की टीम ने अमर ोनी स्थित डीएम ऑफिस रोड के पास उसे घेरने की कोशिश की। पुलिस का दावा है कि घिरने के बाद आरोपी ने पुलिस टीम पर तीन गोलियां चलाईं। एक गोली हेड कॉन्सटेबल राजेश की बुलेटप्रूफ जैकेट में लगी। जवाबी कार्रवाई में पुलिसकर्मी ने दो गोलियां चलाईं, जिसमें एक गोली आरोपी के दाहिने पैर में लगी। घायल आसिफ को एम्स ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया है। दक्षिणी पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त विनीत कुमार ने बताया कि सोमवार रात करीब 8 :45 बजे नाबालिग से दुष्कर्म की सूचना पीसीआर को मिली थी। अमर कॉलोनी थाना पुलिस आस्था कुंज पार्क पहुंची, जहां पीड़िता अपने नाबालिग दोस्त के साथ मिली। पीड़िता के बयान के अनुसार, वह अपने दोस्त के साथ कालकाजी मंदिर में दर्शन करने गई थी। इसके बाद दोनों गेट नंबर सात से आस्था कुंज पार्क में पहुंची। वहां तीन युवकों ने खुद को पुलिसकर्मी बताया और उसे दोस्त से अलग कर सुनसान स्थान पर ले गए।

संक्षिप्त समाचार

6 साल की बच्ची का यौन उत्पीड़न, गुस्साए लोगों ने आरोपित को दबोचकर पुलिस को सौंपा

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य जिले के डीबीजी रोड थाना क्षेत्र में घर के बाहर खेल रही छह वर्षीय बच्ची को बहला-फुसलाकर कमरे में ले जाकर यौन शोषण करने का मामला सामने आया है। बच्ची की शिकायत पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित युवक को हिरासत में ले लिया है, जिसकी पहचान अंकित के रूप में हुई है। पुलिस ने बच्ची की मेडिकल जांच कराई है और पाक्सो एक्ट समेत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस अधिकारी के मुताबिक, सोमवार शाम करीब साढ़े छह बजे बच्ची घर के बाहर खेल रही थी। इसी दौरान पड़ोस में किराए के मकान में रहने वाला आरोपित उसके पास पहुंचा। आरोप है कि वह बच्ची को बहला-फुसलाकर अपने कमरे में ले गया, जहां उसके साथ यौन शोषण किया। घटना के बाद आरोपित ने बच्ची को कमरे से बाहर जाने दिया। बच्ची अपने घर पहुंची और स्वजन को पूरी घटना की जानकारी दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद बच्ची के स्वजन आक्रोशित हो गए और आरोपित के कमरे पर पहुंचकर उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान मामले की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही डीबीजी रोड थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और आरोपित को हिरासत में लेकर थाने ले आई। पुलिस ने प्रारंभिक पूछताछ के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बच्ची का मेडिकल परीक्षण कराया है। साथ ही उसके बयान दर्ज कराने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। घटनास्थल से साक्ष्य जुटाने के लिए क्राइम टीम और एफएसएल की टीम ने मौके का निरीक्षण किया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल रही है, ताकि घटना से जुड़े तथ्यों की पुष्टि की जा सके। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की सभी पहलुओं से जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गृह मंत्री अमित शाह करेंगे एएनटीएफ प्रमुखों के सम्मेलन का उद्घाटन

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह मंगलवार को एंटी-नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) के प्रमुखों के तीसरे राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। इस सम्मेलन में मादक पदार्थों के नियंत्रण (2026-29) पर विजन डॉक्यूमेंट के तहत हुई प्रगति और देश में ड्रग्स की समस्या से निपटने के लिए की गई कोशिशों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। सरकारी बयान के अनुसार, संयुक्त संकल्प, साझा जिम्मेदारी की थीम पर आधारित इस दो दिवसीय सम्मेलन में 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के एएनटीएफ प्रमुखों के साथ-साथ संबंधित सरकारी विभागों के प्रतिनिधि और हितधारक भी शामिल होंगे। बैठक में केंद्र सरकार के आपूर्ति घटाने, मांग घटाने और नुकसान कम करने के उपायों को मजबूत करने की रणनीतियों की पहचान करने एवं उन्हें अपनाने पर भी चर्चा की जाएगी। सम्मेलन में शाह ड्रग्स के विरुद्ध जागरूकता फैलाने के लिए टीवी कमर्शियल भी जारी करेंगे और लखनऊ एवं देहरादून में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) जोन के नए परिसरों की आधारशिला रखेंगे। नेटवर्क व कार्टेल को खत्म करना, मांग घटाना एवं पुनर्वास, प्रवर्तन की प्रभावशीलता, ड्रग्स प्रीकर्सर व सिंथेटिक ड्रग्स, अवैध खेती एवं वैकल्पिक फसलें और डार्कनेट व क्रिप्टोकरेंसी से जुड़ी जांच जैसे विषय शामिल होंगे।

दिल्ली में डीटीसी बस हड़ताल से हाहाकार! 7वें दिन भी यात्री बेहाल, घंटों इंतजार के बीच ऑटो का किराया बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। डीटीसी और परिवहन विभाग की बसों पर तैनात निजी चालकों की हड़ताल सोमवार को सातवें दिन भी जारी रही। सोमवार को स्कूल-कालेज और सरकारी व निजी कार्यालय खुलने के कारण सड़कों पर यात्रियों की संख्या बढ़ गई।

कई रूटों पर बसों का इंतजार करते यात्री डेढ़ से दो घंटे तक बस स्टाप पर खड़े रहे। यात्रियों का कहना है कि हड़ताल का फायदा उठाकर कई जगह आटो और ई-रिक्शा चालकों ने किराया बढ़ा दिया है। डीटीसी के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार कुछ निजी चालक काम पर लौटने लगे हैं।

स्थायी और संविदा चालकों को भी बसें देकर रूट पर भेजा गया। सोमवार को करीब 50 से 60 प्रतिशत बसों की आउट शेडिंग हुई। बस सेवा सामान्य करने के प्रयास किए जा रहे हैं। ग्रामीण दिल्ली में बसों की कमी का असर और ज्यादा दिखाई दिया।

बस स्टॉप पर घंटों इंतजार करने की मजबूरी

फतेहपुर बेरी और आसपास के गांवों में लोगों को स्थानीय बस स्टाप पर घंटों इंतजार करना पड़ा। इसके अलावा भी कई रूटों पर समस्या रही। ग्रामीणों के मुताबिक छतरपुर मेट्रो से फतेहपुर बेरी तक ई-रिक्शा 30-40 रुपये और आटो चालक 150-200 रुपये तक मांग रहे हैं। मुन्नी लाल ने बताया, ई-रिक्शा का किराया 10-20 रुपये से बढ़कर 20-40 रुपये, आटो का किराया भी दोगुना हो गया है।

दिल्ली में मानसून थमा तो बिगड़ने लगी हवा

250 तक पहुंचा एक्यूआई, सर्दियों में क्या होगा हाल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में मानसून की वर्षा थमते ही हवा फिर बिगड़ने लगी है। अलग अलग इलाकों में एक्यूआइ 200-250 तक पहुंच गया है, जबकि अभी बाहरी राज्यों से प्रदूषक तत्वों का बड़ा दबाव भी शुरू नहीं हुआ है। ऐसे में यह सवाल और गंभीर हो जाता है कि जब प्रदूषण का असली संकट सर्दियों में सामने आएगा, तब राजधानी की हवा का क्या हाल होगा? हर साल एक्यूआइ 400-450 तक पहुंचने के बाद वाहनों पर रोक, स्कूल बंद करने और घर से काम करने जैसी आपात व्यवस्था करनी पड़ती है। आखिर प्रदूषण नियंत्रण की तैयारी पहले से क्यों नहीं होती? सवाल यह भी है कि दिल्लीवासी निजी वाहनों की जगह मेट्रो जैसे तेज और सुविधाजनक सार्वजनिक परिवहन का अधिक इस्तेमाल अपनी आदत में क्यों नहीं ला पा रहे हैं। सरकार, स्थानीय निकाय और प्रदूषण नियंत्रण एजेंसियां जो उपाय कर रही हैं, वे जमीन पर असरदार क्यों नहीं दिख रहे? होना यह चाहिए था कि प्रदूषण का सीजन शुरू होने से महीनों पहले सड़क, निर्माण, वाहन और हाटस्पाट से जुड़े सभी इंतजाम पूरे कर लिए जाते। लेकिन हुआ यह कि हवा बिगड़ने लगी और तैयारी शुरू हुई। दिल्ली के अपने प्रदूषण स्रोतों, सरकारी तैयारियों, उनकी जमीनी हकीकत और दिल्लीवासियों के व्यवहार की पड़ताल की जाएगी- आखिर साफ हवा का इंतजार हर साल सर्दियों तक क्यों करना पड़ता है? प्रदूषण नियंत्रण के लिए सालभर काम होना चाहिए, लेकिन हकीकत में सरकारी विभाग भी लगातार सक्रिय नहीं रहते और दिल्लीवासियों की आदतों में भी प्रदूषण नियंत्रण स्थायी रूप से शामिल नहीं हो पाया है।

आज स्थिति यह है कि टूटी सड़कों पर धूल उड़ रही है, निजी निर्माण बिना ढके हो रहे हैं और काला धुआं छोड़ते बिना नंबर प्लेट वाले ट्रक तक सड़कों पर दौड़ रहे हैं। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि इन समस्याओं पर सालभर कार्रवाई करने के बजाय प्रदूषण का मौसम आते ही तैयारियां तेज होती हैं। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) ने 40 हाटस्पाट पर नई तकनीकों के इस्तेमाल के लिए सोमवार को टेंडर आमंत्रित किए हैं। शास्त्री नगर स्थित डीएमआरसी के बाइटी पार्क में बन रहा एकीकृत कमांड एंड कंट्रोल सेंटर भी अभी शुरू नहीं हुआ है। यानी जिस वक्त प्रदूषण रोकने के इंतजाम जमीन पर होने चाहिए थे, उस वक्त उनकी प्रक्रिया चल रही है। सरकारी रिकार्ड खुद बताता है कि प्रदूषण के स्थानीय स्रोतों में सड़क की धूल, वाहनों का उत्सर्जन, निर्माण एवं तोड़फोड़ और कचरा जलाना शामिल हैं।

5 जगह मानक से ज्यादा मल-कोलीफार्म; आईएसबीटी पर बीओडी सबसे अधिक

यमुना के पानी में अगस्त में सुधार

नई दिल्ली, एजेंसी। यमुना के पानी की गुणवत्ता में जुलाई के मुकाबले अगस्त में सुधार दर्ज किया गया है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, नदी में मल-कोलीफार्म की मात्रा में कई स्थानों पर भारी गिरावट आई है। निर्धारित सीमा 2,500 एमपीएन/100 मिलीलीटर से अधिक रहा। वहीं जैव-रासायनिक आक्सीजन मांग (बीओडी) में भी सुधार हुआ, लेकिन कई स्थानों पर यह तय मानक से कई गुना अधिक बनी हुई है। डीपीसीसी दिल्ली में यमुना के सात स्थानों- पल्ला, वजीराबाद, आइएसबीटी पुल, आइटीओ पुल, निजामुद्दीन पुल, ओखला बैराज और हरियाणा के असगरपुर (किडवली)-से पानी के नमूने लेकर बीओडी, घुलित आक्सीजन, रासायनिक आक्सीजन मांग, पीएच और मल-कोलीफार्म समेत कई मानकों की जांच करता है। अगस्त में सभी

छह प्रमुख दिल्ली स्थलों पर मल-कोलीफार्म में उल्लेखनीय कमी दर्ज हुई। अगस्त में बीओडी तीन से 28 मिलीग्राम प्रति लीटर के बीच रही। जल गुणवत्ता मानक के अनुसार इसकी अधिकतम सीमा तीन मिलीग्राम प्रति लीटर है। आइएसबीटी पुल पर बीओडी सबसे अधिक 28 मिलीग्राम प्रति लीटर दर्ज हुई। इसका मतलब है कि कई स्थानों पर नदी के पानी में जैविक प्रदूषण अब भी गंभीर स्तर पर बना हुआ है। डीपीसीसी के अनुसार अगस्त में मल-कोलीफार्म में आई गिरावट का एक कारण नदी में पहुंचने वाले बिना उपचारित सीवर की मात्रा में कमी हो सकता है। हालांकि इस दौरान हुई बारिश ने भी नदी के पानी को पतला करने और गुणवत्ता में अस्थायी सुधार लाने में भूमिका निभाई हो सकती है। डीपीसीसी ने अगस्त में दिल्ली के प्रमुख नालों के अपशिष्ट जल की गुणवत्ता के आंकड़े भी जारी किए हैं। यमुना में सीधे गिरने वाले कई नालों और नजफगढ़ नाले से जुड़े सहायक नालों के पानी में बीओडी और कुल निलंबित ठोस पदार्थ (टीएसएस) का स्तर काफी अधिक पाया गया।

इकाई : एमपीएन/100 मिलीलीटर

मानक क्या है : मल-कोलीफार्म की अधिकतम स्वीकार्य सीमा 2,500 और वांछित स्तर 500 एमपीएन/100 मिलीलीटर है। अगस्त में पल्ला और वजीराबाद को छोड़कर बाकी पांच स्थानों पर स्तर 2,500 से अधिक रहा।

बीओडी की स्थिति : अगस्त में बीओडी का स्तर 3 से 28 मिलीग्राम प्रति लीटर के बीच रहा, जबकि निर्धारित अधिकतम सीमा 3 मिलीग्राम प्रति लीटर है। आइएसबीटी पुल पर यह सर्वाधिक 28 मिलीग्राम प्रति लीटर दर्ज हुआ। इससे साफ है कि यमुना में प्रदूषण का बड़ा स्रोत बने नालों की स्थिति में अभी अपेक्षित सुधार नहीं हुआ है।

दिल्ली में बढ़ सकता है आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का मानदेय, सरकार गंभीरता से कर रही बढ़ोतरी पर विचार

नई दिल्ली, एजेंसी। सेवा संकल्प अभियान के तहत दिल्ली सरकार आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के सम्मान में 23 सितंबर से सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में विशेष कार्यक्रम आयोजित करेगी। 'आंगन का मिलन' नाम से होने वाले इन कार्यक्रमों में करीब 25 हजार लोगों को निमंत्रण भेजा जा रहा है। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में लगभग 500 लोगों के शामिल होने की संभावना है। अभी आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को 12 हजार 700 रुपये महीना मानदेय मिलता है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बच्चों, महिलाओं और परिवारों तक सरकारी योजनाओं और सेवाओं को पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उनके योगदान को सम्मान देना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि सरकार आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में बढ़ोतरी की संभावनाओं पर भी विचार कर रही है। कार्यक्रमों में विधायक और अन्य जनप्रतिनिधियों के अलावा आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व सहायक, बच्चों, गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं, अभिभावकों तथा समुदाय के प्रतिनिधियों की भागीदारी होगी। इस दौरान लोगों को पोषण की शपथ भी दिलाई जाएगी। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए विशेष सम्मान किट भी तैयार की गई है।

इन कार्यक्रमों को नौवें राष्ट्रीय पोषण माह से भी जोड़ा गया है। महिला एवं बाल विकास विभाग 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक पोषण माह मना रहा है। इस वर्ष इसकी विषयवस्तु 'हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' रखी गई है।

जू में बाड़े में कूदकर आत्महत्या रोकने की गाइडलाइन की मांग खारिज, एससी ने कहा- सुरक्षा उपाय पहले से मौजूद

नई दिल्ली, एजेंसी। चिड़ियाघरों में जानवरों के बाड़े में कूदकर आत्महत्या करने की कोशिशें रोकने के लिए दिशा-निर्देश जारी करने की मांग वाली याचिका सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को खारिज कर दी। जस्टिस विक्रम नाथ, आगस्टीन जार्ज मसीह और संदीप मेहता की पीठ ने दिल्ली हाई कोर्ट के जुलाई 2020 के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। हाई कोर्ट ने उस याचिका पर सुनवाई करने से इन्कार कर दिया था, जिसमें देशभर के अलग-अलग चिड़ियाघरों में जानवरों के बाड़े में लोगों के बार-बार कूदने की घटनाओं पर केंद्र और संबंधित अधिकारियों द्वारा कोई कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया गया था। हालांकि, हाई कोर्ट ने याचिकाकर्ता को संबंधित अधिकारियों के सामने प्रतिवेदन देने की अनुमति दी थी। सितंबर 2020 में सुप्रीम कोर्ट इस मामले की सुनवाई के लिए तैयार हो गया था।

अल्जाइमर के लक्षण दिखने से 20 साल पहले शुरू हो जाते हैं बदलाव, भूलने को उम्र का असर मानना पड़ सकता है भारी

नई दिल्ली, एजेंसी। अल्जाइमर के स्पष्ट लक्षण सामने आने से करीब 20 वर्ष पहले ही मस्तिष्क में बीमारी से जुड़े बदलाव शुरू होने लगते हैं। ऐसे में याददाश्त में लगातार हो रहे बदलावों को बढ़ती उम्र का सामान्य हिस्सा मानकर नजरअंदाज करना बीमारी की शुरुआती पहचान के प्रभावित कर सकता है। विश्व अल्जाइमर दिवस पर सोमवार को आयोजित जागरूकता कार्यक्रमों में विशेषज्ञों ने शुरुआती संकेतों की पहचान और समय पर चिकित्सकीय सलाह लेने पर जोर दिया। पूर्व मिस यूनिवर्स एवं अभिनेत्री लारा दत्ता ने भी दिमागी सेहत पर खुलकर बातचीत करने और याददाश्त में होने वाले बदलावों को गंभीरता से लेने का आह्वान किया। विशेषज्ञों के अनुसार एमाइलायड प्रोटीन के असामान्य जमाव से जुड़े बदलाव बीमारी के शुरुआती चरण को समझने में महत्वपूर्ण हो सकते हैं। हालांकि अल्जाइमर की पुष्टि केवल एक जांच के आधार पर नहीं की जाती। मरीज के लक्षणों, चिकित्सकीय जांच और आवश्यकता के अनुसार विभिन्न जांचों के परिणामों को साथ देखकर स्थिति का आकलन किया जाता है।

दिल्ली-एनसीआर से 2-3 दिन में विदा होगा मानसून, एक हफ्ते तक बारिश नहीं; तेज धूप से बढ़ेगी गर्मी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सहित एनसीआर भर में मानसून की विदाई के लिए मौसमी परिस्थितियां तेजी से बदल रही हैं। पिछले कुछ दिनों से तापमान बढ़ रहा है, नमी घट रही है और मौसम धीरे- धीरे शुष्क हो रहा है। मौसम विभाग ने सोमवार को कहा कि दो से तीन दिन में दिल्ली व एनसीआर के शहरों से मानसून की वापसी हो जाएगी। याद रहे कि राजधानी में मानसून की विदाई की तारीख वैसे 25 सितंबर तय है। इसमें आंशिक रूप से एक दो दिन आगे पीछे चलता रहता है। उधर मौसम विभाग के पूर्वानुमान पर जाएं तो हाल फिलहाल वर्षा होने की भी कोई संभावना नहीं है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि इस साल दिल्ली में मानसून की वर्षा का कोटा अगस्त में ही पूरा हो गया था जबकि चार माह पहले साल भर की वर्षा का कोटा भी पूरा हो गया। दूसरी तरफ सोमवार को भी दिल्ली में शुष्क मौसम और तेज धूप के बीच खासी गर्माहट का एहसास हुआ। अधिकतम तापमान सामान्य से 1.2 डिग्री अधिक 35.6 डिग्री सेल्सियस जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से 0.1 डिग्री अधिक 25.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा में नमी का स्तर 88 से 44 प्रतिशत रहा। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि अगले एक सप्ताह तक दिल्ली में वर्षा होने की कोई संभावना नहीं है। आंशिक रूप से बादलों की आवा- जाही के बीच हर रोज ही तेज धूप निकली रहेगी। इस दौरान दिन का तापमान 34 से 35 डिग्री जबकि न्यूनतम तापमान 24 से 25 डिग्री के आसपास रह सकता है।

'यह गर्व का पल है'

आईओए प्रमुख पीटी उषा ने गोल्ड मेडल जीतने पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम को दी बधाई

निशिन । भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने एशियन गेम्स 2026 में गोल्ड मेडल जीतने के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम की जमकर तारीफ की है। उन्होंने इस पल को गर्व का क्षण बताया और उम्मीद जताई कि आइची-नागोया में चल रहे एशियन गेम्स में भारतीय दल और भी कई गोल्ड मेडल जीतेगा। उन्होंने बताया कि उन्होंने जापानी एशियाई खेल आयोजन समिति से एशियन गेम्स में क्रिकेट को शामिल करने का आग्रह किया था, ठीक वैसे ही जैसे यह हांग्जो 2023 खेलों का हिस्सा था। पीटी उषा ने 'आईएएनएस' के साथ एक खास बातचीत में कहा, 'मुझे खुशी है कि महिला क्रिकेटर्स ने गोल्ड मेडल जीता और इसमें कोई शक नहीं कि हमें और भी गोल्ड मेडल मिलेंगे। मैंने जापान एशियाई खेल आयोजन समिति की समन्वय समिति से खेलों में पुरुष और महिला क्रिकेट को शामिल करने का अनुरोध किया था। मैं क्रिकेट देखना चाहती थी और मुझे खुशी है कि खिलाड़ियों ने गोल्ड मेडल

जीता है। यह गर्व का पल है।' आईओए अध्यक्ष जीत के बाद महिला क्रिकेट टीम से मुलाकात करेंगी। उन्होंने कहा, 'मैं यहां उनसे पहले नहीं मिल पाई थी; हम पहले कई बार मिल चुके हैं लेकिन मैं उनसे यहां भी मिलूंगी। मैंने उनका खेल देखा था जब वे यहां खेल रही थीं।' भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने अपना गोल्ड मेडल बचाने के लिए बल्लेबाजी और गेंदबाजी में शानदार प्रदर्शन किया।

फाइनल में स्मृति मंधाना ने 79 रनों की दमदार पारी खेली जबकि शेफाली वर्मा ने 29 गेंदों में 48 रन बनाए। वहीं, ऋचा घोष ने 22 गेंदों में नाबाद 49 रन बनाए, जिसके दम पर भारतीय टीम 3 विकेट खोकर 216 रन स्कोरबोर्ड पर लाने में सफल रही। वहीं, गेंदबाजी में दीप्ति शर्मा, शेफाली वर्मा, श्रेयंका पाटिल और श्री चरणी ने मिलकर 9 विकेट लिए और भारत को 147 रनों की बड़ी जीत दिलाई। 217 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की पूरी टीम महज 69 रन बनाकर ऑलआउट हुई। मौजूदा एशियन गेम्स में यह भारत का पहला और कुल मिलाकर सातवां गोल्ड मेडल है। भारतीय महिला टीम ने एशियन गेम्स के पिछले संस्करण में भी गोल्ड मेडल जीता था और अब उसी टीम के खिलाफ अपने खिताब का बचाव किया है।

संक्षिप्त समाचार

466 विकेट लेने वाले अंग्रेज गेंदबाज का क्रिकेट से संन्यास

थमा 2 वर्ल्ड कप जीतने वाले तेज गेंदबाज का सफर

नई दिल्ली । इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया है। 36 वर्षीय मार्क वुड ने अपने क्रिकेट करियर में फर्स्ट क्लास, लिस्ट ए और टी20 क्रिकेट को मिलाकर कुल 466 विकेट लिए। दो विश्व कप जीतने वाली इंग्लैंड की टीम का हिस्सा रहे मार्क वुड अपनी तेज रफ्तार और खतरनाक गेंदबाजी के लिए पहचाने जाते हैं।

मार्क वुड ने फर्स्ट क्लास क्रिकेट में 255, लिस्ट ए

में 126 और टी20 क्रिकेट में 85 विकेट लिए। इसके अलावा उन्होंने कुल 2341 रन (1977 प्रथम श्रेणी, 230 लिस्ट ए और 134 टी20 मैच) भी बनाए। लगातार चोटों से जूझने के कारण मार्क वुड ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहने का फैसला किया।

टेस्ट मैचों में लिए 119 विकेट– दो बार वर्ल्ड कप जीतने वाले और अपनी पीढ़ी के सबसे तेज गेंदबाजों में से एक मार्क वुड ने 2015 में लॉर्ड्स में न्यूजीलैंड के खिलाफ डेब्यू करने के बाद 38 टेस्ट मैचों में 119 विकेट लिए। मार्क वुड ने 70 वनडे इंटरनेशनल में 80 और 38 टी20 इंटरनेशनल मैचों में कुल 54 विकेट लिए। उन्होंने टेस्ट में 811,

भारत-जापान टी20 मैच से पहले 'वंदे मातरम' की गूंज

खिलाड़ियों और दर्शकों ने मिलकर गाया राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान

नई दिल्ली । भारत और जापान के बीच ऐतिहासिक टी20 इंटरनेशनल मुकाबला कान्टो के सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर खेला जा रहा है। इस मुकाबले में बारिश के कारण मैच देरी से शुरू हुआ और 5–5 ओवर का मैच शुरू हुआ। इस मुकाबले से पहले सानो में ऐतिहासिक पल देखने को मिला। राष्ट्रगान से पहले वंदे मातरम् गूंजा। इससे पहले भारत–अफगानिस्तान टी20 सीरीज के पहले मैच से पूर्व भी नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में

यही देखने को मिला था। वहां भी वंदे मातरम् गूंजा था। ऐसा ही नजारा जापान के कान्टो में दिखा जहां, भारतीय खिलाड़ियों और दर्शकों ने मिलकर पहले वंदे मातरम् गाया और फिर राष्ट्रगान हुआ।

श्रेयस अय्यर ने चुनी पहले बल्लेबाजी

आपको बता दें कि भारत और जापान के बीच यह मुकाबला दोनों देशों के बीच राजनीतिक रिश्तों की 75वीं वर्षगांठ को सेलिब्रेट करने के लिए खेला जा रहा है। इस मुकाबले में भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने टॉस जीता और पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। बारिश के कारण मुकाबला तीन घंटे की देरी से शुरू हुआ। यह मैच 5–5 ओवर का हो रहा है और कुल 10 ओवर का एक्शन फैंस को देखने को मिलेगा।

पुरुष क्रिकेट टीम ने रचा इतिहास

200 टी20 मैच जीतने वाली पहली टीम बनी

नई दिल्ली । भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने एशियन गेम्स 2026 में मंगलवार को खेले गए मुकाबले में मेजबान जापान को 2 रन से हरा दिया। टी20 क्रिकेट में भारत की यह 200वीं जीत थी। 200 टी20 मैच जीतने वाली भारत पहली टीम है। भारत ने अपने पहला टी20 मैच में ही पहली जीत दर्ज की थी। एक दिसंबर 2006 को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुए मैच में भारत ने 6 विकेट से जीत दर्ज की। भारत ने अपना 50वां जीत 2017 में श्रीलंका के खिलाफ हासिल किया था। टीम इंडिया ने कोलंबो में खेले गए इस मैच में 7 विकेट से जीत

हासिल की थी। भारत ने अपनी 100वीं जीत 2022 में कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ 8 रन से, 150वीं जीत 2024 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 24 रन से और 200वीं जीत 2026 में जापान के खिलाफ 2 रन से हासिल की है। भारतीय टीम 50 जीत के लिए 83 मैच, 51 से 100 जीत का आंकड़ा हासिल करने के लिए 72 मैच, 101 से 150 जीत तक पहुंचने के लिए 70 मैच और 151 से 200 जीत तक पहुंचने के लिए 66 मैच खेले। भारतीय टीम ने अपनी आखिरी 50 जीत के लिए सबसे कम मैच खेले हैं।

भारत–जापान मैच की बात करें तो सानो इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में हुए इस मुकाबले में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया था। भारतीय टीम की बल्लेबाजी निराशाजनक रही थी। बारिश की वजह से गीले मैदान के कारण मैच 20 ओवर की जगह मात्र 5–5 ओवर का हुआ।

भारतीय टीम ने 4 विकेट खोकर 32 रन बनाए। सर्वाधिक 16 रन कप्तान श्रेयस अय्यर ने बनाए। 33 रन का लक्ष्य हासिल करने उतरी जापान 5 ओवर में 3 विकेट पर 30 रन ही बना सकी और 2 रन से मैच हार गई।

कप्तान अय्यर ने की जापान की तारीफ

कहा- उनका प्रदर्शन शानदार रहा

सानो । एशियन गेम्स 2026 में मंगलवार को सानो इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारत और जापान का रोमांचक मुकाबला खेला गया। बारिश और गीले मैदान की वजह से मैच 20-20 ओवरों की जगह 5-5 ओवरों का खेला गया।

भारतीय टीम ने 2 रन से यह मैच जीता। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर प्लेयर ऑफ द मैच रहे। अय्यर ने मैच के बाद जापान टीम की तारीफ की। मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने जाने के बाद श्रेयस ने कहा, 'सच कहूं तो, यह बल्लेबाजी के लिए बहुत मुश्किल विकेट था। हमने ओपनर्स को भी देखा, जो लगातार रन बनाने के आदी हैं, स्पिन की पेस को समझ नहीं पा रहे थे। मैं जब अंदर आया तो मैंने तय किया कि सिंगल्स और डबल्स लेना और जितना हो सके स्ट्राइक रोटेट करना जरूरी है। मैंने अपने साथ आए बल्लेबाज से भी बात की, लेकिन वह भी करना मुश्किल था। मैंने बस यह तय किया कि मैं गेंद की मेरिट पर खेलूंगा और देखूंगा, उसी के हिसाब से प्लान बनाऊंगा।

अगर बॉल घूम ले रही है और थोड़ी रुक रही है, तो मैं बस बॉल की पेस का इस्तेमाल करूंगा और खुद को पीछे रोककर देखूंगा कि मैं सिंगल्स और डबल्स ले सकूं। तो यह काफी अच्छा रहा।' अय्यर ने कहा, 'मैं हमेशा कहता रहता हूं कि पांच ओवर का गेम कहीं भी जा सकता है।

शैफाली वर्मा कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा WT20I रन बनाने वाली खिलाड़ी बनीं

नहीं तोड़ पाईं पाकिस्तानी जोड़ी का एशियन गेम्स का रिकॉर्ड

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार बल्लेबाज शैफाली वर्मा ने 2026 में एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम की। शैफाली वर्मा महिला टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। शैफाली वर्मा ने इस मामले में दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोल्वार्ड्ट को पीछे छोड़ा।

क्रिकबज के आंकड़ों के मुताबिक, लॉरा वोल्वार्ड्ट ने 2026 में अब तक 863 रन बनाए हैं। हालांकि, एशियन गेम्स 2026 में श्रीलंका के खिलाफ स्मृति मंधाना के साथ उनकी 99 रन की साझेदारी उन्हें इस प्रतियोगिता (महिला वर्ग) में किसी भी विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी के रिकॉर्ड तक नहीं पहुंचा पाई।

एशियन गेम्स का यह रिकॉर्ड पाकिस्तान की आयशा जफर और शवाल जुल्फिकार के नाम है। आयशा जफर और शवाल जुल्फिकार ने एशियन गेम्स 2026 में श्रीलंका के खिलाफ 115 रन की साझेदारी की थी।

शैफाली वर्मा ने 2026 में महिला ञ्20द्ब क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। उनके नाम इस कैलेंडर ईयर में 863 रन हो गए हैं। इसके साथ ही वह एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा महिला ञ्20द्ब रन बनाने वाली बैटर बन गई हैं। इस सूची में दक्षिण अफ्रीका की लॉरा वोल्वार्ड्ट 824 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं। हॉन्गकॉन्ग की नताशा माइल्स ने 800 रन के साथ तीसरे और संयुक्त अरब अमीरात की ईशा ओजा 779 रन के साथ चौथे नंबर पर हैं।

स्मृति ने रचा इतिहास

11000 रन बनाने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनीं

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान और स्टार बैटर स्मृति मंधाना ने एक बार फिर खुद को बड़ी मैच की खिलाड़ी साबित किया। उन्होंने श्रीलंका के खिलाफ एशियन गेम्स 2026 के फाइनल (गोल्ड मेडल मैच) में बेहतरीन अर्धशतक जड़ा। उन्होंने इस पारी में अपना 37वां टी20 इंटरनेशनल अर्धशतक लगाया। स्मृति ने पारी में 13 रन बनाते ही एक खास मुकाम भी महिला क्रिकेट में हासिल कर लिया है।

हाल ही में स्मृति मंधाना ने मिताली राज को पीछे छोड़ते हुए सबसे ज्यादा महिला इंटरनेशनल रन का रिकॉर्ड बनाया था। अब वह 11 हजार रन महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में पूरे कर चुकी हैं। वह महिला क्रिकेट में यह मुकाम हासिल करने वाली पहली खिलाड़ी बनी हैं। उन्होंने अपने 308वें इंटरनेशनल मैच में यह उपलब्धि हासिल की है। वहीं उन्होंने अपनी साथी ओपनर शैफाली वर्मा के साथ भी तीन बड़े रिकॉर्ड बनाए।

सबसे ज्यादा रन बनाने वाली 5 खिलाड़ी

- स्मृति मंधाना (भारत): 11060* रन
- मिताली राज (भारत): 10868 रन
- सूजी बेट्स (न्यूजीलैंड): 10740 रन
- शार्लेट एडवर्ड्स (इंग्लैंड): 10273 रन
- स्टेफनी टेलर (वेस्टइंडीज): 10005 रन

एशियन गेम्स: क्वार्टर फाइनल में नॉर्थ कोरिया से होगा मुकाबला

महिला टेबल टेनिस टीम ने थाईलैंड को हराया

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में भारत की महिला टेबल टेनिस टीम ने मंगलवार को थाईलैंड को हराते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। भारतीय टीम ने 2-1 से पिछड़ने के बाद जोरदार वापसी करते हुए थाईलैंड को 3-2 से हराया और क्वार्टर फाइनल में पहुंची। क्वार्टर फाइनल में भारतीय टीम का सामना नॉर्थ कोरिया से होगा। यशस्विनी घोरपड़े ने दो जीत के साथ भारत को मुकाबले में बनाए रखा, जबकि श्रीजा अकुला ने ओलंपियन और एशियन गेम्स मेडलिस्ट सुथासिनी सावेत्ताबुत पर 3-1 (9-11, 11-6, 12-10, 11-8) से जीत हासिल करके मुकाबला पक्का कर दिया।

भारत ने अब तक एशियन गेम्स टेबल टेनिस में तीन कांस्य पदक जीते हैं। यह सफलता जकार्ता 2018 में मिली थी, जहां

भारतीय पुरुष टीम ने एशियन गेम्स में देश के लिए पहला टेबल टेनिस मेडल जीता। इसके बाद शरत कमल और मनिका बत्रा ने मिक्स्ड डबल्स में एक और कांस्य पदक जीता। हांगझोऊ 2023 में, सुतीर्था मुखर्जी और अयहिका मुखर्जी ने महिला डबल्स में कांस्य पदक जीता था। इससे पहले, भारत के कराटे खिलाड़ी चेतन भट्ट मंगलवार को कांस्य पदक मैच में चीनी ताइपे के चुंग मेंग-यू से सेंशु के हाथों हारने के बाद पुरुषों की 84 किग्रा कुमाइट में पोडियम फिनिश से चूक गए। कांस्य पदक के मुकाबले में, चेतन का मुकाबला चीनी ताइपे के मेंग-यू चू से हुआ। स्कोर 1-1 से बराबर था और मेंग-यू को सेंशु के जरिए विजेता घोषित किया गया।भट्ट इससे पहले अपना सेमीफाइनल जॉर्डन के मोहम्मद अलजा'फारी से 8-0 से हार गए थे।

एशियन गेम्स 2026: महिला टीम क्वार्टर फाइनल के पहले मैच में हारीं पीवी सिंधु

जापान ने बनाई 1–0 की बढ़त

चिनोमिया सिटी । भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु को मंगलवार को एशियन गेम्स 2026 के महिला टीम क्वार्टर फाइनल के पहले मैच में जापान की अकाने यामागुची के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। यह मुकाबला इचिनोमिया सिटी म्युनिसिपल जिम्नेजियम में खेला गया, जहां यामागुची ने सिंधु को हराकर अपनी टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। पहला गेम टाई-ब्रेक में जीतने के बाद सिंधु तीन बार की वर्ल्ड चैंपियन यामागुची से 21-23, 21-18, 21-11 से हार गईं, जिससे जापान को क्वार्टर फाइनल में 1-0 की बढ़त मिल गई। उन्नति हुड्डा दूसरे मुकाबले में टोमोका मियाजाकी के खिलाफ भारत के लिए स्कोर

बराबर करने की कोशिश करेंगी। इस मैच से पहले, दोनों खिलाड़ी 30 बार आमने-सामने हो चुकी थीं, जिसमें सिंधु 16 जीत के साथ हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में आगे थीं। मंगलवार की हार के बाद दोनों के बीच हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 16-15 हो गया है, जो अभी भी सिंधु के पक्ष में है।

सिंधु ने 6-10 के अंतर को पाटते हुए अच्छा खेल दिखाया और स्कोर 12-12 तक पहुंचाया। इसके बाद 15-18 से पिछड़ने के बाद वापसी की और एक गेम प्वाइंट बचाकर पहला गेम 23-21 से जीता। दूसरे गेम में, 12-17 से पिछड़ने के बाद सिंधु ने तेजी से कुछ प्वाइंट हासिल किए और अंतर को 16-18 तक कम कर दिया।